प्रकाशन का सफलतम 17 वां वर्ष

आवाज आज की, नज़र कल पर

पूर्वांचल सूर्य

रांची > दिल्ली > देवघर से प्रकाशित

www.purvanchalsurya.com

RNI No.- JHAHIN/2007/24306

10

वर्ष - 17 | अंक 251 | दैनिक | रांची | गुरुवार 25 अप्रैल 2024 | पृष्ठ - 12 | मूल्य : ₹ 4.00

सुविचार

गीता में कहा गया है कोई भी
अपने कर्म से भाग नहीं सकता
कर्म का फल तो भुगतना ही पड़ता है!!

श्रीमद् भगवद् गीता

हैरतअंगेज

बीकानेर में डेढ़ बीघा जमीन धंसने का रहस्य और गहराया

राज जानने के लिए लग रहा लोगों का मेला, अब जियोलॉजिकल विभाग करेगा जांच

बीकानेर (एजेंसी)। राजस्थान के बीकानेर जिले में 9 दिन पहले डेढ़ बीघा जमीन अचानक 100 फीट नीचे धंस गई। इसका रहस्य अभी भी बरकरार है। यह घटना अब सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियों में है। इस घटना ने लोगों को हैरत में डाल दिया है। लोग इस जगह पर रिल्स बनाने के लिए उमड़ रहे हैं। इसके बाद हादसे की आशंका के चलते अब प्रशासन ने यहां पर लोगों की आवाजाही पर पाबंदी लगा दी है। जमीन धंसने की घटना से ऐसा लग रहा है कि कोई खगोलीय पिंड जमीन से टकराया हो, जिसके बाद यह गहरा गड्ढा हो गया। हैरत कर देने वाली यह घटना बीकानेर जिले के लूणकरणसर तहसील के सहजरासर गांव की है। जहां डेढ़ बीघा जमीन धीरे-धीरे 100 फुट नीचे धंस गई है। यह घटना

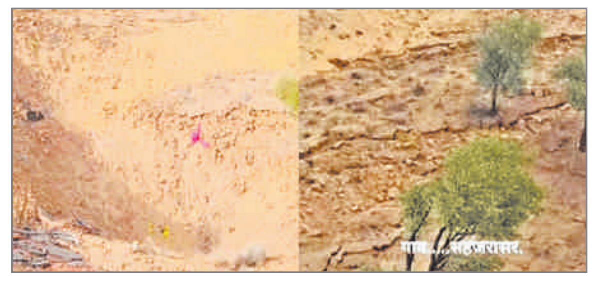

अब लोगों में आश्चर्य का विषय बन गई है। आसपास के लोगों के अनुसार इस क्षेत्र में कई वर्षों पहले बिजली गिरी। इसके चलते ग्रामीणों का मानना है कि हर साल मिट्टी धंसती गई। इसके चलते लोगों ने इस स्थान को 'बिजलगढ़' का नाम दे दिया। लोगों ने बताया कि जमीन धंसने की घटना को लेकर उन्होंने कई बार प्रशासन को इस मामले की सूचना दी है। बीकानेर जिले में अचानक डेढ़ बीघा जमीन के 100 फीट नीचे धंस जाने की घटना काफी सुर्खियों में है। इस घटना को लेकर बीकानेर जिला प्रशासन का मानना है कि इस जगह के नीचे कोई तालाब या कुआं रहा होगा, जिसकी वजह से जमीन धंस गई। जिस गांव में जमीन धंसी है उस स्थान के करीब से सड़क भी इस गड्ढे में समा गई।

संक्षिप्त समाचार

अब इलेक्टोरल बॉन्ड पर रार, एसआईटी जांच की मांग

- लेनदेन को लेकर प्रशांत भूषण ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिये राजनीतिक दलों, कॉरपोरेट और अधिकारियों के बीच कथित लेनदेन की विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच कराई जाए। वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने इस मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सुप्रीम कोर्ट की पांच जजों की बेंच ने 15

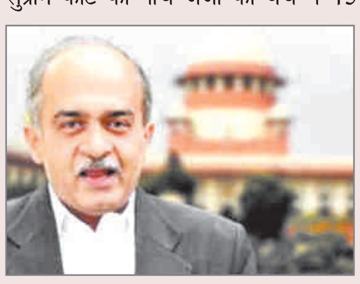

फरवरी को इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को गैर संवैधानिक करार देकर स्टेट बैंक से कहा था कि वह लेनदार और देनदार की लिस्ट जारी करे। यह लिस्ट चुनाव आयोग की वेबसाइट के जरिये पब्लिक डोमेन में आ चुकी है। एडवोकेट प्रशांत भूषण ने अब सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर गुहार लगाई गई है कि मामले में फर्जी कंपनी और घाटे में चल रही कंपनियों की तरफ से दिए गए चंदे के मामले में फंड के स्रोत का पता लगाना जरूरी है।

बीच लोकसभा चुनाव देश के 4 शहरों में ईडी का छापा

- तुलसियानी ग्रुप के लखनऊ, प्रयागराज और गुड़गांव ठिकानों पर छापेमारी

प्रयागराज (एजेंसी)। रीयल एस्टेट से जुड़े तुलसियानी ग्रुप के कई ठिकानों पर ईडी अफसरों ने बुधवार को छापा मारा। लखनऊ, प्रयागराज, नोएडा और गुरुग्राम में ईडी की कई टीमें जांच कर रही हैं। तुलसियानी ग्रुप पर बैंक और निवेशकों के 30 करोड़ से ज्यादा की रकम हड़पने का आरोप है। तुलसियानी ग्रुप द्वारा पंजाब नैशनल बैंक की कर्ज की रकम हड़पने और तमाम निवेशकों की तरफ से दर्ज कराए गए मुकदमों के आधार पर ईडी ने अपनी जांच शुरू की थी।

अभिनेता शाहरुख खान और उनकी पत्नी गौरी इस ग्रुप की ब्रांड एंबेसडर रह चुकी हैं। गौरतलब है कि दिसंबर, 2023 में तुलसियानी ग्रुप के खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ था। आरोप है कि कंपनी ने जाली दस्तावेज जमाकर पंजाब नेशनल बैंक से 4.63 करोड़ रुपये कर्ज लिया था। जब कर्ज ने वसूली के लिए पत्राचार शुरू किया तो कंपनी की तरफ से कोई जवाब नहीं दिया गया। इसके बाद बैंक मैनेजर ने तुलसियानी ग्रुप के निदेशक महेश तुलसियानी, अनिल कुमार तुलसियानी और पूर्व निदेशकों पर हजरतगंज कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया।

छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में पीएम मोदी का कांग्रेस पर बड़ा हमला

माता-पिता से मिलने वाली संपत्ति पर भी टैक्स लगाएगी कांग्रेस

- कहा-कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पर सबसे बड़ा हमला बोल दिया है। सैम पित्रोदा के विरासत टैक्स वाले बयान पर पीएम ने एक जनसभा में कहा है कि कांग्रेस अब माता-पिता से मिलने वाली संपत्ति पर भी टैक्स लगाने का काम करने वाली है। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने खुद एक परिवार से दूसरे परिवार को सत्ता ट्रांसफर की है,

लेकिन देश के लोगों को ऐसा करने से रोका जा रहा है। पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ के सरगुजा में कहा कि शाही परिवार के शहजादे के सलाहकार ने कुछ समय पहले कहा था कि मिडिल क्लास पर और ज्यादा टैक्स लगाना चाहिए। अब ये लोग इससे भी एक कदम और आगे बढ़ गए हैं। अब कांग्रेस का कहना

है कि वो इनहेरिटेंस टैक्स लगाएगी, माता-पिता से मिलने वाली विरासत पर भी टैक्स लगाएगी। आप जो अपनी मेहनत से संपत्ति जुटाते हैं, वो आपके बच्चों को नहीं मिलेगी। कांग्रेस का पंजा वो भी आपसे छीन लेगा। कांग्रेस का मंत्र है- कांग्रेस की लूट, जिंदगी के साथ भी और जिंदगी के बाद भी। जानकारी के लिए बता दें कि सैम पित्रोदा ने एक बयान में विरासत टैक्स की बात कर दी थी।

भारत आत्मनिर्भर बना तो कईयों की दुकानें बंद हो जाएंगी

जब मैं विकसित भारत कहता हूं तो कांग्रेस और दुनिया की कुछ ताकतों का माथा गरम हो जाता है। अगर भारत शक्तिशाली हो गया तो कुछ ताकतों का खेल ही बिगड़ जाएगा। भारत आत्मनिर्भर बन गया तो कुछ ताकतों की दुकान बंद हो जाएगी। इसलिए वे भारत में कांग्रेस और इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार चाहते हैं। उन्होंने कहा कि सत्ता के लालच में कांग्रेस देश को तबाह करने में लगी रही। देश में आतंकवाद किसके कारण फैला। देश में नक्सलवाद किसके कारण बढ़ा।

इलेक्शन को नहीं कर सकते कंट्रोल, ईसी ने दूर किया संदेह

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के जरिए से डाले गए वोटों का पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) के साथ पूर्ण सत्यापन करने को लेकर दायर याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया। इस दौरान कोर्ट

- ईवीएम-वीवीपैट मामले में सुप्रीम कोर्ट की दो टूक, फैसला सुरक्षित

ने अहम टिप्पणी करते हुए साफ किया कि वह चुनावों के लिए कंट्रोलिंग अथॉरिटी नहीं है और संवैधानिक अथॉरिटी भारत के चुनाव आयोग के कामकाज को निर्देशित नहीं कर सकता है। सुनवाई के दौरान, अदालत ने कहा, हम उन चुनावों को कंट्रोल नहीं कर सकते, जो किसी अन्य संवैधानिक प्राधिकरण (चुनाव आयोग) द्वारा आयोजित किए जाने हैं। अदालत ने कहा कि चुनाव निकाय (चुनाव आयोग) ने संदेह को दूर कर दिया है। जस्टिस

संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की बेंच ने कहा कि वह महज संदेह के आधार पर कार्रवाई नहीं कर सकती। इस याचिका को एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की थी।

यूपी चुनाव में अब तालिबान हनुमान और शरिया की एंट्री

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 का पहला चरण बीत चुका है। 26 अप्रैल को दूसरे चरण की वोटिंग के लिए चुनाव प्रचार आज शाम पांच बजे थम जाएगा। सात चरणों में होने वाले चुनाव के प्रचार ने तेजी पकड़ ली है। बीजेपी, कांग्रेस, सपा और बसपा

के सभी कद्दावर नेता मैदान में उतर चुके हैं।

इन सभी दलों के स्टार प्रचारक एक दूसरे पर वार-पलटवार करते जा रहे हैं। सभी तरह के मुद्दों के बीच मुसलमान, हनुमान, शरिया जैसे शब्द भी नेताओं के बयान में शामिल हो चुके हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी चुनावी रैलियों में कहते नजर आते हैं- कांग्रेस का घोषणापत्र देखिए। इसमें वे कहते हैं कि शरिया कानून लागू कर देंगे। भारत संविधान से चलेगा। कांग्रेस के लोग अपने घोषणापत्र में कहते हैं कि व्यक्तिगत कानून यानी शरिया कानून को लागू करेंगे। कांग्रेस को देश की

- सीएम योगी आदित्यनाथ भर रहे हुंकार, सपा और कांग्रेस निशाने पर

कीमत पर येन केन प्रकारेण सत्ता चाहिए। वह महिलाओं पर बर्बर अत्याचार करने वाले तालिबानी प्रवृत्ति को भारत में लागू करना चाहती है। ये लोग तीन तलाक का समर्थन करते हैं। कांग्रेस देश में शरिया कानून लागू करके तालीबानी विध्वंस की समर्थक है। उनके घोषणापत्र में आधी आबादी के अपमान के इरादे साफ दिखाई देते हैं।

मीरा रोड हिंसा

बीजेपी नेता गीता जैन और नीतेश राणे की बढ़ेंगी मुश्किलें!

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की मीरा रोड पर हिंसा के बाद भड़काऊ भाषण के मामले में बीजेपी नेता नीतेश राणे और स्थानीय विधायक गीता जैन की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राज्य सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट में कहा है कि भड़काऊ भाषण के मामले को लेकर बीजेपी विधायक नितेश राणे और गीता जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। सरकारी वकील हितेन वेणेगावंकर ने कोर्ट को बताया कि दोनों नेताओं के खिलाफ अलग-अलग पुलिस स्टेशनों में केस दर्ज किए गए हैं। मीरा रोड पर पूरे विवाद की शुरुआत रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले हुई थी।

कांग्रेस को बीच चुनाव में अब बैकफुट पर लाए सैम पित्रोदा

अब पार्टी ने बयान से झाड़ा पल्ला, खुद भी दे रहे सफाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के पहले राउंड की वोटिंग हो चुकी है और दो दिन बाद दूसरे चरण का मतदान होना है। इस बीच कांग्रेस के सीनियर नेता सैम पित्रोदा के बयान पर विवाद खड़ा हो गया है और इसे भाजपा ने लपक लिया है। सैम पित्रोदा ने अमेरिका का हवाला देते हुए कहा था कि वहां पर विरासत टैक्स है और किसी के भी मरने पर 55 फीसदी दौलत सरकार की हो जाती है। उसके परिजनों और बच्चों को

45 फीसदी संपत्ति ही मिलती है। यह अच्छा नियम है और भारत में भी इस पर बहस की जरूरत है। इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया तो अब कांग्रेस पार्टी ने उनके बयान से ही पल्ला झाड़ लिया है। इसके अलावा सैम पित्रोदा ने भी सफाई देते हुए कहा है कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने ट्वीट कर सैम पित्रोदा के बयान को उनकी निजी राय बताया है। जयराम रमेश ने कहा, सैम पित्रोदा मेरे सहित दुनिया भर में कई लोगों के लिए गुरु, मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक के समान रहे हैं। उन्होंने भारत के विकास में कई महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वह इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष हैं। पित्रोदा जी उन मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखते हैं जिनके बारे में वह बोलना जरूरी समझते हैं। लोकतंत्र में एक व्यक्ति अपनी बात रखने, चर्चा करने और व्यक्तिगत विचारों को लेकर बहस करने के लिए निश्चित रूप से स्वतंत्र भी होता है। इसके आगे जयराम रमेश ने सैम पित्रोदा से पल्ला झाड़ते हुए लिखा, इसका मतलब यह नहीं है कि पित्रोदा जी के विचार हमेशा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पोजीशन को दर्शाते हैं। कई बार उनके विचार अलग होते हैं।

पीएम मोदी की स्पीच के खिलाफ ईसी ने शुरू की जांच

- बांसवाड़ा में कहा था-कांग्रेस सत्ता में आई तो आपकी संपत्ति मुस्लिमों में बांट देगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलेक्शन कमीशन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बांसवाड़ा में दिए गए बयान की जांच शुरू कर दी है। पीएम मोदी ने राजस्थान के बांसवाड़ा में कहा था कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो लोगों की संपत्ति को मुस्लिमों में बांट देगी। साथ ही पीएम ने पूर्व प्रधानमंत्री

मनमोहन सिंह की उस टिप्पणी का भी जिक्र किया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार अल्पसंख्यकों का है। पीएम के इस बयान के खिलाफ कांग्रेस और सीपीआई-एम ने चुनाव आयोग में अलग-अलग शिकायतें दर्ज कराई थीं।

आ गई खुशखबरी!

ट्रेनों में अब जल्द खत्म होगा वेटिंग का झंझट

- रेल मंत्री ने बताया-कब से मिलेगा कंफर्म टिकट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ट्रेनों के जनरल और स्लीपर कोच में यात्रियों की भीड़ होना तो आम बात थी मगर अब एसी कोच में भी लोगों की धक्का-मुक्की बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर आए दिनों कई तस्वीरें

और वीडियो सामने आती रही हैं, जिनमें लोग एसी कंपार्टमेंट में भी भेड़-बकरियों की तरह भरे हुए नजर आ रहे हैं। इसी बीच केंद्रीय रेल और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव का कहना है कि अगले पांच वर्षों में लगभग सभी रेल यात्रियों को कन्फर्म टिकट मिल सकता है। अश्विनी वैष्णव की बातों पर भरोसा करें तो अगले पांच साल में वेटिंग के झंझट से छुटकारा मिलने वाला है।

आईएएनएस से बातचीत में अश्विनी वैष्णव ने यह भी कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रेलवे में अभूतपूर्व परिवर्तन किया है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, अगले पांच वर्षों में, पीएम मोदी गारंटी देते हैं कि रेलवे की क्षमता इतनी बढ़ा दी जाएगी कि यात्रा करने वाले लगभग किसी भी यात्री को आसानी से कन्फर्म टिकट मिल सके। उन्होंने कहा कि अगले पांच वर्षों में देश की अर्थव्यवस्था की मजबूत कड़ी के जरिए रेलवे को और मजबूत किया जाएगा और खासकर यात्रियों के लिए सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जाएगा। वैष्णव ने पिछले दशक में भारतीय रेलवे के बदलाव पर भी जोर दिया और कहा, 2014 से 2024 तक 31,000 किलोमीटर नए ट्रैक बनाए गए।

ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार बोली-भारत सरकार ने देश छोड़ने को मजबूर किया

- चुनावी कवरेज की इजाजत नहीं दी, सरकार ने कहा-उन्होंने वीजा नियम तोड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की एक पत्रकार ने मंगलवार को दावा किया है कि उसे भारत में चुनाव की कवरेज की इजाजत नहीं दी गई। उन्हें देश छोड़कर जाने के लिए भी मजबूर किया गया। ऑस्ट्रेलिया के न्यूज कंपनी के लिए काम करने वाली अवनी डिऐज 19 अप्रैल को भारत छोड़कर जा चुकी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अवनी वही पत्रकार हैं, जिन्होंने कनाडा में खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के खिलाफ एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। यूट्यूब पर मौजूद इस रिपोर्ट को भारत सरकार ने देश में बैन कर दिया गया था। इस न्यूज ने इसका विरोध भी किया था। अवनी ने अपने एक पॉडकास्ट लुकिंग फॉर मोदी में बताया कि भारत सरकार ने उनके वीजा परमिट को यह कहकर आगे नहीं बढ़ाया गया कि उनकी रिपोर्ट्स ने लाइन क्रॉस की है।

इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए निवेश बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा सीडीआरआई

विशेष संवाददाता, रांची। नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में इंटरनेशनल कॉन्फेरेंस ऑन डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (आईसीडीआरआई) की शुरुआत हुई। इस दो दिवसीय सम्मेलन में 42 देशों के 117 वक्ता शामिल हो रहे हैं। आईसीडीआरआई, कोएलिशन फॉर डिजास्टर रेजिलिएंट इंफ्रास्ट्रक्चर (सीडीआरआई) का एक प्रमुख ईवेंट है। सीडीआरआई 2019 में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किया गया एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है। सीडीआरआई में वर्तमान में 46 सदस्य हैं। इस साल आयोजित हो रहे आईसीडीआरआई 2024 का विषय इनवेस्ट टुडे फॉर ए मोर रेजिलिएंट टुमॉरो है।

आईसीडीआरआई एक दो दिवसीय ईवेंट है। इस कार्यक्रम में आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के विकास में मदद करने के लिए सरकारों, वैश्विक इंफ्रास्ट्रक्चर समुदाय, बहुपक्षीय विकास बैंकों, निजी क्षेत्र और मीडिया को एक साथ लाने का प्रयास किया जाएगा।

वर्चुअल रूप से इस ईवेंट का उद्घाटन भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। उद्घाटन के मौके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर डालते हुए कहा कि आपदाओं के कारण बुनियादी ढांचे को होने वाले नुकसान का आंकड़ा डॉलर में पेश किया जाता है, लेकिन वास्तव में इसका असर आम लोगों और समुदायों पर पड़ता है। प्रधानमंत्री ने सीडीआरआई को 2019 के बाद से इसकी जबर्दस्त ग्रोथ और इसके कार्यक्रमों के लिए बधाई दी। सीडीआरआई 13 छोटे द्वीपीय विकासशील राज्यों सहित देश में मजबूत बुनियादी ढांचे के विकास में अपना योगदान दे रहा है। उन्होंने इस उम्मीद के साथ अपनी बात खत्म की कि %साझा वैश्विक मजबूती% हासिल करने में आईसीडीआरआई दुनिया भर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

श्री श्री 108 श्री हनुमत प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए ~मुन्ना सिंह

प्रतिनिधि। हजारीबाग।कटकमदाग प्रखंड के कदमा गाँव में कदमा देवी मण्डप पूजा समिति द्वारा श्री श्री 108 हनुमत प्रान्त प्रतिष्ठा यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें बडी संख्या में ग्रामीणों ने आकर कलश यात्रा में भाग लिया।वहीं सैकड़ों की संख्या में महिलाओं ने कलश में जल लेकर मंदिर प्रांगण में प्रवेश किया।इस कार्यक्रम में समाजसेवी व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुन्ना सिंह ने उपस्थित श्रद्धालुओं के साथ कलश यात्रा में भाग लिया। श्री सिंह ने कहा कि गांव वासियों के आपसी सहयोग व समन्वय से इतना सुंदर मंदिर का प्राण प्रतिष्ठा का आयोजन आज होने जा रहा है जिससे वे काफी प्रसन्न हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल धार्मिक श्रद्धा का विकास होता है बल्कि आस-पास के इलाको कि आर्थिक गतिविधियों भी वृद्धि नजर आती है। आगे उन्होंने ग्रामवासियों को इस भव्य आयोजन के लिए शुभकामनायें दी तथा कदमा देवी मण्डप पूजा समिति का आभार व्यक्त किया।इस दौरान मुख्य रूप से उपस्थित उदयनाथ सिंह वीरेंद्र कुमार सिंह सुरेश सिंह सत्यपाल सिंह विनय सिंह नवीन सिन्हा सहदेव सिंह शंकर राणा दिलीप साहू प्रकाश साहू मनोज सिन्हा ऋषिकेश सिंह रोहित कुमार सिंह विनीत सिंह निप्पू सिंह इत्यादि लोग उपस्थित थे।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस का दूसरा सीजन लॉन्च

रांची। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने राष्ट्रीय कौशल प्रोग्राम - सैमसंग इनोवेशन कैंपस - के दूसरे सीजन को लॉन्च किया है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य एआई, आईओटी, बिग डेटा और कोडिंग एंड प्रोग्रामिंग जैसे भविष्य के तकनीकी डोमेन में युवाओं को कुशल बनाने के लिए तैयार किया गया है। सैमसंग इनोवेशन कैंपस का लक्ष्य 18-25 वर्ष की आयु के युवाओं को भविष्य की तकनीकों में कुशल बनाना और उनकी रोजगार क्षमता को बेहतर करना है।

यह प्रोग्राम भारत की विकास गाथा में एक मजबूत भागीदार और योगदान की दिशा में सैमसंग की प्रतिबद्धता को सामने लाता है है। इसे युवाओं के लिए सही अवसर पैदा करने के लिए स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी भारत सरकार की पहल का समर्थन करने के लिए तैयार किया गया है।

इस सप्ताह की शुरुआत में सैमसंग और इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर स्किल्स काउंसिल ऑफ इंडिया (ईएसएससीआई) के बीच भारत भर में 3,500 छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस वर्ष यह प्रोग्राम केवल कौशल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं होगा, बल्कि उससे आगे बढ़कर छात्रों के लिए और अधिक रोमांचक अवसरों को सामने लेकर आएगा। प्रत्येक डोमेन के राष्ट्रीय टॉपर्स को 1 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिलेगा और साथ ही दिल्ली/एनसीआर में सैमसंग केंद्रों का दौरा करने का अवसर भी मिलेगा। इन केंद्रों का दौरा करने से छात्रों को सैमसंग की नेतृत्व टीम के साथ बातचीत करने और उनसे सीखने व समझने का अवसर मिलेगा। राष्ट्रीय पाठ्यक्रम के टॉपर्स को सैमसंग गैलेक्सी बड्स और सैमसंग गैलेक्सी स्मार्टवॉच जैसे रोमांचक सैमसंग उत्पाद भी मिलेंगे।

कौन बनेगा करोड़पति के नए सीजन का आगाज जल्द

वरीय संवाददाता, रांची। सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का कौन बनेगा करोड़पति एक ऐसा रियलिटी शो है, जिसे हर उम्र के दर्शक बड़े ही चाव से देखते हैं। दर्शकों से इसे इतना प्यार और प्रशंसा मिली है कि चैनल ने इसके सीजन-16 को शुरू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही, कौन बनेगा करोड़पति के रजिस्ट्रेशन की तारीख का ऐलान भी कर दिया गया है। शो के लिए रजिस्ट्रेशन्स 26 अप्रैल रात 9 बजे से शुरू होने जा रहे हैं।

कौन बनेगा करोड़पति एक ऐसा मंच है, जो देश के कोने-कोने से आने वालों को करोड़पति बनने का मौका देता है। शो की लोकप्रियता ऐसी है कि मेकर्स अब केबीसी के नवीनतम सीज़न 16 के माध्यम से बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों का भरपूर मनोरंजन करने फिर से लौट रहे हैं।

युवा कांग्रेस के द्वारा डोर टू डोर अभियान चलाया गया

लातेहार, प्रतिनिधि। मनिका प्रखंड मुख्यालय में कांग्रेस के युवा न्याय घोषणा पत्र को लेकर डोर टू डोर अभियान चलाया गया। युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष मिथलेश पासवान की अध्यक्षता में अभियान चलाकर युवा न्याय घोषणा पत्र के प्रति लोगों को जानकारी दिया गया। मौके पर युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष विशाल पासवान, मिथिलेश कुमार, रिंकू कुमार, बिजेंद्र कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

ब्रह्मानंद नारायणा हॉस्पिटल, जमशेदपुर में सीआरटी-डी इम्प्लांटेशन प्रक्रिया रहा सफल

हृदय की पंपिंग क्रिया में कमी के कारण मरीज को सांस लेने में हो रही थी कठिनाई

प्रतिनिधि, जमशेदपुर। ब्रह्मानंद नारायणा हॉस्पिटल, तमोलिया में एक असाधारण चिकित्सा मामले में इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अखलाक अहमद ने 44 वर्षीय विनोद कुमार शर्मा (बदला हुआ नाम) का सफल ऑपरेशन किया, जो सांस लेने में कठिनाई से पीड़ित थे। मरीज को सांस लेने में तकलीफ की शिकायत के साथ हॉस्पिटल लाया गया था। हॉस्पिटल में कंसल्टेंट-इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. अखलाक अहमद ने मरीज की देखभाल की और हृदय की समस्याओं के आकलन के लिए एंजियोग्राम का सुझाव दिया। सांस लेने में तकलीफ के अलावा युवा सज्जन पूरी तरह से स्वस्थ थे और उन्हें कोई अन्य बीमारी नहीं थी। रोगी का मूल्यांकन किया गया और पाया गया कि हृदय की पंपिंग क्रिया कम थी (एलईवीएफ लगभग 20 प्रतिशत)। हृदय की कम पंपिंग कार्यप्रणाली को देखते हुए, मरीज को बेहतर परिणाम के लिए सीआरटी-डी प्रत्यारोपण की सलाह दी गई थी। प्रक्रिया सफलतापूर्वक की गई और जिसके बाद मरीज को उसकी शिकायत से राहत मिल गई और 1 दिन के बाद स्थिर स्थिति में छुट्टी दे दी गई। डॉ. अहमद के अनुसार सीआरटी-डी इम्प्लांटेशन के सामान्य लक्षण क्रमशः ऊंचाई तक चलने में असमर्थता, थकान, पसीना और सांस फूलना हैं। डॉ. अहमद ने बताया कि सीआरटी-डी इम्प्लांट लोकल एनेस्थीसिया में की जाने वाली एक डे केयर प्रक्रिया है जिसके लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिक्स टीम के साथ विशेषज्ञता और अनुभव की आवश्यकता होती है। सीआरटी-डी इम्प्लांटेशन का सबसे आम कारण कंजेस्टिव हृदय विफलता है जो विस्तारित कार्डियोमायोपैथी के कारण बहुत कम पंपिंग फ़ंक्शन के साथ होता है। इस समस्या में अंतिम उपचार हृदय प्रत्यारोपण है लेकिन सीआरटी-डी प्रत्यारोपण ने हृदय के पंपिंग कार्य को बढ़ाकर और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करके कई लोगों की जान बचाई है। इस संबंध में फेसिलिटी डायरेक्टर विनीत राज ने कहा कि ब्रह्मानंद नारायणा हॉस्पिटल सभी हृदय संबंधी हस्तक्षेपों को संचालित करने के लिए नवीनतम और आधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है। यह उपलब्धि कार्डियोलॉजी के क्षेत्र में उच्चतम गुणवत्ता वाली हृदय देखभाल और जटिल प्रक्रियाएं प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। हम सीमाओं को आगे बढ़ाने और अपने मरीजों को असाधारण देखभाल प्रदान करने के लिए तत्पर हैं।

मायुमं सुरभि शाखा का बच्चों के लिए पांच दिवसीय अंडर प्रिविलेज कार्यक्रम शुरू

प्रतिनिधि, जमशेदपुर। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की देखरेख में विभिन्न शाखाओं द्वारा आयोजित होने वाले सामाजिक कार्य के क्रम में इस बार 22 से 26 अप्रैल तक बच्चों के लिए पांच दिवसीय कार्यक्रम प्रांत स्तर में आयोजित किया गया। इसी क्रम में मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा द्वारा पांच दिवसीय कार्यक्रम अंडर प्रिविलेज बच्चों के लिए आयोजित किया जा रहा है। शाखा अध्यक्ष कविता अग्रवाल ने बताया की इस आयोजन के प्रथम दिन सोमवार को एग्रिको स्थित पंजाब रिफ्यूजी मिडिल स्कूल में बच्चों के लिए मन लगाकर सांस और मन लगाकर खाना खाने का कार्यशाला आयोजित किया गया। जिसमें शिल्पी पलसानिया (इंडिया वर्ल्डवाइड) द्वारा बच्चों को यह बताया गया कि माइंडफुल ईटिंग अपनाने से व्यक्ति तनाव मुक्त रहने के साथ-साथ खुद को हेल्दी महसूस भी करता है। माइंडफुल ईटिंग एक ऐसा नुस्खा है जो हर समय एकमात्र विकल्प साबित हो सकता है साथ ही आपका स्वास्थ बेहतर और मजबूत बना रहता है। शिल्पी ने बच्चों को यह भी बताया कि कोई व्यक्ति अपनी सांसों का अनुभव करता है वह माइंडफुल ब्रीदिंग कहलाता है। माइंडफुल ब्रीदिंग या कहे सचेतन ध्यान से हम अपने विचारों को आसानी से कंट्रोल कर सकते हैं यह अत्यंत ही सरल प्रक्रिया है जिसे लोग आसानी से कर सकते हैं। शाखा सचिव पूजा अग्रवाल ने बताया कि यह पांच दिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों के लिए सोशल अवेयरनेस, गुड टच बैड टच, योगा सेशन, गुड ईटिंग हैबिट्स, सेल्फ हाइजीन सेशन एवं हेल्दी एवं न्यूट्रिशन फूड का कार्यशाला भी आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम अध्यक्ष कविता अग्रवाल, सचिव पूजा अग्रवाल, कोषाध्यक्ष पायल अग्रवाल के नेतृत्व में अयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पूर्व अध्यक्ष उषा चौधरी, उपाध्यक्ष पिंकी अग्रवाल, स्वास्थ्य संयोजिका अनीता अग्रवाल शाखा की सदस्य सिद्धि कावटिया का योगदान रहा।

विजय शंखनाद संस्था द्वारा हनुमान बाल रूप सज्जा प्रतियोगिता का हुआ भव्य आयोजन, 35 बच्चों ने भाग लिया

हनुमान जन्मोत्सव पर किया गया यह प्रतियोगिता लगभग 5 घंटे तक चला

प्रतिनिधि, हज़ारीबाग। विजय शंखनाद द्वारा पैराडाइस रिसोर्ट में आयोजित हनुमान बाल रूप सज्जा प्रतियोगिता में जिला के विभिन्न प्रखंडों से आए बालक बालिकाओं ने हनुमान के बाल रूप धारण कर अपने प्रतिभा का प्रदर्शन किया।3 से 6 वर्ष ग्रुप में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के तीनों विद्यार्थी अव्वल रहे, जिसमे प्रथम पुरस्कार कश्मीर वस्त्रालय द्वारा ?7100 आदिशक्ति मौर्य, द्वितीय पुरस्कार विजय शंखनाद द्वारा ?5100 अक्षत कुमार और तृतीय पुरस्कार हर्ष अजमेरा द्वारा ?3100 प्रथम शर्मा तथा ग्रुप बी 6 से 9 वर्ष में प्रथम पुरस्कार हर्ष अजमेरा द्वारा ?7100 अभिमन्यु कुमार, द्वितीय पुरस्कार विजय शंखनाद द्वारा ?5100 प्रभाकर कुमार पांडे तथा तृतीय पुरस्कार रामकिशोर सावंत द्वारा ?3100 आध्या गुप्ता ने प्राप्त किया। सभी को संस्था के चेक के माध्यम से पुरस्कार राशि दिया गया।मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक आशुतोष भारती, विशिष्ट अतिथि के रूप में आर्ष कन्या गुरुकुल के पुष्पा शास्त्री दीदी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।विशिष्ट अतिथि के रूप में रेणुका साहू, चंद्रदीप यादव, अजीत गुप्ता आदि थे। जज पैनल में अमरेंद्र विद्यार्थी झूम झा और सोनी कुमारी ने प्रतिभागियों के पुरस्कार घोषणा किया। बाकी प्रतिभागियों को संतान पुरस्कार के रूप में मेडल प्रदान किया गया।आर्ष कन्या गुरुकुल के बालक बालिकाओं एवं टीआरवी बैंड ग्रुप ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता अमरदीप यादव, संचालन ओमकार रॉय भट्ट और धन्यवाद ज्ञापन आदित्य नारायण कुशवाहा ने किया।कार्यक्रम की सफलता में संदीप उपाध्याय, कैलाश कुमार साव, पंकज मेहता, दीपक कुमार, मनदीप यादव, सोनू राय, राहुल यादव, मनोज गुप्ता, रोशन कुमार, दीपक मेहता, दीपक देवराज, छोटेलाल प्रसाद, मुकेश मोहन प्रसाद, प्रभात कुमार आदि की सराहनीय भूमिका रही।वही कार्यक्रम में सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

मानव श्रृंखला बनाकर मतदाताओं को मतदान देने के लिए किया गया जागरूक

प्रतिनिधि, बालूमाथ। लातेहार जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त गरिमा सिंह के निर्देश पर लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वीप कार्यक्रम के तहत मानव श्रृंखला का बनाकर मतदान के लिए मतदाताओ को जागरूक किया गया। मानव श्रृंखला का नेतृत्व बीएलओ,शेरेगड़ा उच्च विद्यालय के शिक्षकों ने सयुंक्त रूप से किया। जागरुकता अभियान में शेरेगड़ा विद्यालय परिसर से बाजार टांड तक विद्यार्थियों द्वारा एक दूसरे का हांथ पकड़े मानव श्रृंखला बनाई गई। मानव श्रृंखला व डेमोक्रेसी रैली में शामिल सभी काली स्याही लगाना है। ईवीएम का बटन दबाना है,पहले मतदान फिर जलपान, 20 मई 2024 को मतदान अवश्य करें सहित अन्य नारे लगाए। इस दौरान शिक्षकों ने मानव श्रृंखला का मूल उद्देश्य मतदाताओं को जागरूक करना बताया। लोकतंत्र की मजबूती के लिए इसबार 80 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य रखा गया। मानव श्रृंखला डेमोक्रेसी रैली में स्कूली छात्र छात्राएं, सेविका सहायिका सहित अन्य शामिल रहे।

कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने रामटहल चौधरी से लिया आशीर्वाद

प्रतिनिधि, रांची। कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय ने पूर्व सांसद रामटहल चौधरी से ओरमांझी स्थित उनके आवास पर मिलकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सुश्री सहाय के पिता पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय भी साथ थे।

इस क्रम में सुश्री सहाय ने श्री चौधरी से संसदीय राजनीति के अनुभवों के बारे में भी जाना।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने भी श्री चौधरी से बेटी यशस्विनी को हर संभव सहयोग देने का आग्रह किया।

गौरतलब है कि पांच बार रांची संसदीय सीट से सांसद रहे भाजपा के रामटहल चौधरी ने पिछली बार भाजपा को अलविदा कह दिया था और निर्दलीय चुनाव मैदान में उतरे थे, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा। गत दिनों श्री चौधरी ने कांग्रेस का दामन थामा। इस अवसर पर अनवर अहमद अंसारी, सुरेश बैठा, अशोक गुप्ता, शंकर गुप्ता, सुरेश साहू, तुलसी खरवार, अनीता सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

ओरमांझी प्रखंड कांग्रेस कमेटी के कार्यालय का उद्घाटन

रांची/ओरमांझी। ओरमांझी प्रखंड कांग्रेस कमेटी के कार्यालय का उद्घाटन बुधवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय एवं कांग्रेस प्रत्याशी सुश्री यशस्विनी सहाय ने संयुक्त रूप से किया।

मौके पर ओरमांझी प्रखंड कांग्रेस कमेटी के पदधारी एवं काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को समर्थन देने की अपील

प्रतिनिधि, रांची। रांची महानगर कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष व समाजसेवी शैलेंद्र सिंह ने रांची संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी यशस्विनी सहाय को विजयी बनाने की अपील की है। श्री सिंह ने कहा है कि सुश्री यशस्विनी सहाय बहुमुखी प्रतिभा की धनी युवा प्रत्याशी हैं। वह संसदीय राजनीति का लंबा अनुभव रखने वाले कांग्रेस पार्टी के कद्दावर नेता सुबोधकांत सहाय की राजनीतिक विरासत को संभालने में सक्षम होंगी। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं व रांची संसदीय क्षेत्र की जनता से सुश्री यशस्विनी को व्यापक जन समर्थन देकर भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की।

हजारीबाग लोकसभा के लिए 26 अप्रैल से मिलेगा नामांकन प्रपत्र

प्रतिनिधि, हजारीबाग। हजारी बाग लोकसभा संसदीय क्षेत्र की चुनावी प्रक्रिया चुनाव आयोग द्वारा लगभग पूर्ण हो चुकी है।सभी राजनीतिक दल भी अपने-अपनी तैयारी में जुट गए हैं। वहीं हजारीबाग के मुख्य निर्वाची पदाधिकारी सह उपायुक्त कार्यालय हजारीबाग में लोकसभा प्रत्याशी की नामांकन प्रपत्र 26 अप्रैल से बिक्री किया जाएगा। इसके बाद 3 मई तक लोकसभा प्रत्याशियों द्वारा प्रपत्र भरकर मुख्य निर्वाचित पदाधिकारी के कार्यालय में जमा किया जाएगा। वहीं आचार संहिता धर्म की पालन करते हुए प्रत्याशी एवं प्रत्याशी के प्रस्तावक और समर्थक सहित पांच लोगों को ही निर्वाचित पदाधिकारी के कार्यालय की 100 मीटर के दायरे तक आने का प्रावधान है। 100 मीटर की दूरी के बाद कार्यकर्ता और समर्थक बाहर ही रहेंगे। निर्वाचित पदाधिकारी के कार्यालय से 100 मीटर की दूरी तक आचार संहिता धर्म का पालन करते हुए प्रतिबंधित किया गया। हजारीबाग लोकसभा निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त हजारीबाग ने बताया कि 30 अप्रैल से 3 अप्रैल तक नामांकन प्रपत्र प्रत्याशी द्वारा जमा किया जाएगा। इसके बाद स्कूटीनी होने के बाद सभी को चुनाव चिन्ह आवंटित किया जाएगा।

बाबू कुंवर सिंह जैसे वीर विरले ही जन्म लेते हैं, देश उनके बलिदान को कभी नहीं भूलेगा ~काले

बागबेड़ा बाबू कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर काले ने किया नमन

प्रतिनिधि, जमशेदपुर। बागबेड़ा स्थित मां भारती के वीर सपूत बाबू वीर कुंवर सिंह के स्मारक स्थल पर हरेक वर्ष की भांति इस वर्ष भी उनके विजयोत्सव दिवस पर झारखंड भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता अमरप्रीत सिंह काले ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया. इस मौके पर स्थानीय कमेटी के सदस्यों सहित बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाएं, युवाओं एवं बुजुर्गों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर अमरप्रीत सिंह काले ने कहा कि मातृभूमि की आजादी में जिस साहस, समर्पण से उन्होंने अंग्रेजों से लोहा लिया वह चिरकाल तक हमें राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता रहेगा। अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध 80 साल की आयु में भी अदम्य साहस एवं शौर्य का प्रदर्शन करने वाले महान स्वाधीनता सेनानी, राष्ट्र गौरव, बाबू वीर कुंवर सिंह की वीरता एवं बलिदान का कृतज्ञ राष्ट्र सदैव ऋणी रहेगा।

इस मौके पर जिला पार्षद डॉ कविता परमार, पूर्व पार्षद किशोर यादव, पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता, मनोज सिंह, बागबेड़ा पंचायत सदस्य राजकुमार सिंह, उप मुखिया संतोष ठाकुर, बाबू कुंवर सिंह स्मारक समिति के अध्यक्ष सी. एस. पी. सिंह, संचालक मिथलेश कुमार, दिग्विजय सिंह, झरना देवी, जूगुन पांडे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पीरटांड़ बीडीओ सीओ, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों/कर्मियों ने किया रक्तदान

प्रतिनिधि,गिरिडीह। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी, नमन प्रियेश लकड़ा के निदेशानुसार प्रखंड कार्यालय, पीरटाड़ में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें ब्लड बैंक के कर्मियों तथा रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्य उपस्थित थे। प्रखंड कार्यालय में प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी समेत प्रखंड के अन्य अधिकारियों/कर्मियों द्वारा रक्तदान में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया तथा रक्तदान करने वाले कर्मियों को प्रमाण पत्र देते हुए भविष्य में रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान कुल 32 यूनिट ब्लड डोनेट किया गया। इसके अलावा प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा सभी से रक्तदान करने के अपील की गई। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है, इससे कई जिंदगियों को बचाया जा सकता है। इस पुनीत कार्य में सभी को जुड़ रक्तदान करने हेतु प्रेरित किया गया।

रामगढ़ अंचल का स्टाफ 10 हजार रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार

एसीबी की टीम ने की छापेमारी, कर्मचारी अमित के पास से बरामद हुए दस्तावेज

10 डिसमिल जमीन की रसीद ऑनलाइन चढ़ाने के लिए 25000 की मांगी गई थी रिश्वत

प्रतिनिधि,रामगढ़। रामगढ़ अंचल के स्टाफ अनिल कुमार महली को एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने 10 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। बुधवार को हुई इस कार्रवाई के बाद जिले में खलबली मच गई। एसीपी की टीम ने हल्का 3 के कर्मचारी अमित कुमार लोहरा को भी हिरासत में लिया और उनके कार्यालय की तलाशी ली। जहां से कई अहम दस्तावेज बरामद हुए हैं। इस मामले की पुष्टि एसीबी एसपी आरिफ इकराम ने की है।

सोते लोगों पर हुआ एसिड अटैक ,बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर

प्रतिनिधि,साहिबगंज। जिले के राजमहल प्रखंड अंतर्गत राजमहल थाना क्षेत्र के गुदरा घाट के मुख्य बाजार में एक परिवार पर एसिड अटैक का मामला प्रकाश में आया है। बुधवार की अहले सुबह करीब तीन बजे हुए इस एसिड अटैक की घटना से शहर में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि, अनुमंडल अस्पताल के पुराने भवन के समीप अर्ध निर्मित मार्केट कांप्लेक्स में होटल चलाने वाली 35 वर्षीय हसीन बीबी, 26 वर्षीय उनके भाई आलम शेख, 15 वर्षीय उक्की बेटी शबनम खातून और उनकी 60 वर्षीय मां गोलबानू बेबा छत पर सो रहे थे। रात्रि 2 से 3 के बीच उत्तर प्रदेश के मनीष कुमार ने एसिड से हमला किया, जिससे परिवार के 4 लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के तुरंत बाद आनन-फानन में स्थानीय लोगों ने सुबह घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए धनबाद हायर सेंटर रेफर कर दिया।

इधर घटना को लेकर राजमहल एसडीओ कपिल कुमार ने बताया कि एसिड अटैक की घटना की जांच राजमहल थाना की पुलिस एवं प्रशासन गंभीरता पूर्वक कर रही है। घटना से जुड़ी सभी बिंदुओं की जांच जारी है, फॉरेंसिक टीम सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाल कर जांच में जुटी हुई है। उन्होंने बताया कि एसिड से हमला करने वाले मुख्य आरोपी मनीष कुमार को गिरफ्तार कर लिया गया है। मनीष उत्तर प्रदेश का रहने वाला है, जो कुछ महीने से राजमहल में रहकर ही काम कर रहा था। पूछताछ में आरोपी ने अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। पुलिस ने वारदात में इस्तमाल हुए बचे एसिड को भी जब्त किया है। साथ ही अन्य दो युवकों को भी गिरफ्तार किया है, जिससे पूछताछ जारी है।

उपायुक्त ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण

गुणात्मक परिवर्तन हेतु डीडीसी को बनाया नोडल अधिकारी

प्रतिनिधि,साहिबगंज। जिला मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल का औचक निरीक्षण बुधवार को डीसी हेमंत सती ने किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिविल सर्जन भी मौजूद थे।

मौके पर उपायुक्त ने अस्पताल में भर्ती मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेते हुए निरीक्षण के दौरान अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को और बेहतर व सुदृढ़ करने को लेकर चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को पूरी लगन के साथ कार्य करने की बात कही। डीसी ने उपस्थित चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देश दिया कि स्वास्थ्य सुविधाओं में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। उन्होंने सीएस को अस्पताल में जीवन रक्षक दवाइयां सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। वहीं, उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से अस्पताल परिसर और शौचालय को साफङ्कसुथरा व व्यवस्थित रखने को कहा। अस्पताल में सभी जगह रोशनी की व्यवस्था और पंखा व्यवस्था करने को भी कहा। उपायुक्त अस्पताल के सभी वार्डों में गए और आवश्यक दिशाङ्कनिर्देश दिया। डीसी ने अस्पताल में उपलब्ध संसाधनों के अलावा दवाइयों के स्टॉक का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि चिकित्सा सेवा को बेहतर बनाना है, ताकि लोगों को बेहतर चिकित्सीय सुविधाएं मिल सके।

मां नगीना शाही महिला महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के तहत ईएलसी के सदस्यों के बीच मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

प्रतिनिधि,गढ़वा। 24 अप्रैल बुधवार को प्रखंड श्री वंशीधर नगर(नगर ऊंटारी) स्थित मां नगीना शाही महिला महाविद्यालय में स्वीप कार्यक्रम के तहत श्वस्ष्ट के सदस्यों के बीच मतदाता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित छात्राओं को मतदाता पंजीकरण के लिए फॉर्म 6भरने की प्रक्रिया, मतदाता पहचान पत्र में प्रविष्टियों की सुधार हेतु फॉर्म 8, मतदाता सूची में नाम हटाने हेतु फॉर्म 7, के बारे में विस्तार से बताया गया। सभी को स्वीप के तहत भावी मतदाता, चुनाव पाठशाला, वोटर अवेयरनेस फॉर्म, मतदाता जागरूकता समूह सहित विभिन्न विषयों के बारे में समझाया गया। शिक्षकों की मदद से डेमोक्रेसी रूम तैयार की गई। साथ ही साथ सभी छात्राओं को वोटर हेल्पलाइन एप, सक्षम एप, ष्ट-ङ्कद्बद्दद्बद्धरु एप्प सहित विभिन्न ऑनलाइन माध्यम का उपयोग एवं नैतिक मतदान के बारे में समझाया गया। कार्यक्रम में ईवीएम एवं वीवीपीएटी के बारे में मुख्य रूप से बताया गया कि कैसे ईवीएम द्वारा मतदान करने से एवं वीवीपीएटी के

आ जाने से हमारी मतदान की प्रक्रिया पूर्णतः सहज़ पारदर्शी एवं विश्वसनीय हो गई है। नैतिक मतदान ही मजबूत लोकतंत्र की धुरी है। अतः उपस्थित सभी मतदाताओं से आग्रह किया गया कि किसी भी प्रकार के प्रलोभन में आए बगैर बिना किसी भय अथवा दबाव के नैतिक रूप से 13 मई 2024 को मतदान कर अपने देश के प्रति एक जिम्मेवार नागरिक का कर्त्तव्य अवश्य निभाएं। उपस्थित सभी मतदाताओं को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न तरह के एप्पस जो निर्वाचन प्रक्रिया को और भी अधिक सुलभ एवं पारदर्शी बनाने में सहायक हैं, के बारे में जानकारी भी विस्तृत रूप से दी गई। खासकर सी-विजिल एप्प जो निर्वाचन आयोग के द्वारा जारी किया गया है, किसी भी प्रकार से आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले पर करवाई करने में काफी सहायक है। अगर आपके क्षेत्र में कोई भी राजनितिक व्यक्ति किसी भी प्रकार का भय किसी मतदाता को दिखाता है या किसी भी प्रकार का प्रलोभन देता है तो ऐसे में सी विजिल एप्प के माध्यम से उक्त व्यक्ति का वीडियो बनाकर तुरंत अपलोड करना है। यहाँ महत्वपूर्ण बात यह है कि सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्ण रूप से गोपनीय रखा जाएगा। साथ ही सक्षम एप्प एक ऐसा एप्प है कि अगर कोई पूर्णतः दिव्यांग बुजुर्ग व्यक्ति है एवं वह मतदान केंद्र पर आकर मतदान करने की स्थिति में नहीं है तो ऐसी परिस्थिति में सक्षम एप्प के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों की पूर्ण जानकारी अपलोड कर देने से उनके मतदान की व्यवस्था बूथ लेवल कर्मचारियों के द्वारा कर दी जाएगी। एक और एप्प वोटर हेल्पलाइन एप्प है जो मतदाताओं को मतदान सूची में अपना क्रम संख्या देखने में सहायक है। जिससे मतदाता लम्बी लाइन लगाकर मतदाता सूची में अपना नाम एवं क्रम खोजने के परेशानी से निजात पा सकते हैं। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित सभी मतदाताओं को मतदाता शपथ पत्र के माध्यम से 13 मई 2024 को होने वाले मतदान में अवश्य हिस्सा लेने एवं नैतिक रूप से मतदान कर जिम्मेवार नागरिक की भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। सभी छात्राओं को सांप सीढी, भुलभुलैया जैसे खेलो के माध्यम से जागरूक करने की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मौके पर मास्टर ट्रेनर कौशल कुमार, जितेंद्र कुमार, प्राचार्य कमलेश कुमार, शिक्षक महमूद आलम, पूजा पांडेय, माधुरी कुमारी, मीरा कुमारी, छात्रा खुशबू कुमारी, नेहा कुमारी , आशा कुमारी, पुष्पा कुमारी, चंचला कुमारी, रानी कुमारी सहित बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थीं।

26 को भाजपा प्रत्याशी के नामांकन को लेकर बालूमाथ भाजपाइयों की बैठक संपन्न

प्रतिनिधि ,बालूमाथ। बालूमाथ मंडल अध्यक्ष लक्ष्मण कुशवाहा की अध्यक्षता में 26 अप्रैल को भाजपा के चतरा लोकसभा प्रत्याशी कालीचरण सिंह के नामांकन में शामिल होने एवं जीत सुनिश्चित करने को लेकर बुधवार को बालूमाथ भाजपा कार्यालय में बैठा की गई। बैठक में मौजूद भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अतिथि के रूप में आए लातेहार प्रभारी रामदेव सिंह एवं मंडल अध्यक्ष ने संयुक्त रूप से कहा कि हमसभी भाजपाई एकजुटता का परिचय देते हुए 26 अप्रैल को अपने प्रत्याशी के नामांकन में चतरा पहुंचकर अबकी बार 400 पार के नारों में एक कदम बढ़ाए। आगे उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर भाजपा कार्यकर्ता गांव से लेकर एक-एक घर में जाकर केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजना के बारे में विस्तार पूर्वक बताएं ताकि भारतीय जनता पार्टी और मजबूती की ओर बढ़ सके। इस मौके पर ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष त्रिवेणी साव,महामंत्री रामकुमार साहू , गंगेश्वर यादव,महावीर तूरी,जितेंद्र साव,प्रदीप यादव,सूरज कुमार शाह , रविंद्र साव सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रखंड क्षेत्र में तेज आंधी पानी ने मचाई तबाही ,घर से बेघर हुए लोग

प्रतिनिधि,बरडीहा(गढ़वा)। प्रखंड क्षेत्र में मंगलवार की शाम आई तेज आंधी पानी के कारण क्षेत्र के कई गांव में कई सालों पुराने विशाल छोटे-बड़े पेड़ गिरने से सड़क बाधित हो गई है और घर पर पेड़ गिरने से घर क्षतिग्रस्त हो गया है। लोग घर से बेघर हो गए हैं। इसी तरह 11 हजार बिजली के खंभा व तार टूटकर गिरने से क्षतिग्रस्त हो गया है तथा बिजली सप्लाई बाधित है। इसी तरह प्रखंड क्षेत्र के ओबरा गांव में 25 से 30 बिजली के खंभा लगभग क्षतिग्रस्त हो गया है। साथ में छोटे बड़े पेड़ पौधे सड़क पर गिरे हुए हैं। जिससे सड़क पर आवागमन भी बाधित हो गई है। किसी के छप्पर उड़े तो किसी के सिमेंटेड सीट उड़े लोग घर से बेघर भी हो गए हैं। बता दे कि पिछले 30 मार्च को आए तूफान से भी क्षति हुआ था। लेकिन 23 अप्रैल दिन मंगलवार को आए तूफान के कारण लोगों को काफी ज्यादा नुकसान पहुंचा है।

तेज आंधी पानी से कई घर छप्पर विहीन, एक मवेशी की दबकर मौत

प्रतिनिधि,बिशुनपुरा(गढ़वा)। बिशुनपुरा प्रखंड मुख्यालय क्षेत्र में दिनांक 23 अप्रैल दिन मंगलवार की शाम तेज आंधी पानी कई घर हुए छतिग्रस्त। पेड़ गिरकर दबने से एक गाय की मौत। बिशुनपुरा पंचायत निवासी बिरझन राम के घर पर गिरी पेड़ से गिरी दीवार तथा रहने का आश्रय हुआ झीन भिन्न। वहीं आंधी पानी में बर्जपात से उनकी एक गाय की हुई मौत। वहीं बिरझन राम बड़े पुत्र नंदकिशोर राम के सीमेंटेड सीट उड़ने से रहने का आश्रय हुआ झीन भिन्न। वहीं बीरझन राम के पुत्र राजा राम का भी घर का उड़ा सीमेंटेड सीट। जिससे हुआ लाखों का नुकसान। वहीं बिरझन राम ने बताया की हम एक विकलांग व्यक्ति हैं और इस तरह से हमारे माल मवेशी और घर का झतीग्रस्त होने से हमलोग का रहने का घर उजड़ सा गया है। वहीं तेज आंधी पानी से प्रखंड क्षेत्र के कोचेया निवासी हिंदुस्तान पेट्रोलियम के प्रोपराइटर गौरव प्रताप देव के पैट्रोल पम्प पर लगी सोलर पैनल उड़कर हुआ झतीग्रस्त। वहीं उन्होंने बताया की हमारा पैट्रोल पंप के सोलर पैनल उड़ जाने से मुझे लाखों का नुकसान हुआ है। इस विषय में बिशुनपुरा अंचलाधिकारी संदीप मद्धेशिया ने कहा की प्रखंड क्षेत्र में आंधी पानी से लोगों को जो भी नुकसान हुआ है उसका मैं अपने कर्मचारियों के माध्यम से जांच करवा रहा हूं तथा लोगों से अपील करता हूं की उनको घर, मवेसी, फसल का जो भी हानि हुआ है वह आवेदन के माध्यम से मुझे अवगत कराएं जिससे उनको ससमय मुआवजा दी जा सके।

स्वीप कार्यक्रम के तहत समाहरणालय में हस्ताक्षर अभियान एवं मतदाता मैत्री बंधन कार्यक्रम का आयोजन

प्रतिनिधि,गढ़वा। लोकसभा आम निर्वाचन 2024 के मद्देनजर आज स्वीप कार्यक्रम के तहत समाहरणालय गढ़वा में हस्ताक्षर अभियान एवं मतदाता मैत्री बंधन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम हस्ताक्षर अभियान कार्यक्रम का शुभारंभ जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त गढ़वा शेखर जमुआर एवं पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार पांडेय द्वारा अपना हस्ताक्षर कर मतदाताओं को जागरूक करने का संदेश दिया गया। वहीं मौके पर उपस्थित उप विकास आयुक्त पशुपतिनाथ मिश्रा, अपर समाहर्ता मतीयश विजय टोप्पो, गोपनीय प्रभारी-सह-भू अर्जन पदाधिकारी संजय प्रसाद, जिला पंचायती राज पदाधिकारी-सह-स्वीप नोडल प्रमेश कुशवाहा, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नीरज कुमार, जिला कृषि पदाधिकारी शिवशंकर प्रसाद, जिला सहकारिता पदाधिकारी नीलम कुमारी, सहायक जन संपर्क पदाधिकारी अमित कुमार

केशरी, सहायक परियोजना पदाधिकारी सिया जानकी सिंह समेत अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों द्वारा भी हस्ताक्षर कर मतदाताओं को जागरूक करने का संदेश दिया गया। इसके पश्चात मतदाता मैत्री बंधन कार्यक्रम के तहत पुलिस अधीक्षक ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी को आई एम वेरीफाइड वाटर, आई एम रेडी टू वोट लिखा मैत्री बंधन बैंड पहनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा भी पुलिस अधीक्षक को मैत्री बंधन बैंड पहनाया गया, मौके पर उपस्थित अन्य पदाधिकारी एवं कर्मियों ने भी एक दूसरे को मैत्री बंधन बैंड पहनाकर मतदाता जागरूकता का संदेश दिया। उल्लेखनीय है कि 13 मई को पलामू लोकसभा क्षेत्र में होने वाले मतदान के प्रतिशत को बढ़ाने की दृष्टिकोण से स्वीप कार्यक्रम के तहत गढ़वा जिले के मतदाताओं के बीच विभिन्न प्रकार के मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। जिसके तहत जिला एवं प्रखंड स्तर पर प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिसका मुख्य उद्देश्य गढ़वा जिले में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करना है।

इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल का क्षेत्र भ्रमण

प्रतिनिधि,गोला। हजारीबाग लोकसभा से इंडिया गठबंधन के संयुक्त प्रत्याशी जयप्रकाश भाई पटेल का गोला प्रखंड क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम 25 अप्रैल 2024 को निर्धारित है। ग्राम नेमरा स्थित दिसोम गुरु शिबूसोरेन का पैतृक गांव से क्षेत्र भ्रमण कार्यक्रम की शुरुआत की जानी है। वहीं से चुनावी बिगुल फूकने का निर्णय लिया गया है।इस क्रम में लुकैया टांड़ स्थित सोना सोबरन शहादत स्थल में माल्यार्पण कार्यक्रम,समय-9.00 बजे शुबह,ग्राम-नेमरा,9.30 बजे शुबह, उपरबरगा मंदिर के सामने-10.30बजे,

ग्राम-हरना, 11.30 बजे,ग्राम-बरलंगा,12.30 बजे,ग्राम-सारगड़ीह,1.30 अपराहन

बजे,ग्राम-डिमरा,2.30, अपराहन,ग्राम-सोकला,

3.00,बजे,ग्राम नावाडिह के ग्राम-चोकरबेड़ा,3.30 बजे

अल्प विश्राम के उपरांत सभा, ग्राम-बाघाकुदर,4.30ग्राम-रायपुरा, 5.30बजे, ग्राम -बरवाटांड़,6.30 बजे,ग्राम, पूरबडीह,7.00 बजे।

आता है संबंधित ग्राम के प्रबुद्ध नागरिक एवं गठबंधन के तमाम नेता कार्यकर्ताओं से अनुरोध है की समय पर भाग लेकर जयप्रकाश भाई पटेल के विचारों को सुनें। इसकी जानकारी जिला उपाध्यक्ष जाकिर अख्तर,महासचिव रामबिनय महतो एवं प्रखंड अध्यक्ष संतोष सोनी ने संयुक्त रूप से दी।

जिला परिवहन पदाधिकारी की अध्यक्षता में चलाया गया सघन वाहन जांच अभियान

आठ वाहनों से कुल 2 लाख 72हजार जुर्माना किया गया वसूल

प्रतिनिधि,रामगढ़। आगामी लोकसभा (आम) चुनाव 2024 के मद्देनजर उपायुक्त रामगढ़ श्री चंदन कुमार के निर्देशानुसार मंगलवार को जिला परिवहन पदाधिकारी, रामगढ़ मनीषा वत्स की अध्यक्षता में गोला प्रखंड के बरलांगा मार्ग पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया।

जांच के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी द्वारा माल वाहक वाहन एवं चार पहिए वाहनों का आर0सी0 बुक, फिटनेस, प्रदूषण सर्टिफिकेट, ड्राइविंग लाइसेंस एवं ओवरलोडिंग, आदि के साथ साथ वाहनों पर लगाए जाने वाले रिफ्लेक्टिव टेप की भी जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात अधूरे अथवा वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप नहीं पाया गया वैसे 08 वाहनों से कुल 2 लाख 72 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी मनीषा वत्स ने वाहन चालकों से वाहनों पर आवश्यक रूप से रिफ्लेक्टिव टेप लगाने का निर्देश दिया। जांच के दौरान जिला परिवहन कार्यालय से विक्की आनंद सहित पुलिस बल मौजूद थे।

भारतीय समाज में राजाराम मोहन राय का योगदान विषयक संगोष्ठी आयोजित

प्रतिनिधि,डुमरी। पारसनाथ महाविद्यालय इसरी बाजार में गुरुवार को राजनीतिक विज्ञान विभाग की ओर से भारतीय समाज में राजाराम मोहन राय का योगदान विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन

कॉलेज प्राचार्य डॉ मनोज कुमार मिश्रा,प्रो गौतम सिंह,

प्रो डॉ शशि भूषण,प्रो यशवंत सिन्हा आदि ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।इस दौरान डॉ मनोज कुमार मिश्रा ने कहा कि भारतीय समाज में जो कुरीतियां थी। उनके खिलाफ राजाराम मोहन राय नेआंदोलन कर समाज को नई दिशा प्रदान किया। साथ ही उस समय सती प्रथा जैसी कुरीति व्याप्त थी । जिनके विरूद्ध उन्होंने पूरी मुखरता से आवाज उठायी।वहीं प्रो गौतम कुमार सिंह ने कहा कि राजा राममोहन राय ऐसे समय में समाज को नई दिशा प्रदान किया। जब समाज अंधविश्वास पर अधिक ही विश्वास करता था।राजा राममोहन राय ने समाज को जो नई राह दिखाई है, वह समाज के लिए आज भी अनुकरणीय है जबकि डॉ प्रो शशि भूषण ने राजा राममोहन राय के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस समय देश में अंग्रेजों का शासन था, उस समय भारतीय समाज को तोड़ने का अंधविश्वास एक सही तरीका था। जिसे रोकने के लिए राजा राममोहन राय ने काफी योगदान दिया।कार्यक्रम को प्रो रजनी कुमारी,प्रो इजरायल,प्रो उमा पांडेय छात्राएं इंदु कुमारी,लक्ष्मी कुमारी,राधिका कुमारी,पायल कुमारी,प्रीति कुमारी,सुमन कुमारी,पूनम कुमारी,राखी कुमारी,सिमरन कुमारी,राहुल कुमार, राहुल यादव,सूरज कुमार,अरविंद कुमारी आदि ने भी

अपने अपने विचार रखे,संगोष्ठी का संचालन राजनीति विभाग के विभागा अध्यक्ष प्रो रीतलाल प्रसाद वर्मा व धन्यवाद ज्ञापन प्रो कुबेर प्रसाद ने किया।

संक्षिप्त समाचार

सड़क दुर्घटना में खलासी की मौत, चालक रेफर

भागलपुर/बिहपुर। मंगलवार को तड़के करीब तीन बजे बिहपुर प्रखंड के झंडापुर थाना क्षेत्र के दयालपुर चौक के पास एनएच–31 पर ट्रक और तेल टैंकर की आमने–सामने टक्कर हो गयी। इसमें टैंकर के खलासी की मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से घायल है। उसकी स्थिति गंभीर देख बिहपुर सीएचसी के डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद मायागंज अस्पताल रेफर कर दिया। तेल टैंकर के मृतक खलासी की पहचान बेगूसराय जिले के देवना निवासी मोनू खान और घायल चालक की पहचान बेगूसराय जिले के बरौनी थाना क्षेत्र के पपरौल वार्ड नंबर 11 के मौलानाबाद निवासी अनवर के रूप में हुई है। झंडापुर पुलिस ने दोनों के परिजनों को घटना की जानकारी दी। खलासी के परिजन झंडापुर और चालक के परिजन मायागंज पहुंचें। खलासी के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार टाइल्स लदा ट्रक राजस्थान से भागलपुर जा रहा था। वहीं टैंकलारी खगड़िया की ओर जा रहा था। भिड़ंत के बाद ट्रक सड़क किनारे पलट गया। ट्रक के चालक और खलासी को हल्की चोट लगी है।

गुहाल बनाने के विवाद में वृद्धा से मारपीट, मौत

भागलपुर/नवगछिया। रंगरा थाने के प्यारे लाल दास टोला में जमीन विवाद के दौरान गुहाल बनाने को लेकर महिला से मारपीट के बाद उसकी मौत हो गयी। परिजनों ने महिला की पीटकर हत्या करने का आरोप लगाया है। मृतक महिला 65 वर्षीय उषा देवी पति स्व. विद्यानन्द यादव के छाती के मुक्के से मारने के दौरान सास नली टूटने से मृत्यु होने की बात बताई जा रही है। घटना की सूचना पर रंगरा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए शाम को अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। मृतक महिला के पौत्र ने बताया कि घर की जमीन पर मेरे बड़े पापा शशिभूषण यादव गुहाल बना रहे थे। इसी दौरान आर्मी जवान सोनू यादव पिता अखिलेश यादव और ललन यादव पिता स्व. सचिदानंद यादव गुहाल बनाने से रोकने लगा। विवाद होने पर वे दोनों मारपीट करने लगे। दादी बचाने आयी तो दोनों ने दादी के सीने में मुक्का से मारने लगे, जिससे वह जमीन पर गिर गयी और उसकी मौत हो गयी। ललन यादव रंगरा थाने में चौकीदार है। घटना शाम की बतायी गयी है। मृतक महिला को तीन पुत्र शशिभूषण यादव, फुदो यादव व पवन यादव है। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। रंगरा थानाध्यक्ष राजाराम सिंह ने बताया कि दोनों के बीच जमीन का विवाद चल रहा है। शव का पोस्टमार्टम करवाया गया। एसपी पूरण झा ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि उषा देवी की मृत्यु सीने में दर्द के कारण हुई है। ग्रामीणों ने बताया कि दोपहर में मृतका और पड़ोसी के बीच विवाद में झड़प हुई और उसके कुछ घंटे बाद उषा देवी की मृत्यु हो गयी।

पुलिस को चकमा देकर अस्पताल से बंदी फरार, 2 सुरक्षाकर्मी भी गायब, पेट दर्द की शिकायत पर हुआ था भर्ती

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के एसकेएमसीएच में भर्ती बंदी की सुरक्षा में जेल प्रशासन की बड़ी लापरवाही सामने आयी है। वार्ड पांच में इलाजरत बंदी धीरज कुमार सोमवार की दोपहर तीन बजे पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। वह अहियापुर में पांच साल पूर्व हुए चर्चित अंकज ठाकुर हत्याकांड में नामजद आरोपी है। अहियापुर थाना के खालिकपुर गांव का रहने वाला है। घटना की सूचना पर हड़कंप मच गया। बताया गया है कि बंदी की सुरक्षा में तैनात दो कक्षपाल भी गायब हैं। शहीद खुदीराम बोस केंद्रीय कारा के अधीक्षक ब्रिजेश सिंह मेहता ने अहियापुर थाने में आवेदन दिया है। पुलिस एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई में जुटी है। घटना को लेकर जेल प्रशासन की ओर से बताया गया है कि कारा के चिकित्सा पदाधिकारी ने जांच के बाद पेट में दर्द की शिकायत पर बेहतर इलाज के लिए धीरज को 20 अप्रैल को एसकेएमसीएच में भर्ती कराया था। उधर, घटना के बाद पुलिस ने खालिकपुर स्थित धीरज के आवास पर छापेमारी की। इस दौरान उसके भाई को उठाने की चर्चा है। पुलिस कस्टडी से बंदियों के फरार होने का ये कोई पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी बंदी पुलिस व्यवस्था को धता बताकर भागने में सफल रहे हैं। फिलहाल अस्पताल से फरार हुए कैदी की तलाश में पुलिस जुट गई है।

बैग दुकान में शॉर्ट सर्किट से लगी आग–लाखों का सामान खाक

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर के पुलिस जिला नवगछिया के थाना क्षेत्र के बाजार में मोहन पोद्दार की बैग दुकान में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भयावह रूप ले लिया। लोगों ने आग पर काबू पाने की काफी कोशिश की लेकिन आग की लपटें काफी तेज हो गई थी। आग नीचे से ऊपर मंजिल पर चली गई। स्थानीय लोग व फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां पहुंचकर आग पर काबू पाने की कोशिश किया लेकिन आग पर काबू नहीं पाया जा सका। तब फायर ब्रिगेड की तीसरी गाड़ी मौके पर पहुंची करीब एक घंटे तक कोशिश के बाद आग पर काबू पाया गया। दरअसल, जिस जगह हादसा हुआ उससे महज पांच मीटर की दूरी पर बिजली का ट्रांसफार्मर है ट्रांसफार्मर में अधिक लोड होने के कारण यहां पर आए दिन शॉर्ट सर्किट होते रहता है। सूचना पर नवगछिया थाने की पुलिस भी पहुंची। इस हादसे में लाखों रुपए के समान जलकर राख हुआ है।

पटना एयरपोर्ट पर टला बड़ा हादसा; उड़ान भरने ही वाला था इंडिगो का विमान, तभी आई ये बड़ी खराबी

पटना, एजेंसी। पटना एयरपोर्ट से कोलकाता के लिए उड़ान भरने से ठीक पहले मंगलवार की रात इंडिगो के विमान (संख्या 6ई-342) में अचानक खराबी आ गई और विमान के बाएं इंजन से ईंधन का रिसाव होने लगा। उड़ान से पहले एयरपोर्ट पर जांच के दौरान इसका पता चला। समय रहते गड़बड़ी सामने आने से बड़ा हादसा हो सकता था।

विमान उड़ान भरने वाला था और यात्रियों की बोर्डिंग प्रक्रिया भी शुरू हो गई थी। लेकिन, रिसाव का पता चलते ही इसे तत्काल रोक दिया गया। इसके बाद इंडिगो के इंजीनियरों ने रिसाव को रोकने की कोशिश की। लेकिन, देर रात तक इसे ठीक नहीं किया जा सका। इधर, यात्रियों को जैसे ही विमान में खराबी का पता चला, वे उग्र हो गए। यात्रियों ने टर्मिनल बिल्डिंग के भीतर जमकर हंगामा किया और दूसरे विमान से कोलकाता भेजने की मांग करने लगे। सीआईएसएफ के जवानों की पहल और दूसरे विमान मंगाए जाने का भरोसा मिलने के बाद यात्री शांत हुए। फिलहाल इस विमान को पटना एयरपोर्ट पर ग्राउंडेड कर दिया गया है।

कोलकाता से आए दूसरे विमान से भेजे गए यात्री विमानन कंपनी ने कोलकाता से दूसरा विमान मंगवाया। रात साढ़े ग्यारह बजे दूसरा विमान पटना एयरपोर्ट पर पहुंचा जिससे रात 12.17

यात्री कोलकाता भेजे गए। पटना-कोलकाता विमान से कुल 181 यात्रियों को कोलकाता जाना था। कुल 181 यात्रियों में से आठ को कोलकाता पहुंचने के बाद बेंगलुरु जाना था। उन आठ यात्रियों को अहमदाबाद जा रहे इंडिगो के विमान से भेज दिया गया। अहमदाबाद से दूसरे विमान से उन्हें बेंगलुरु भेजा जाएगा। कुछ यात्री दिल्ली, मुंबई की फ्लाइट से भी रवाना किए गए। अंत में बचे 158 यात्रियों को कोलकाता से आए फेरी फ्लाइट से कोलकाता भेजा गया। इस वाकये की वजह से पटना एयपोर्ट पर घंटों अफरातफरी मची रही।

पुणे से पटना आने के बाद विमान को यात्रियों को लेकर अहमदाबाद के लिए उड़ान भरना था। पुणे-पटना विमान देर से पटना एयरपोर्ट पर पहुंचा नतीजतन पटना से अहमदाबाद जाने वाली फ्लाइट 6ई 178 भी तीन घंटे की देरी से यहां से उड़ान भर सकी। रात 10.20 बजे पटना से अहमदाबाद के लिए 167 यात्रियों ने उड़ान भरी। इससे पहले मंगलवार को पुणे से पटना आने वाले इंडिगो के विमान 6ई 653 में भी उड़ान से ठीक पहले तकनीकी खराबी आ गई। विमान को रनवे की ओर ले जाया जा रहा था तभी पायलट को तकनीकी खराबी का सिग्नल कॉकपिट में मिला। विमान को रनवे की ओर से पार्किंग में ले जाया गया। दो घंटे की मशक्कत के बाद विमान की तकनीकी खराबी दुरुस्त की गई। इस वजह से यह विमान दो घंटे की देरी से रात 9.14 बजे पटना पहुंचा।

सन्नी हजारी के शांभवी चौधरी को देंगे टक्कर

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस के उम्मीदवार सनी हजारी लोक सभा का चुनाव प्रत्याशी बनाए गए हैं। उनके पास 40 हजार व पत्नी के पास 28 हजार रुपए हैं। हालांकि उनके एसबीआई शाखा में 2.19 लाख रुपए व पत्नी के खाते में 1.14 लाख रुपए हैं। उनके पास दो लाख की एलआईसी पॉलिसी भी है। जिला निर्वाची पदाधिकारी के सामने पेश किए गए शपथ पत्र में उन्होंने कहा है कि वह एनआईटी पटना से बी टेक किया है। 33 वर्षीय सनी हजारी के पास 12 लाख का गहना है जबकि पत्नी के पास 18 लाख का गहना है। इसके पास कुल चल संपत्ति 63 लाख 58 हजार 185 रुपए है। जबकि पत्नी के पास 19 लाख 80 हजार 710 रुपए की संपत्ति है। सनी हजारी के पास 42 लाख का चार चक्का वाहन है। इसके लिए उन्होंने एक्सिस बैंक से 16.75 लाख रुपए का लोन ले रखा है। वह परिवार के साथ पुस्तैनी पुराने मकान में ही रहते हैं। विरासत में संपत्ति नहीं मिली। कृषि व्यवसाय व जनप्रतिनिधि भत्ता से इनका जीवन यापन चलता है। सनी हजारी बिहार सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री महेश्वर हजारी के पुत्र है। इनपर अबतक कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं है।

गया में प्रेम प्रसंग में हुई ऑटो ड्राइवर की हत्या

गया, एजेंसी। गया में 26 साल के ऑटो ड्राइवर राहुल की हत्या में अफेयर की बात सामने आ रही है। 22 अप्रैल को उसका शव मिला था। उसके शरीर पर मारपीट के निशान थे। परिवार का कहना है कि उसका एक लड़की से अफेयर चल रहा था। लड़की का परिवार ये जानता था और वो दोनों के रिश्ते से नाखुश था। लड़की की एक बहन की शादी मुफस्सिल थाना क्षेत्र में हुई है। अपनी प्रेमिका से मिलने के लिए वो मानपुर जाया करता था। घटना के दिन भी वह अपने ऑटो से मानपुर गया हुआ था। वहीं से वह लापता हुआ और फिर दूसरे दिन उसकी मेडिकल थाना क्षेत्र के हरियो के पास लाश मिली। उसका ऑटो भी डेड बॉडी के पास ही पड़ा है। ऑटो में बिल्कुल खरोच नहीं है। इधर, पुलिस ने मृतक का ऑटो और मोबाइल जब्त कर लिया है। पुलिस मोबाइल की कॉल डिटेल निकलवा रही है। मृतक के पिता विनोद कुमार यादव का कहना है 21 अप्रैल की रात करीब तीन बजे घर से यह कह कर निकला था कि वह मानपुर जा रहा है। उसे एक डीजे वाला ने बुलाया है। विनोद यादव से जब यह पूछा गया कि क्या आप डीजे वाले को जानते हैं तो उन्होंने कहा कि नहीं जानते। उन्होंने बताया कि 22 अप्रैल को 11 से 12 बजे बीच राहुल से बात हुई थी। पिता ने बताया कि उस समय उसने कुछ भी नहीं बताया था, लेकिन शाम को अचानक से पुलिस का फोन आता है कि राहुल का शव हरियो के पास पड़ा है। ऑफ द रिकार्ड मृतक के पिता विनोद यादव और गोपाल यादव ने बताया कि राहुल का चंदौती के रहने वाली लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जिस लड़की से प्रेम प्रसंग था उसकी एक बहन मानपुर में ब्याही हुई है।

राहुल अक्सर किसी न किसी बहाने से मानपुर में लड़की से मिलने जाया करता था। उन्होंने बताया कि इस हत्या में 4 लोग शामिल हैं। सभी के खिलाफ आवेदन दिया गया है। इधर, रामपुर थानाध्यक्ष का कहना है कि पुलिस सभी बिंदु पर जांच कर रही है। शीघ्र ही इस मामले का पुलिस खुलासा करेगी।

पुलिस लिखी वाहन से कुचल कर बच्ची की मौत, समस्तीपुर के उजियापुर एनएच 28 पर हादसा

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर के उजियारपुर थाने के एनएच28 पर चांदचौर गांव के पास मंगलवार रात सड़क किनारे मां के साथ खड़ी बच्ची को पुलिस लिखी वाहन ने कुचल डाला। जिससे बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। घटना को अंजाम देने के बाद पुलिस लिखी वाहन दलसिंहसराय की ओर फरार हो गई। उधर, घटना की सूचना पर उजियारपुर पुलिस ने शव को जब्त कर देर रात पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। मृतक बच्ची की पहचान इसी थाने के चांदचौर नया टोल वार्ड एक मोहल्ला के राकेश कुमार सिंह की पुत्री सोनाक्षी कुमारी (4वर्ष) के रूप में की गई। घटना के संबंध में राकेश सिंह ने बताया कि उनकी पत्नी रानी कुमारी के साथ उनकी चार साल की पुत्री सोनाक्षी सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान मुसरीघरारी की ओर से एक पुलिस लिखी वाहन स्कार्पियों को ओवर टेक करने के प्रयास में सड़क किनारे खड़ी उनकी बच्ची को अपने चपेट में ले लिया। जिससे कुचल कर उसकी मौत हो गई। हालांकि इस घटना में उसकी मां बाल-बाल बच गई। उधर इस घटना के विरोध में कुछ देर के लिए लोगों ने एनएच 28 को जाम कर दिया। जिससे रात में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। बाद में मौके पर पहुंची उजियारपुर पुलिस ने लोगों को समझा बूझा कर मामला शांत कराया।

चुनाव वाले दिन सीमाएं होंगी सील, असामाजिक तत्वों के नेपाल में शरण लेने की संभावना, शांति भंग करने वाले हो रहे चिह्नित

बेतिया, एजेंसी। पश्चिम चंपारण जिले में लोक सभा चुनाव को स्वच्छ, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर हर स्तर पर प्रशासनिक व्यवस्था की जा रही है। सुरक्षा के भी व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है।किसी भी असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए जिला और पुलिस प्रशासन व्यापक स्तर पर तैयारी कर रहा है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने बताया कि पश्चिम चंपारण जिले की सीमा भौगौलिक रूप से नेपाल, उत्तरप्रदेश, गोपालगंज और पूर्वी चंपारण की सीमा से लगा है। ऐसे में चुनाव को लेकर असामाजिक तत्वों को चिह्नित करने की कार्रवाई के बीच असामाजिक तत्वों के नेपाल में भागकर शरण लेने की संभावना है। दूसरे जिले के भी असामाजिक तत्वों के इस जिले में आकर चुनाव को प्रभावित करने की संभावना है। ऐसे में संदिग्ध गतिविधियों वाले और जेल से जमानत

पर छूटकर बाहर आए वैसे लोगों को चिह्नित करने का काम लगातार जारी है। असामाजिक तत्वों के गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी उन्होंने कहा सीमावर्ती क्षेत्रों के जिलों के वरीय अधिकारियों से प्रथम चरण की बैठक का दौर समाप्त हो गया है। असामाजिक तत्वों और आपराधिक प्रवृति के लोगों की सूची का आदान-प्रदान किया जा चुका है। उनकी हर गतिविधि पर नजर रखने के लिए अलग से पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिए गए है। सीसीए की कार्रवाई की जा रही है। इसी में अब चुनाव के दिन जल से थल तक सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ जिले की सभी सीमाओं को सील कर दिया जाएगा। पड़ोसी देश नेपाल, पड़ोसी राज्य यूपी से सटे सीमा पर भी विशेष नजर रखी जा रही है। इसके साथ ही सभी पड़ोसी जिले के डीएम और एसपी से भी बात कर शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और भयमुक्त चुनाव कराने में मदद करने का अनुरोध किया गया है। डीएम ने कहा कि जिला प्रशासन निष्पक्ष, भयमुक्त और पारदर्शितापूर्ण तरीके से निर्वाचन प्रक्रिया संपादित करने के लिए कटिबद्ध है। हर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। विधि-व्यवस्था का गंभीरता से पालन कराने, आदर्श आचार संहिता का सख्ती से पालन कराने और उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी ने मतदाताओं को प्रभावित करने संबंधी किसी भी प्रकार की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश भी दिया है।

खाने के लिए पैसे मांगे, जंजीर और रस्सी से बांधकर पीटा, हालत गंभीर

सीतामढ़ी, एजेंसी। सीतामढ़ जिले के बेला थाना क्षेत्र के चांदी राजवाड़ा गांव में मंदबुद्धि युवक से दरिंदगी का मामला सामने आया है। महज खाने के लिए पैसा मांगने पर कुछ लोगों ने एक मंद बुद्धि युवक को सिर्फ बेरहमी से पीटा ही नहीं, बाइक के गर्म साइलेंसर में मुंह सटाकर जलाया भी। इससे भी जी नहीं भरा तो हाथ-पैर रस्सी और जंजीर से बांधकर लाठियां बरसाई और मरा समझकर उसे छोड़कर फरार हो गए।

युवक की पहचान चांदी राजवाड़ा गांव निवासी मोतिउर्र रहमान के 40 वर्षीय पुत्र रियाज अहमद उर्फ गुलेश के रूप में की गई है। युवक को स्थानीय पीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। वहां उसकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने एसकेएमसीएच मुजफ्फरपुर रेफर कर दिया है। यहां उसकी हालत नाजुक बनी है। बताया गया है कि पिटाई करने के बाद आरोपी उसे किसी चारपहिया वाहन अन्य जगह भी ले गए। वहां भी उसकी जमकर पिटाई की। इस दौरान इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो

किसी ने बना लिया। बाबुल ने समर्थकों को बुलवाकर कराई पिटाई युवक के पड़ोसी खुर्शीद आलम ने बताया कि चांदी राजवाड़ा निवासी मोतिउर्र रहमान का पुत्र रियाज अहमद उर्फ गुलेश मंद बुद्धि है। परिहार के भिसवा बाजार के पास रियाज ने परसा निवासी पशु व्यवसायी बाबुल से रास्ते में खाना के लिए पैसे की मांग की थी। पशु व्यवसायी बाबुल ने उसे डांटना शुरू कर दिया। रियाज ने विरोध किया। बात बढ़ने पर बाबुल और रियाज में हाथापाई हो गई। तब बाबुल वहां से पशुओं को लेकर चला गया। पर, बाद में अपने समर्थकों को बुलाकर आया और रियाज को पकड़ लिया। इन लोगों ने लाठी-डंडे से उसे पीटना शुरू कर दिया। पूरे मामले में तीन वीडियो क्लिप सामने आया है। एसपी बोले- वीडियो के आधार पर की जा रही पहचान सीतामढ़ी एसपी मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि मामले को लेकर बेला थाना में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। वीडियो क्लिप से आरोपियों की पहचान की जा रही है। किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने का अधिकार नहीं है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। गिरफ्तारी के लिए की जा रही छापेमारी थानाध्यक्ष रामाशंकर कुमार ने कहा कि गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। युवक के छोटे भाई मो. शकील के आवेदन पर बेला थाने में परसा के पशु व्यवसायी बाबुल, चांदी राजवाड़ा के बकाउल्ला समेत अन्य को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है।

नीतीश जी मुझे चाशनी में भरे शब्द आये न आये गरीबों के दर्द को अच्छे से समझती हूं- बीमा भारती

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में जेडीयू प्रत्याशी संतोष कुशवाहा के समर्थन में रैली करने पहुंचे सीएम नीतीश के आरजेडी प्रत्याशी बीमा भारती पर की गई टिप्पणी पर खुद बीमा ने पहला रिएक्शन दिया है। बीमा ने सीएम नीतीश पर राजनीतिक तौर पर इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। और कहा कि ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे आपने ठगा नहीं।

बीमा भारती ने ट्वीट करते हुए कहा नीतीश जी मुझे चाशनी में भरे शब्द आये न आये। गरीबों के दर्द को अच्छे से समझती हूं, और उसी दर्द को लालू जी भी जानते हैं। प्रथम बार निर्दलीय जीती थी। उसके बाद राजद से विधायक रहीं। आपने अतिपिछड़ा वोट के लिए मेरा और मेरे पति का राजनीतिक रूप से प्रयोग किया।

बीमा ने आगे कहा कि लालूजी ने मुझे सांसदी का मौका दिया। 5 बार के रूस से आपको क्या जलन है? आपने अपने एक स्थानीय खास के चलते मुझे और मेरे परिवार को प्रताड़ित करवाया। हमको राजनीति आप क्या सीखाइएगा? हम पहली बार एमएलए निर्दलीय बने। आपको जरूरत थी इसीलिए आपने मुझे जोड़ा। ऐसा कोई सगा नहीं जिसको आपने ठगा नहीं

आपको बाद दें सीएम नीतीश ने पूर्णिया से राजद प्रत्याशी बीमा भारती के बारे में कहा था कि चली गई, अच्छा हुआ। कहती थीं फिर से मंत्री बनाइए, नहीं बनाये तो चलीं गईं। हमने उन्हें विधायक बनाया, कैबिनेट में भी शामिल किया। वह जिद पर अड़ी थी कि मुझे मंत्री बना दीजिये। मना कर दिए तो सबकुछ भूलकर इधर से उधर चली गयी। पूर्णिया लोकसभा सीट पर पप्पू यादव के चुनाव लड़ने से त्रिकोणीय मुकाबला हो गया है। जेडीयू से संतोष कुशवाहा, आरजेडी से बीमा भरती और पप्पू यादव निर्दलीय प्रत्याशी को तौर पर चुनावी मैदान में हैं।

सड़क हादसे में एक महिला समेत तीन जख्मी–ट्रैक्टर ने मारी टक्कर, कंप्यूटर क्लास करने के बाद गांव वापस लौट रहे थे

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुरके दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए सड़क हादसे में महिला समेत तीन लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। इसके बाद सभी ज़ख्मियों को इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल आ गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को गंभीर अवस्था में पटना रेफर कर दिया गया है। पहली घटना कोईलवर थाना क्षेत्र के सोनघट्टा गांव के समीप बाइक सवार दोस्तों को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। ज़ख्मियों में कोईलवर थाना क्षेत्र के सोनघट्टा गांव निवासी सुरेंद्र प्रसाद का 22 वर्षीय पुत्र साहिल कुमार और फुलटून सिंह का 30 वर्षीय पुत्र अमित कुमार शामिल है। इधर,परिजनों ने बताया की साहिल स्नातक का छात्र है। वो प्रतिदिन की तरह कंप्यूटर क्लास करने के लिए आरा आया हुआ था। लौटने के दौरान उसे रास्ते में अमित मिल गया। इसके बाद दोनों बाइक से गांव जा रहे थे। इसी गांव के समीप सामने से आ रहे अनियंत्रित ट्रैक्टर ने जोरदार टक्कर मार दी।

बाइक सवार ने महिला को मारी टक्कर,स्थिति नाजुक : धोबहां थाना क्षेत्र के सलेमपुर पेट्रोल पंप के समीप बाइक सवार ने पैदल जा रही एक बुजुर्ग महिला को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में हुआ बुरी तरह जख्मी हो गई। इसके बाद गश्ती पुलिस के द्वारा उन्हें आननफ़ानन में इलाज के लिए आरा सदर अस्पताल लाया गया। जख्मी महिला धोबहां अगरसंडा बेहरा गांव निवासी स्वर्गीय टांगर प्रसाद के 60 वर्षी पत्नी

दवलातो कुंवर है। परिजनों ने बताया कि वह अपने घर से सलेमपुर बैंक में पैसा जमा करने के लिए जा रही थी। इस बीच पेट्रोल पंप के समीप बाइक सवार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय ग्रामीणों ने इस घटना की जानकारी परिजनों को दी। जहां गंभीर अवस्था में सदर अस्पताल से पटना रेफर कर दिया।

करंट की चपेट में आने से बुजुर्ग की मौत–मकई का खेत में पानी पटाने गए थे,टूटे तार के चपेट में आने से हुआ हादसा : आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर जिले के कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के पीपरपाती गांव में मंगलवार को विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आने से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक कृष्णागढ़ थाना क्षेत्र के पीपरपाती गांव निवासी स्व.नागर पासवान के 65 वर्षीय पुत्र मणी मोहन पासवान है एवं वह पेशे से मजदूर थे। इधर,मृतक के बेटे सुशील प्रसाद ने बताया कि वह गांव के ही गणेश सिंह का मकई का खेत मजदूरी पर पटाने गए थे। जहां खेत में पहले से 11 हजार तार टूटकर गिरा हुआ था। उस तार की चपेट में आने से एक सियार भी मर गया था। खेत पटाने के दौरान वह उसी विद्युत प्रवाहित तार की चपेट में आ गए।जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कुछ देर बाद जब गांव के एक ग्रामीण उधर गए तो उन्होंने देखा कि उन्हें वहां पर मृत अवस्था में पड़ा देखा। जिसके बाद उन्होंने इसकी सूचना उनके परिजनों को दी। सूचना पाकर परिजन वहां पहुंचे और उन्होंने इसकी सूचना स्थानीय थाना को भी। सूचना मिलते ही स्थानीय थाना घटनास्थल पर पहुंची। इसके पश्चात पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर उसका पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में करवाया।

संक्षिप्त समाचार

खाना खाया, टीवी देखी...परिवार के लोग सो गए, सुबह फंदे पर लटकी मिली 9वीं की छात्रा की लाश

आगरा, एजेंसी। आगरा के न्यू आगरा थाना क्षेत्र में छात्रा का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बताया कि 15 वर्षीय छात्रा ने इस साल 9वीं की परीक्षा पास की थी। पढ़ने में भी बहुत होशियार थी। पिता ड्राइवर हैं। सोमवार रात को छात्रा ने घर पर सब लोगों के साथ खाना खाया था।

परिवार के लोगों ने बताया कि टीवी देखने के बाद सब सोने चले गए। वह भी अपने कमरे में चली गई। सुबह पांच बजे उसकी मां जागी। उन्होंने बेटी के कमरे की कुंडी को बजाया। अंदर से काई आवाज नहीं आई। इस पर उन्होंने खिड़की से झांककर देखा तो वह फंदे से लटकी थी। मां ने शोर मचाया तो परिवार के अन्य लोग भी मौके पर पहुंच गए।

कमरे का दरवाजा तोड़कर उसको फंदे से नीचे उतारा। तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इस पर पुलिस को सूचना दी। परिजन आत्महत्या का कारण नहीं बता सके। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सड़क किनारे तीन साल से खड़ी थी बस, अचानक उठने लगीं आग की लपटें

आगरा, एजेंसी। आगरा के हरीपर्वत थाना क्षेत्र में आईएसबीटी के पास खड़ी बस में मंगलवार तड़के आग लग गई। धमाकों के साथ इससे लपटें उठने लगीं। सूचना पर पहुंची दमकल ने करीब 30 मिनट में आग पर काबू पाया। आईएसबीटी बस स्टैंड के पास आरटीओ रोड के किनारे करीब 3 साल से एक बस खड़ी थी। इसमें मंगलवार तड़के 5 बजे आग लग गई। मौके पर पहुंचे दुकानदारों ने मिट्टी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बस में एक के बाद एक धमाके होने लगे। 10 मिनट में 4 धमाके हुए। धमाकों की आवाज सुनकर बस स्टैंड पर खड़े यात्री सहम गए।

सूचना पर पहुंची दमकल ने 30 मिनट में आग पर काबू पाया। तब बस पूरी तरह से जल गई। आग किस कारण से लगी ये पता नहीं चल सका। इससे पहले ट्रांसपोर्ट नगर में खड़े कई वाहनों में आग लग चुकी है। दो महीने में यह तीसरी घटना है। टीपी नगर चौकी इंचार्ज ने बताया कि जिस बस में आग लगी है। उसे आरटीओ ने करीब 3 साल पहले सीज कर खड़ी कराया था। एफओ सोमदत्त ने बताया कि आशंका है कि किसी युवक ने जलती बीड़ी या माचिस की तीली फेंक दी होगी। इस वजह से आग लगी है।

मदद नहीं धोखा: एटीएम से पैसे निकालते समय डेबिट कार्ड को लेकर बरतें ये सावधानी

आगरा , एजेंसी। आगरा के सदर थाना पुलिस ने मदद का झांसा देकर देकर डेबिट कार्ड बदलकर रुपये निकालने वाले अंतरराज्यीय गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से 59 हजार रुपये, एक कार, 9 डेबिट कार्ड और एक पीओएस मशीन बरामद की।

एसीपी सदर पीके राय ने बताया कि एटीएम केबिन में मदद के बहाने डेबिट कार्ड बदलकर रुपये निकालने की कई शिकायतें मिली थीं। इस पर टीम ने मंगलवार को सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर हरियाणा के नूंह गांव मालाका निवासी राहिल और पलवल के गांव घागोट निवासी सैफ अली को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी घटना का को अंजाम देने के लिए कार से निकलते थे। जिस पर नंबर प्लेट भी नहीं लगी थी। होटल में ठहरते थे। वहां से एटीएम के केबिन के बाहर जाकर खड़े हो जाते। केबिन में अकेला युवक देखकर दोनों पीछे से अंदर चले जाते।

पिन नंबर देखने के बाद बातों में लगाकर मदद के बहाने डेबिट कार्ड बदल देते।

इसके बाद एटीएम से निकालते। लिमिट पूरी होने के बाद पीओस मशीन से साथियों के खाते में रुपये ट्रांसफर कर देते। वारदात के बाद जगह बदल देते। जिस भी राज्य में जाते वहां जमकर खरीददारी कर अपने शौक पूरे करते।

सियासी संग्राम में इतिहास दोहराने की चुनौती, देवीपाटन मंडल की चारों सीटों पर जोर आजमाइश में जुटे दिग्गज

बलरामपुर, एजेंसी। देवीपाटन मंडल की चार संसदीय सीटों में तीन पर सियासी संग्राम की धूम है। बहराइच में तो नामांकन का दौर चल रहा है। जल्द ही चारों सीटों पर भी इसकी गूंज सुनाई पड़ेगी। तीन चरणों में चारों सीटों का चुनाव तय है। भाजपा मंडल की 2019 का इतिहास दोहराने के साथ ही हारी श्रावस्ती सीट पर कब्जा करने के लिए एड़ी से चोटी का जोर लगाए है, वहीं सपा भी समीकरणों के सहारे चारों सीटों पर नजर गड़ाए है। बसपा अभी दोनों दलों के दांव पर चाल की तैयारी में लगी है। उसने फिलहाल खामोशी साध रखी है।

2019 के आम चुनाव में मंडल की चारों सीटों पर भाजपा और कांग्रेस ने ताल ठोंकी थी। सपा व बसपा ने दो-दो सीटों पर प्रत्याशी उतारा था। चुनावी समर में भाजपा ने बड़े अंतर से गोंडा, कैसरगंज व बहराइच से जीत हासिल की थी। श्रावस्ती में सपा व बसपा गठबंधन ने जीत हासिल की। बाकी कांग्रेस का प्रदर्शन सीमित ही रहा। पार्टी किसी भी सीट पर छह फीसदी मत भी हासिल नहीं कर सकी। भाजपा ने इस बार चार में तीन सीटों पर प्रत्याशी तय किए हैं, जिसमें श्रावस्ती व बहराइच से नये चेहरों को मौका मिला है।

- गोंडा संसदीय सीट में बदलाव नहीं किया है। कैसरगंज पर अभी मंथन ही चल रहा है। सपा ने गोंडा, श्रावस्ती व बहराइच से नया प्रत्याशी उतारा है। श्रावस्ती व गोंडा में सपा ने पिछड़े वर्ग का दांव चलकर मतों के ध्रुवीकरण का पासा फेंका है। फिलहाल बसपा से प्रत्याशी न होने से अभी दोनों दल आमने- सामने हैं।

गोंडा-श्रावस्ती में समीकरण की सियासत

गोंडा व श्रावस्ती में जातियों का समीकरण खासा मायने रखता है। भाजपा ने साकेत मिश्र को मैदान में उतारा है। उनका श्रावस्ती जनपद से गहरा जुड़ाव है और बीते पांच सालों में बतौर एमएलसी उन्होंने श्रावस्ती में बड़े काम किए। इससे इस बार भाजपा ने यहां हिसाब बराबर करने का खाका खींचा है।

सपा ने मौजूदा बसपा सांसद राम शिरोमणि वर्मा को पार्टी में शामिल कराकर उनके बीते चुनाव के प्रदर्शन को भुनाने की रणनीति बनाई। इससे मंडल की तीनों सीटों में श्रावस्ती का मुकाबला रोचक है। गोंडा में भाजपा कीर्तिवर्धन सिंह को तीसरी बार मैदान में उतारा है तो सपा ने श्रेया वर्मा के माध्यम से कड़ी चुनौती दी है। इन दोनों सीटों पर समीकरण मायने रखता है।

बहराइच में जाति की नहीं धाक की धमक

बहराइच सुरक्षित सीट में जातीय समीकरण से ज्यादा दावेदारों की धाक मायने रख रही है। भाजपा ने मौजूदा सांसद अक्षयबर लाल गौड़ के बेटे डा. आनंद गौड़ पर भरोसा जताया है। पार्टी को परंपरागत मतों के साथ ही अनुसूचित जाति व पिछड़े मतों पर भरोसा है, वहीं सपा ने बसपा के कद्दावर नेता पूर्व विधायक रमेश गौतम को मौका दिया है। इससे पार्टी के परंपरागत मतों के साथ ही अनुसूचित मतों के मिलने की आस है।

पश्चिम के रण में सरकार के साथ ही भाजपा संगठन की भी परीक्षा, इंडिया गठबंधन का भी सियासी इम्तिहान

लखनऊ, एजेंसी। पश्चिमी यूपी के चुनावी रण में सरकार के साथ ही प्रदेश भाजपा संगठन की तैयारियों की भी परीक्षा होगी। 26 अप्रैल को दूसरे चरण की भी 8 सीटों पर मतदान होने जा रहा है। इन सीटों पर एनडीए और इंडिया गठबंधन के सियासी कौशल की परीक्षा तो होगी ही, पर असली परीक्षा सत्ताधारी होने के नाते भाजपा के प्रदेश संगठन और सहयोगी दल के प्रमुख चेहरों की होगी। साथ ही बडे जाट चेहरे के तौर पर प्रमुख सहयोगी रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के प्रभाव की भी परीक्षा होगी।

भाजपा इस बार प्रदेश की सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर मैदान में उतरी है। पार्टी के सामने जाटलैंड की कठिन सियासी जमीन पर कमल खिलाने को एक बड़ी चुनौती के तौर पर देखा जा रहा है। क्योंकि 2019 के चुनाव में विपक्षी दल भाजपा पर भारी पड़े थे। इस लिहाज से जाटलैंड की लोकसभा सीटों पर जीत का परचम फहराना एनडीए और इंडिया दोनों के

लिए चुनौती है।

जयंत की साख भी कसौटी पर– जाटलैंड की इन सभी सीटों पर एनडीए के साझीदार के तौर रालोद प्रमुख जयंत चौधरी के साख की भी परख होनी है। जाटलैंड में शामिल ढाई दर्जन सीटों में से रालोद कोटे में भले ही बिजनौर और बागपत सीट हो, लेकिन रालोद प्रमुख जयंत की साख की परीक्षा जाटलैंड की सभी सीटों पर

होने जा रही है।

पहले चरण में जिन 8 सीटों पर मतदान हो चुका है, उनमें से सहारनपुर, रामपुर, नगीना, बिजनौर और मुरादाबाद में 2019 में भगवा खेमे को पराजय का सामना करना पड़ा था। वहीं, दूसरे चरण में 26 अप्रैल को अमरोहा, मेरठ, बागपत, गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, अलीगढ़ और मथुरा में मतदान होना है। इनमें से अमरोहा सीट ही 2019 में भाजपा हारी थी। इस प्रकार देखा जाए तो 2019 के चुनाव में जाटलैंड की 6 सीटों पर भाजपा को विपक्ष से मात मिली थी।

परिणामों और मतदाताओं के मिजाज को देखते हुए माना जा रहा है कि इस बार के चुनाव में सरकार से अधिक संगठन के रणनीतिक तैयारी की असल परीक्षा होगी। ऐसा इसलिए भी कहा जा रहा है कि इन सीटों में शामिल मुरादाबाद भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी का गृह जिला है और वह लंबे समय से इस क्षेत्र की चुनावी तैयारियों पर फोकस किए हुए हैं।

पार्टी के महामंत्री (संगठन) धर्मपाल भी बिजनौर के रहने वाले हैं। माना जा रहा है कि पिछड़ा वोटबैंक के साथ ही जाटलैंड की सियासत को साधने के उद्देश्य से ही इस क्षेत्र के दोनों पदाधिकारियों को प्रदेश भाजपा की कमान सौंपी गई। इसलिए इनके साख की भी परीक्षा है।

लोकसभा चुनाव के लिए वाहन अधिग्रहण में लापरवाही पर एआरटीओ राजेश कर्दम निलंबित

बरेली , एजेंसी। लोकसभा चुनाव के लिए वाहन अधिग्रहण में लापरवाही बरते जाने पर प्रमुख सचिव परिवहन एल वेंकटेश्वर लू ने एआरटीओ प्रवर्तन प्रथम दल राजेश कर्दम को निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि के दौरान उनको परिवहन आयुक्त लखनऊ के कार्यालय से संबद्ध किया गया है। अभी उनके स्थान पर किसी अन्य की तैनाती नहीं की गई है।

लोकसभा चुनाव के लिए वाहन अधिग्रहण के लिए एआरटीओ राजेश कर्दम को सहायक नोडल अधिकारी बनाया गया था। उनके द्वारा चुनाव के लिए हलके और भारी वाहनों की व्यवस्था में लापरवाही बरती गई। पिछले सप्ताह उनको सहायक नोडल अधिकारी के पद से हटा दिया गया था। डीएम रविंद्र कुमार ने उनकी लापरवाही को लेकर निर्वाचन आयोग को भी लिखा।

चुनाव कार्य में गंभीरता न बरतने पर उनको निलंबित कर दिया गया। हालांकि, उनके निलंबन के पीछे कुछ चर्चाएं भी हैं। पिछले दिनों चार पहिया वाहनों के अधिग्रहण के दौरान परिवहन विभाग ने एक माननीय के करीबी की इनोवा जैसी लग्जरी कार अधिग्रहीत कर ली थी। इसके बाद माननीय के करीबी ने आरटीओ कार्यालय पहुंचकर हंगामा भी किया था।

पहले भी चर्चा में रहे कर्दम

कर्दम ने जनवरी में ही बरेली में एआरटीओ प्रथम प्रवर्तन का चार्ज संभाला था। इसके बाद 18 जनवरी को वह उस वक्त चर्चा में आए थे जब उन्होंने एक कार चालक पर जानलेवा हमले का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में इज्जतनगर पुलिस ने रिपोर्ट लिखी थी। दूसरे पक्ष ने कर्दम पर गंभीर आरोप लगाए थे। बाद में मामला ठंडा पड़ गया था।

पूर्व मंत्री का नाती ने जिस युवती और पिता पर चढ़ा दी थी कार, वो आई सामने... सीएम योगी से लगाई गुहार

आगरा, एजेंसी। आगरा के ऋषि मार्ग (शाहगंज) पर युवती को कार से कुचलने की कोशिश के आरोपी पूर्व मंत्री चौधरी उदयभान सिंह के पौत्र दिव्यांश चौधरी की गिरफ्तारी करने में पुलिस नाकाम हो रही है। दबिश का दावा किया जा रहा है। मगर, पीड़ित परिवार पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट है। परिजन दहशत में हैं। वह लगातार कार्रवाई की गुहार लगा रहे हैं।

15 अप्रैल की रात को घटना हुई थी। जूता कारोबारी और उनकी बेटी को घर के बाहर कार से कुचलने की कोशिश की गई थी। आरोप पूर्व मंत्री के पौत्र दिव्यांश पर है। वह कार से आया था। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। परिजन ने कार्रवाई के लिए हंगामा किया था। इस पर जानलेवा हमले की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस का दावा है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। वह घर से फरार हो गया है। गैर जमानती वारंट के लिए पुलिस कोर्ट भी गई। मगर, कुछ नहीं हुआ। इससे पीड़ित परिवार में आक्रोश है। उनका कहना है कि पूर्व मंत्री का पौत्र होने की वजह से पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। सिर्फ दिखावा किया जा रहा है। डीसीपी सिटी सूरज राय का कहना है कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम लगी है। उस पर इनाम घोषित किया जाएगा। गैर जमानती वारंट के लिए कोर्ट में प्रार्थना पत्र

दिया जा रहा है।

एक्स पर पोस्ट कर मुख्यमंत्री से गुहार, कार्रवाई करें– पीड़ित युवती ने एक्स पर अपना वीडियो पोस्ट किया है। यह 2 मिनट 15 सेकंड का है। वीडियो में युवती पूरी घटना बता रही है। पूर्व मंत्री पर भी आरोप लगाए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुहार लगाते हुए कह रही हैं कि आरोपी के साथ पूर्व मंत्री और उनके बड़े बेटे के खिलाफ भी कार्रवाई की जाए। अगर, ऐसा नहीं हुआ तो पार्टी का विरोध करेगी। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी डाला है।

कांग्रेस प्रत्याशी दानिश अली बोले

भाजपा की बी टीम है बसपा, मूल विचारधारा से दूर चला गया पार्टी नेतृत्व

अमरोहा, एजेंसी। कांग्रेस नेता दानिश अली ने बसपा पर लोकसभा चुनाव में भाजपा की बी-टीम की भूमिका निभाने का आरोप लगाया है। दावा किया कि मायावती के नेतृत्व वाली पार्टी के उम्मीदवारों का फैसला भी सत्तारूढ़ दल ने किया है। बसपा छोड़ने के बाद कांग्रेस के टिकट पर अमरोहा से चुनाव लड़ रहे अली ने कहा कि रैली में पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा उनकी आलोचना करना हताशा को दर्शाता है।

यह हमला पिछले पांच वर्षों में सदन में सरकार को बेनकाब करने के मेरे काम को लेकर उनकी हताशा है। वह (भाजपा) नहीं चाहते कि मेरे जैसा सांसद सदन में वापस आए। इसीलिए उन्होंने चुनाव में मेरे खिलाफ अपनी पूरी ताकत लगा दी है। उन्होंने कहा, ÷मुख्यमंत्री (योगी आदित्यनाथ) पिछले दो सप्ताह में चौथी बार अमरोहा का दौरा कर रहे हैं।

भाजपा नेताओं की पूरी फौज अमरोहा में डेरा डाली हुई है। मैं इसे एक चुनौती के रूप में लेता हूं। दानिश अली पर निशाना

साधते हुए मोदी ने पिछले हफ्ते अमरोहा में चुनावी रैली में आरोप लगाया था कि उन्हें भारत माता की जय कहने में आपत्ति है।

उन्होंने लोगों से पूछा था कि जो व्यक्ति भारत माता की जय स्वीकार नहीं कर सकता, वह संसद में अच्छा लगेगा? क्या ऐसे व्यक्ति को भारतीय संसद में प्रवेश की अनुमति दी जानी चाहिए। प्रधानमंत्री पर पलटवार करते हुए दानिश अली ने कहा कि भाजपा या पीएम के पास भारत माता पर कोई पेटेंट नहीं है।

जिन लोगों ने आजादी के बाद 50 साल से अधिक समय तक अपने वैचारिक मुख्यालय पर तिरंगा नहीं फहराया उन्हें ऐसी टिप्पणी करने से बचना चाहिए। बसपा प्रमुख मायावती द्वारा उन पर कई आरोप लगाने के बारे में उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि इंडी गठबंधन और विशेष रूप से दानिश अली को हराने के लिए बसपा और भाजपा दोनों एक दूसरे से मिले हुए हैं।

दावा किया कि बसपा नेतृत्व पार्टी की विचारधारा से दूर चला गया है। आज संविधान को बचाने का सवाल है। भाजपा नेता कह रहे हैं कि वह संविधान को बदल देंगे। यह बात किसी और ने नहीं बल्कि छह बार के सांसद अनंत कुमार हेगड़े ने कही।

इसलिए, बसपा इंडी गठबंधन से दूर रही और उसके उम्मीदवार भाजपा द्वारा तय किए गए है। बीएसपी शत प्रतिशत बीजेपी की बी-टीम की भूमिका निभा रही है।

फूड प्वाइजनिंग से 70 से ज्यादा बीमार, वैवाहिक आयोजन में खाने से बिगड़ी हालत; बच्चे और बुजुर्ग शामिल

अंबेडकरनगर , एजेंसी। वैवाहिक आयोजन में फास्ट फूड खाने के बाद 70 से अधिक लोग बीमार पड़ गए। इसमें घराती और बराती दोनों शामिल रहे। आधी रात में सभी को जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है।

घटना बेवाना थाना इलाके के मुंगरी गांव की है। स्थानीय निवासी सीताराम की पुत्री का मंगलवार को विवाह था। बरात आने के बाद वहां फास्ट फूड खाने का दौर शुरू हुआ। इसके कुछ देर बाद से लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी। पेट दर्द के साथ ही उल्टी और चक्कर आने जैसी दिक्कत शुरू हो गई।

एक-एक कर कई लोगों की तबीयत बिगड़ने पर उन्हें नजदीकी जाफरगंज स्थित स्वास्थ्य उपकेंद्र ले जाया गया। हालांकि संख्या अधिक होने पर सभी को जिला

अस्पताल भेजा गया। वहां सभी को भर्ती कर उपचार शुरू हुआ। इन सबके बीच जैसे तैसे वैवाहिक रस्म भी निभाई गई।

जिला अस्पताल में 69 लोग भर्ती हैं जबकि चार अन्य का इलाज जाफरगंज में किया गया। बीमार लोगों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। सीएमएस डॉ ओम प्रकाश ने बताया कि फूड प्वाइजनिंग की वजह से ऐसा हुआ है। सभी लोगों की हालत अब सामान्य है।

एक साथ बड़ी संख्या में ग्रामीणों के फूड प्वाइजनिंग की खबर मिलते ही डीएम अविनाश सिंह, एसपी डॉ कौस्तुभ, एडीएम डॉ सदानंद और सीएमओ डॉ राजकुमार भी जिला अस्पताल पहुंच गए। अधिकारियों ने वहां भर्ती लोगों से बातचीत की। सीएमएस को निर्देश दिया कि पूरी तरह ठीक होने के बाद ही यहां से वापस घर भेजा जाए।

इन्हें किया गया है भर्ती – जिला अस्पताल में मुंगरी की मंजू (22), रमेश (62), शिवांगी (14), राम जियावन (70), शशि (35), अंकित (36), प्रिया (6), ममता (24), अवधेश (11), सुनीता (27), राम बचन (65), राजू (38), सुनील (25), अंजू (18), कमला (48), अवनीश (12),शीला (42), अतुल (5), श्याम सुंदर (18) आदि भर्ती होने वालों में शामिल हैं।

पब्जी, दोस्ती और धर्म परिवर्तन: मुंबई से मुरादाबाद आ गई हर्षदा... फिर दलदल में फंसती गई; मां ने सुनाई आपबीती

मुरादाबाद , एजेंसी। मुरादाबाद के गलशहीद थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक ने पब्जी गेम के जरिए मुंबई की एक महिला को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया। आरोपी उसे मुंबई से भगाकर मुरादाबाद ले अया और यहां उसका धर्म परिवर्तन कराकर निकाह कर लिया। कुछ दिन बाद ही आरोपी ने महिला का उत्पीड़न शुरू कर दिया। जिससे तंग आकर महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया है। निजी अस्पताल में उसका उपचार चल रहा है। पुलिस ने पीड़िता की मां की तहरीर पर केस दर्ज कर लिया है।

मुंबई के संजय नगर निवासी माधुरी मित्रा पत्नी रोहितास अबनावे ने मुरादाबाद के गलशहीद थाने में गलशहीद थाना क्षेत्र के असालतपुरा निवासी फुजैल और उसके पिता मोहम्मद असलम के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जिसमें माधुरी ने बताया कि उसकी बेटी हर्षदा शादी विवाह में इवेंट का काम करती थी। वह मोबाइल पर पब्जी खेलती थी। इसी दौरान उसकी दोस्ती फुजैल से हो गई थी।

फैजुल भी मुंबई के ख्वाजा प्लैस सम्राट नगर में कामिल कुरैशी के मकान में किराये पर रहता था। दो मार्च 2022 को आरोपी फुजैल हर्षदा को अपने साथ मुरादाबाद ले आया था। यहां लाकर आरोपी ने उससे निकाह कर लिया था। जिससे आरोपी को एक बेटी भी पैदा हुई है। माधुरी का दावा है कि 15 अप्रैल 2022 को उसकी बेटी ने फोन पर बताया कि फुजैल ने उसके साथ मारपीट की है। कोई काम धंधा नहीं करता है। इसकी आदतों से मैं बहुत परेशान हूं।

17 अप्रैल को आरोपी फुजैल ने फोन कर माधुरी को बताया कि हर्षदा ने फंदे पर लटक कर आत्महत्या का प्रयास किया है। उसे विवेकानंद अस्पताल में भर्ती कराया गया है। माधुरी यहां आई तो उसे पता चला कि हर्षदा की हालत गंभीर है। गलशहीद थाना प्रभारी सौरभ त्यागी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आईपीसी की धारा 323, 504, 306 और 511 में केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुइज्जू की जीत के मायने

संपादकीय

मालदीव में रविवार को हुए संसदीय चुनावों में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी की भारी जीत को कूटनीतिक हलकों में दिलचस्पी से देखा जा रहा है। समझा जाता है कि इस जीत के बाद राष्ट्रपति मुइज्जू भारत से दोस्ती की पारंपरिक नीति छोड़कर चीन से करीबी बढ़ाने की राह पर और तेजी से आगे बढ़ेंगे। इसके संकेत तभी से मिलने लगे थे, जब पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव के दौरान मुइज्जू ने भारत विरोधी रुख अख्तियार करते हुए भारतीय सेना को मालदीव से निकालना मुख्य मुद्दा बना लिया था। राष्ट्रपति निर्वाचित होने के बाद उन्होंने इस दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए। हालांकि भारतीय सैनिकों की वहां सांकेतिक उपस्थिति ही है। ये सैनिक उस टोही विमान की देखरेख करते हैं, जो नई दिल्ली ने मालदीव के विशाल तटीय क्षेत्रों की निगरानी के लिए उसे तोहफे में दिया है। राष्ट्रपति मुइज्जू के स्पष्ट भारत विरोधी रुख के चलते रिश्तों में आ रहा तनाव उस समय अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप यात्रा के दौरान मालदीव के कुछ मंत्रियों ने सोशल मीडिया पर कुछ भद्दी टिप्पणियां कर दीं। इसके बाद सोशल मीडिया पर ऐसा अप्रिय विवाद शुरू हुआ, जिससे #बॉयकॉट मालदीव ट्रेंड करने लगा। हालांकि मालदीव सरकार ने उन मंत्रियों के खिलाफ तुरंत एक्शन लिया, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि उस अभियान के बाद भारत से मालदीव जाने वालों की संख्या में इस कदर गिरावट आई कि जो भारत वहां विदेशी सैलानियों का सबसे बड़ा स्रोत हुआ करता था, वह छठे नंबर पर आ गया। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम भारत और मालदीव के रिश्तों के लिए अच्छा नहीं है। भारत के लिए चिंता की बात इसलिए भी है कि मालदीव हिंद महासागर का ऐसा द्वीपीय राष्ट्र है जो सामरिक लिहाज से खासा अहम है। वहां भारत विरोधी भावनाओं पर आधारित राजनीति का प्रभाव बढ़ना भारतीय हितों के लिए नुकसानदेह हो सकता है। भारत फिलहाल वेट एंड वॉच की नीति पर चल रहा है, जो ठीक ही है। ध्यान रहे, मालदीव करीब 1200 छोटे-छोटे द्वीपों का समूह है, जिनमें करीब 200 पर ही मानवीय आबादी है। यह दुनिया के उन देशों में है, जिनके समुद्री जलस्तर बढ़ने से लुप्त होने का सबसे ज्यादा खतरा है। भारत इसका सबसे करीबी पड़ोसी देश है, जहां से किसी भी तरह की आपात स्थिति में आसानी से मदद पहुंच सकती है। जरूरत पड़ने पर भारत ऐसी मदद करता रहा है। जाहिर है, मुइज्जू सरकार के मौजूदा रुख को भू-राजनीति से जुड़ी वास्तविकताओं के मद्देनजर मालदीव के दीर्घकालिक हितों के लिहाज से सही नहीं कहा जा सकता। उम्मीद की जाए कि जल्दी ही उसे इसका अहसास होगा और उसके रुख में अपेक्षित बदलाव आएगा।

आईपीएल 2024- देखते हैं किन टीमों पर मेहरबान है किस्मत

(आदर्श प्रकाश सिंह)

इस बार का आईपीएल मुंबई टीम के नए कप्तान हार्दिक पांड्या को लेकर काफी चर्चाओं में है। इस टीम में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित शर्मा को नजरंदाज कर गुजरात टीम से बुला कर पांड्या को कप्तान बनाना किसी को पच नहीं रहा।

इन दिनों देश में आईपीएल?2024 के मैच खेले जा रहे हैं। दस टीमें इसमें अपनी किस्मत आजमा रही हैं। 22 मार्च को चेन्नई में इसकी शुरुआत हुई थी। 26 मई को चेन्नई में इसका फाइनल खेला जाएगा। अब तक हुए मैचों के आधार पर यह दिख रहा है कि कौन सी टीमें खिताबी दौड़ में बनी हुई हैं और कौन सी टीम केवल औपचारिकता निभाने के लिए खेल रही है। अंक तालिका में जो चार टीमें ऊपर हैं उन्हीं में से कोई सत्रहवें आईपीएल का चैम्पियन बनेगा। इस बार कई नई चीजें देखने को मिल रही हैं। कुछ स्टार खिलाड़ी बुझे?बुझे से दिख रहे हैं। महंगी बोली लगाकर खिलाड़ियों को खरीदने वाली फ्रैंचाइजी टीमें अपना हिसाब लगा रही होंगी कि उन्होंने गलत किया या सही। क्रिकेट अनिश्चितताओं वाला खेल है। मिसाल के तौर पर सबसे महंगे बिके आस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क अभी तक कोई कमाल नहीं दिखा पाए हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स ने स्टार्क को 24.75 करोड़ में खरीदा था। वह आईपीएल इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी भी बन गए हैं।

खैर अब आते हैं मौजूदा हालात पर। अंक तालिका में सबसे ऊपर राजस्थान रायल्स की टीम बनी हुई है। उसने 7 मैचों में से 6 जीते हैं, सिर्फ एक में हार मिली है। इस तरह उसके 12 अंक हैं। उसके बाद कोलकाता और हैदराबाद की टीमें हैं। इन दोनों के 7 मैचों में 10 अंक हैं सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने धुंआधार बल्लेबाजी करके विपक्षी टीम के नाक में दम कर दिया है। इसके बल्लेबाजों ने अभी तक तीन बार 250 से अधिक का स्कोर किया है। यह एक सत्र में ऐसा करने वाली आईपीएल ही नहीं किसी भी लीग की पहली टीम बन गई है। इससे पहले इंग्लैंड की सरे काउंटी टीम ने 2018 और 2023 में दो?दो बार ऐसा किया है। हैदराबाद ने आईपीएल का सर्वाधिक स्कोर 287 बना कर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा है। इसी सत्र में उसने 278 रन बनाए थे। शनिवार 20 अप्रैल को दिल्ली के खिलाफ भी हैदराबाद ने तूफानी शुरुआत करते हुए 266 रन बना डाले। पावर प्ले में इस टीम ने 125 रन कूट डाले जो टी?20 क्रिकेट के इतिहास का रिकॉर्ड है। ये रन 11 छक्कों और 13 चौकों से बने। केवल 7 रन सिंगल से बने। हैदराबाद ने शनिवार को केवल 30 गेंदों में 100 रन ठोंक दिए।

ऐसा प्रदर्शन देखते हुए लग रहा है कि हैदराबाद की टीम इस बार चोटी पर रहेगी। कंगारू खिलाड़ी पैट कमिंस इसके कप्तान हैं। उन्हीं के देश के ट्रैविस हेड खूब तेज बैटिंग कर रहे हैं। युवा अभिषेक भी विस्फोटक शुरुआत दे रहे हैं। 20 अप्रैल को हेड ने जहां 32 गेंदों में 89 रन बनाए वहीं, अभिषेक ने 12 गेंद पर 46 रन की पारी खेली। शाहबाज 59 रन बनाकर नाबाद रहे।

केकेआर यानी कोलकाता की टीम ने रविवार को एक रोमांचक मुकाबले में बेंगलुरू को एक रन से हरा दिया। अभिनेता शाहरुख खान की यह टीम शानदार खेल दिखा रही है। इसके कप्तान श्रेयस अय्यर हैं। श्रेयस तो कुछ खास नहीं कर पा रहे लेकिन वेस्ट इंडीज के सुनील नारायण और आन्द्रे रसेल जोरदार प्रदर्शन कर रहे हैं। रिंकू सिंह इसी टीम में हैं।

चेन्नई की टीम महेंद्र सिंह धोनी की वजह से सबकी चहेती बनी हुई है। 42 साल की उम्र में भी धोनी खेल रहे हैं और तेज बैटिंग कर रहे हैं। हालांकि, वह अब कप्तान नहीं हैं। उनकी जगह युवा रूतुराज गायकवाड़ कप्तानी कर रहे हैं। चेन्नई की टीम पिछले साल की चैम्पियन है और यह धोनी का आखिरी आईपीएल भी हो सकता है। इसलिए पीली जर्सी वाले खिलाड़ी धोनी को शानदार विदाई दे सकते हैं। यह टीम अपना खिताब बरकरार रख पाती है या नहीं यह देखने की बात है।

इस बार का आईपीएल मुंबई टीम के नए कप्तान हार्दिक पांड्या को लेकर काफी चर्चाओं में है। इस टीम में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। वरिष्ठ खिलाड़ी रोहित शर्मा को नजरंदाज कर गुजरात टीम से बुला कर पांड्या को कप्तान बनाना किसी को पच नहीं रहा। शुरू के कई मैच हारने के बाद मुंबई इंडियंस ने 7 मैचों में से 3 जीते हैं। अंक तालिका में 6 अंकों के साथ यह टीम सातवें स्थान पर है। दरअसल, पांड्या का बर्ताव वरिष्ठ खिलाड़ियों को अपमानित करने वाला है। रोहित से खटपट की खबरें आ रही हैं। टीम में दो गुट बन गए हैं। वरिष्ठ गेंदबाज बुमराह को पहला ओवर न देकर पांड्या ने किसी और को दे दिया। ये चीजें अशोभनीय हैं। कप्तान बदलने की मांग भी हो रही है।

विराट कोहली जिस टीम में हों वह अंतिम पायदान पर हो तो क्या कहा जा सकता है। जी हां, बेंगलुरू की हालत बहुत खराब है। अब तक 8 मैचों में यह टीम केवल एक मैच जीत पाई है। 7 में उसे पराजय मिली है। अब तक बेंगलुरू की टीम कभी आईपीएल का खिताब नहीं जीत पाई है और इस बार भी कोई उम्मीद नजर नहीं आ रही। लगता है, इस टीम की किस्मत खराब चल रही है। दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत को वापस मैदान में देख कर अच्छा लग रहा है। सड़क हादसे में बुरी तरह घायल होने के बाद वह डेढ़ साल तक मैदान से दूर रहे। पर, उनकी टीम भी नीचे के पायदान पर ही है। पंजाब की टीम बेंगलुरू से एक पायदान ऊपर है। इसके कप्तान शिखर धवन घायल हो गए हैं। उनकी जगह सैम करन कप्तानी कर रहे हैं।

लखनऊ की टीम के 7 मैचों में 8 अंक हैं और वह पांचवें नंबर पर है। इसके कप्तान केएल राहुल ने 19 अप्रैल को लखनऊ के इकाना स्टेडियम में 82 रनों की शानदार पारी खेली। इसकी बदौलत मेजबान टीम ने चेन्नई को 8 विकेट से हरा कर बड़ी जीत दर्ज की। मगर, नवाबी शहर के दर्शक अपने बीच धोनी को पाकर उत्साहित थे। लखनऊ की टीम में युवा मयंक यादव सनसनी बनकर उभरे हैं।

मछुआरों, महिलाओं और स्थानीय संस्कृति का सहारा

तमिलनाडु में मौजूदा सत्ताधारी डीएमके का मोर्चा बढ़त की उम्मीदे पाले हुए है तो बीजेपी इस बार बड़ी सेंध लगाने का दावा कर रही है। बीजेपी के दावे की वजह है, प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ती रही भीड़। जिसे बढ़ाने में अमित शाह अपनी ओर से जोर देते रहे। लोकसभा सीटों के लिहाज से दक्षिण भारत के सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 2019 के आम चुनावों में भी अमित शाह ने पूरा जोर लगाया था। फिर भी पार्टी को 2014 के साढ़े पांच प्रतिशत के मुकाबले महज 3.6 फीसद वोट से ही संतोष करना पड़ा था। राज्य में इस बार चुनाव हो चुका है। जिस तरह मोदी और शाह की जोड़ी ने इस बार राज्य में जोर लगाया, इसकी वजह से इस बार पार्टी की उम्मीदें बढ़ी हुई हैं। इसकी वजह है पार्टी की अरसा पहले से जारी तैयारी और तमिलनाडु में तेज-तर्रार और युवा अन्नामलाई के हाथ में पार्टी की कमान। अन्ना मलाई की सभाओं में उमड़ती रही भीड़ पार्टी की उम्मीदों को परवान चढ़ाने में मददगार बनती रही। अन्ना मलाई ने सात महीने तक 'एन मन, एन मक्कल' नाम से राज्यव्यापी यात्रा की, जिसमें खूब भीड़ जुटी।

(उमेश चतुर्वेदी)

तमिलनाडु में मौजूदा सत्ताधारी डीएमके का मोर्चा बढ़त की उम्मीदे पाले हुए है तो बीजेपी इस बार बड़ी सेंध लगाने का दावा कर रही है। बीजेपी के दावे की वजह है, प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ती रही भीड़। जिसे बढ़ाने में अमित शाह अपनी ओर से जोर देते रहे।

अपने दम पर बहुमत के साथ लगातार दो बार से केंद्रीय सत्ता को संभाल रही भारतीय जनता पार्टी के लिए तमिलनाडु और केरल अब तक प्रश्न प्रदेश रहे हैं। इस लिस्ट में 25 सीटों वाले आंध्र प्रदेश को भी शामिल किया जा सकता है। 'अबकी बार चार सौ पार' के नारे में दक्षिण का अभेद्य बना किला फतह करने की कोशिश भी शामिल है। पार्टी को पता है कि जब तक वह अभेद्य समझे जाने वाले दक्षिण के दुर्ग में जोरदार सेंध नहीं लगाएगी, उसका यह नारा जमीनी हकीकत के नजदीक नहीं पहुंच पाएगा। यही वजह है कि पार्टी का शिखर नेतृत्व लगातार तमिलनाडु पर अपना ध्यान फोकस किए हुए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की दक्षिण भारत की लगातार जारी चुनावी और सामान्य यात्राएं इन्हीं कोशिशों का उदाहरण है। तमिलनाडु में चुनाव बीत चुके हैं। राज्य के चुनाव नतीजों को लेकर अटकलबाजी और दावे-प्रतिदावों का दौर जारी है।

तमिलनाडु में मौजूदा सत्ताधारी डीएमके का मोर्चा बढ़त की उम्मीदे पाले हुए है तो बीजेपी इस बार बड़ी सेंध लगाने का दावा कर रही है। बीजेपी के दावे की वजह है, प्रधानमंत्री की सभाओं में उमड़ती रही भीड़। जिसे बढ़ाने में अमित शाह अपनी ओर से जोर देते रहे। लोकसभा सीटों के लिहाज से दक्षिण भारत के सबसे बड़े राज्य तमिलनाडु में 2019 के आम चुनावों में भी अमित शाह ने पूरा जोर लगाया था। फिर भी पार्टी को 2014 के साढ़े पांच प्रतिशत के मुकाबले महज 3.6 फीसद वोट से ही संतोष करना पड़ा था। राज्य में इस बार चुनाव हो चुका है। जिस तरह मोदी और शाह की जोड़ी ने इस बार राज्य में जोर लगाया, इसकी वजह से इस बार पार्टी की उम्मीदें बढ़ी हुई हैं। इसकी वजह है पार्टी की अरसा पहले से जारी तैयारी और तमिलनाडु में तेज-तर्रार और युवा अन्नामलाई के हाथ में पार्टी की कमान। अन्ना मलाई की सभाओं में उमड़ती रही भीड़ पार्टी की उम्मीदों को परवान चढ़ाने में मददगार बनती रही। अन्ना मलाई ने सात महीने तक 'एन मन, एन मक्कल' नाम से राज्यव्यापी यात्रा की, जिसमें खूब भीड़ जुटी। इस यात्रा की बीजेपी हलके में महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इसका समापन खुद प्रधानमंत्री मोदी ने किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अन्ना मलाई का नाम अपनी सभाओं में खूब लेते हैं। अन्ना मलाई को उस कोयंबटूर सीट से मैदान में उतारा गया है, जिस पर 1998 और 1999 में पार्टी का कब्जा रहा। उस वक्त इस सीट की नुमाइंदगी करने वाले सीपी राधाकृष्णन इन दिनों झारखंड के राज्यपाल हैं। उनके जिम्मे तेलंगाना के राज्यपाल और पुदुचेरी के उपराज्यपाल का चार्ज भी है। जब सीपी राधाकृष्णन कोयंबटूर से सांसद चुने गए थे, तब वे 41 साल के युवा थे। यह संयोग है कि कुछ और कि अन्ना मलाई इन दिनों चालीस की उम्र पूरी करने वाले हैं। यानी अगर कोयंबटूर से वे जीतते हैं तो वे भी सीपी राधाकृष्णन की तरह युवा ही होंगे।

भारतीय जनता पार्टी की शिखर यात्रा की ओर जब हम देखते हैं तो पता चलता है कि उसने जिस राज्य में भी पैर जमाया, वहां वह पहले छोटे भाई की भूमिका में रही। बाद में वह अपना प्रभाव बढ़ाते हुए बड़े भाई की भूमिका में आ जाती है और मौका मिलते ही शिखर पर पहुंच जाती है। दो चुनाव पहले तक बीजेपी हरियाणा और पश्चिम बंगाल में इंडियन नेशनल लोकदल और तृणमूल कांग्रेस के छोटे भाई की भूमिका में रही। बाद में उसने प्रभाव बढ़ाया। अब हालत यह है कि हरियाणा में इंडियन नेशनल लोकदल अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है तो तृणमूल कांग्रेस उसकी चुनौती से पार पाने का उपाय खोज रही है। कुछ ऐसी ही स्थिति महाराष्ट्र में रही। पहले वह शिवसेना की बी टीम की तरह काम करती रही और पिछले कुछ चुनावों से वह पहले नंबर पर आ गई है। पंजाब में इसी तरह वह 1997 से लगातार शिरोमणि अकाली दल की बी टीम रही और इस बार उसने खुद को अकेले मैदार में उतार दिया है। कुछ इसी अंदाज में पार्टी तमिलनाडु में भी 1998 में डीएमके के साथ रही तो 1999 में एडीआईएमके की जूनियर पार्टनर बनी। 2014 तक वह अन्ना द्रमुक के साथ रही, लेकिन अब वह तकरीबन अकेले दम पर आगे आ रही है।

हाल के दिनों में पार्टी तार्किक रणनीति के साथ मैदान में उतरती रही है। उसके वायदों और शासन के तरीके पर सवाल जरूर उठ सकते हैं, लेकिन रणनीतिक कदम के लिए उसकी प्रशंसा करनी होगी। प्रश्न प्रदेश बने तमिलनाडु को हल करने के लिए पार्टी ने अरसा पहले काम शुरू कर दिया था। केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक कार्यक्रम शुरू कराया, एक भारत, श्रेष्ठ भारत। इसके जरिए राज्यों को उनके पारंपरिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक रिश्तों के साथ जोड़ना शुरू किया। इसके तहत तमिलनाडु का काशी से संगम शुरू हुआ। काशी भगवान भोलेनाथ की नगरी है और तमिलनाडु में शैव परंपरा को मानने वालों की अच्छी-खासी संख्या है। महाशिवरात्रि के वक्त काशी में तमिलनाडु, आंध्र और कर्नाटक के यात्रियों की बाढ़ रहती है। काशी और तमिलनाडु के करीबी रिश्तों के जरिए प्रधानमंत्री मोदी ने तमिल दिलों में उतरने की कोशिश साल 2022 में तेज की। काशी-तमिल संगमन इसकी अगली कड़ी के रूप में सामने आया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में विकास योजनाओं की तेजी लाने की कोशिश की। अटल बिहारी वाजपेयी सरकार द्वारा शुरू की गई स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना को पूरा करने का आश्वासन के साथ ही मछुआरों के कल्याण पर काम तेज हुए। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में रोड शो किए।

तमिलनाडु ऐसा राज्य है, जहां की 87 फीसद आबादी हिंदू है। इसके बावजूद राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन के बेटे और राज्य सरकार में मंत्री उदयनिधि मारन ने सनातन धर्म पर हमला बोला। भारतीय जनता पार्टी को इस बयान ने मौका दे दिया। जिसके खिलाफ ना सिर्फ प्रधानमंत्री मुखर हुए, बल्कि अमित शाह ने भी हमला बोला। तमिलनाडु के लोग एक बात पर खूब जोर देते हैं कि उनके यहां धार्मिक कार्ड नहीं चलता। इसीलिए बीजेपी का हिंदुत्व का मुद्दा भी नहीं चलेगा। लेकिन प्रधानमंत्री के रोड शो में उमड़ी भीड़ हो या अमित शाह के कार्यक्रमों में जुटती भीड़, इस धारणा को कमजोर कर रही है। भारतीय जनता पार्टी की मौजूदा हिंदुत्ववादी राजनीति को दो दशक पहले तक उत्तर भारत में इतना तवज्जो नहीं मिलता था कि वह केंद्रीय सत्ता की अपने दम पर दावेदारी कर सके। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। कुछ इसी अंदाज में पार्टी तमिलनाडु में भी जोर लगाती रही । पार्टी तमिल सांस्कृतिक परंपराओं मसलन जलीकट्टू की बहाली का जहां समर्थन कर रही है, वहीं वह तमिल मार्का सनातन की प्रतिष्ठा पर भी जोर दे रही है। पार्टी ने पीएमके और टीएमसी(एस) जैसी कुछ छोटी पार्टियों के साथ जातीय गणित भी साधने की कोशिश की है। इन कोशिशों से उपजी आस ही है कि पार्टी इस बार राज्य की 23 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जबकि बाकी 16 सीटें अपने सहयोगियों के लिए छोड़ दी है।

बीजेपी की कोशिशों के बावजूद हाल ही में आई एक सर्वे रिपोर्ट ने पार्टी को एक भी सीट नहीं दिया। हालांकि सर्वे करने वाली एजेंसी भी मान रही है कि राज्य में बीजेपी का वोट बैंक बढ़ने जा रहा है। वैसे याद किया जाना चाहिए कि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सर्वे एजेंसियों ने बीजेपी की जीत की उम्मीद नहीं के बराबर जताई थी। लेकिन जब नतीजे आए तो सर्वे एजेंसियों के नतीजों के उलट थे। भारतीय जनता पार्टी ठीक उसी अंदाज में तमिलनाडु से भी उम्मीद लगाए हुए है।

दक्षिण भारत में लोकसभा की 132 सीटें हैं, जिनमें सिर्फ 29 सीटें ही बीजेपी के पास हैं। उनमें से सबसे ज्यादा 25 सीटें कर्नाटक की हैं, जबकि चार तेलंगाना की। पार्टी इस बार भी कर्नाटक में बेहतर करते नजर आ रही है। तेलंगाना में भी वह मुकाबले में है। इसके बाद उसका सारा ध्यान तमिलनाडु पर ही है। इसलिए वह मछुआरों, महिलाओं और युवाओं पर जहां उम्मीद लगाए बैठी है, वहीं पार्टी को एआईडीएमके की कमजोरी से विपक्षी खेमे में उपजे शून्य को भरने की भी आस है। पार्टी को कितनी सफलता मिलती है, यह तो चार जून को पता चलेगा। लेकिन इतना तय है कि तमिलनाडु की राजनीति में बड़े भाई की भूमिका की ओर भारतीय जनता पार्टी ने कदम बढ़ा दिया है। (लेखक वरिष्ठ राजनीतिक टिप्पणीकार हैं)

पृथ्वी के नाम पर बस एक खास दिन

कार्सन की इस किताब को लोगों ने हाथों-हाथ लिया, लेकिन उद्योगों ने इसका भारी विरोध भी किया। खुद कार्सन पर निजी हमले भी हुए। मामला अदालत में पहुंच गया और सरकारों को सफाई देनी पड़ी। इसी के साथ ऐसे वैकल्पिक कीटनाशकों को विकसित करने का दबाव भी बना, जो ज्यादा खतरनाक न हों। हालांकि, पुस्तक प्रकाशन के डेढ़ साल बाद ही कार्सन का निधन हो गया, पर पर्यावरण की चेतना का जो सिलसिला उनसे शुरू हुआ, वह फिर रुका नहीं।

(हरजिंदर, वरिष्ठ पत्रकार)

पृथ्वी दिवस के इतिहास को खंगालते हुए हम अगर पीछे की ओर जाएं, तो हमारी मुलाकात रचेल कार्सन से होती है। कार्सन वहां खड़ी हैं, जहां से आधुनिक दौर की पर्यावरण चेतना शुरू होती है। यहां कार्सन को याद करने का एक और कारण यह भी है कि आज से ठीक 60 साल पहले अप्रैल के महीने में ही उनका निधन हुआ था। यह सन् 1962 की बात है, जब कार्सन ने एक किताब लिखी थी- साइलेंट्‌प्रिंग यानी मौन बसंत। कई बरस से सिंथेटिक कीटनाशकों के खतरों पर काम कर रहीं कार्सन ने एक ऐसे भविष्य की कल्पना की थी, जब बसंत का मौसम तो आएगा, पर न पक्षी चहचहाएंगे और न भौंरे गुंजार करेंगे। दरअसल, वे होंगे ही नहीं, क्योंकि फसलों को बचाने और उत्पादन बढ़ाने के लिए जिस तरह से डीडीटी जैसे कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ रहा है, उसके बाद तो इन सबके बचने की उम्मीद भी नहीं दिख रही है।

कार्सन की इस किताब को लोगों ने हाथों-हाथ लिया, लेकिन उद्योगों ने इसका भारी विरोध भी किया। खुद कार्सन पर निजी हमले भी हुए। मामला अदालत में पहुंच गया और सरकारों को सफाई देनी पड़ी। इसी के साथ ऐसे वैकल्पिक कीटनाशकों को विकसित करने का दबाव भी बना, जो ज्यादा खतरनाक न हों। हालांकि, पुस्तक प्रकाशन के डेढ़ साल बाद ही कार्सन का निधन हो गया, पर पर्यावरण की चेतना का जो सिलसिला उनसे शुरू हुआ, वह फिर रुका नहीं।

अब एक नजर उस दौर पर भी डाल लेते हैं, जिसने इस चेतना को जड़ें जमाने की जमीन दी। कार्सन जिस समय यह किताब लिख रही थीं, उस समय अमेरिका और पश्चिम के कई देशों में हिप्पी आंदोलन तेजी पकड़ रहा था। दूसरे विश्व-युद्ध के बाद के निर्दयी औद्योगीकरण से उकताए नौजवान ही बगावत पर उतारू थे। वे स्थापित मान्यताओं की बहुत सी जंजीरों को तोड़ देने पर आमादा थे। फिर बेवजह से लग रहे वियतनाम युद्ध से आई कहानियां पूरे अमेरिका को झझकोर रही थीं। पश्चिम से निकलकर यह आंदोलन पूरी दुनिया में फैलने की कोशिश कर रहा था। कार्सन की किताब ने नौजवानों को अपनी बगावत को सही ठहराने का एक और तर्क दे दिया था।

हर तरफ चिंताएं बढ़ रही थीं कि इन नौजवानों को कैसे पटरी पर लाया जाए। ठीक इसी समय अमेरिकी सीनेटर गेलॉर्ड नेलसन को एक रास्ता समझ में आया। उन्हें लगा कि इन नौजवानों की ऊर्जा को पर्यावरण से जोड़कर अच्छे भविष्य की एक मुहिम चलाई जा सकती है। उन्होंने कोशिश की, तो दुनिया की कई सरकारें और संगठन उनके साथ आ गए। यहीं से पृथ्वी दिवस की अवधारणा निकली। 22 अप्रैल, 1970 को जब पहला पृथ्वी दिवस मनाया गया, तो अकेले अमेरिका में इसके कार्यक्रम में दो करोड़ लोग शामिल हुए। कहा जाता है कि पूरी दुनिया में एक अरब लोगों ने इसमें शिरकत की। इसका श्रेय पूरी तरह से पृथ्वी दिवस को तो नहीं दिया जा सकता, पर इसी के बाद से हिप्पी आंदोलन का उबाल बैठने लग गया।

हालांकि, नेलसन चाहते थे कि पर्यावरण को लेकर नौजवान एक जन-आंदोलन करें, जो सरकारों और स्थापित सत्ताओं पर दबाव बनाए। अमेरिका के नौजवानों ने तो रास्ता बदलना शुरू कर दिया, मगर बाकी दुनिया के नौजवानों में जो उथल-पुथल दिखाई दी, उसे युवा असंतोष का दौर कहा जाता है। यह वही समय था, जब 1974 में गुजरात के एक छात्रावास में छोटा-सा आंदोलन शुरू हुआ था और जल्द ही वह बिहार समेत पूरे देश में फैल गया था। कुछ समय बाद नौजवानों ने इसका नेतृत्व जय प्रकाश नारायण को सौंपा और इसको संपूर्ण क्रांति आंदोलन का नाम दिया गया। आज देश में जितने भी वरिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं, वे किसी न किसी तरह से उस दौर की राजनीति से ही निकले हुए हैं।

इसी दौरान ऑस्ट्रेलिया में कुछ लोगों ने सोचा कि पर्यावरण की इस चेतना को एक राजनीतिक आकार दिया जाए। इसी सोच से जन्म हुआ ग्रीन पार्टी का। ऑस्ट्रेलिया से निकलकर यह अवधारणा दुनिया के कई देशों में फैल गई। बहुत से देशों में ग्रीन पार्टी की स्थापना हुई। एक समय तक तो यूरोप के कई देशों में इसका खासा असर भी दिखाई दिया। इस पार्टी ने स्थानीय स्तर पर कुछ एक चुनाव भी जीते। राजनीतिज्ञों ने इसे गंभीरता से लेना शुरू कर दिया और इसे भविष्य की राजनीतिक ताकत कहा जाने लगा, लेकिन राजनीति का रास्ता कभी इतना सीधा नहीं होता। राजनीति की मुख्यधारा में शामिल होने की कोशिश में ग्रीन पार्टी धीरे-धीरे अपनी पहचान खोती गई और ओझल होने लगी।

यह जरूर है कि इसके बाद से पर्यावरण के मुद्दे राजनीतिक दलों के एजेंडे में जगह पाने लगे। भले ही इसका बहुत बड़ा अर्थ नहीं है, क्योंकि सिर्फ इतने भर से पर्यावरण को लेकर इन दलों की गंभीरता का कोई अंदाज नहीं लगता। यह दुनिया भर में हुआ। इस समय हमारे देश में आम चुनाव चल रहा है और हम साफ तौर पर देख सकते हैं कि चुनावी जंग में पर्यावरण के मुद्दे कहां खड़े हैं। घोषणापत्र पर्यावरण की चिंता से अछूते नहीं हैं, पर यहां बातें किसी औपचारिकता से आगे का कोई रास्ता नहीं पकड़ती हैं। आप इसे कोरा जुबानी जमाखर्च भी कह सकते हैं। पर्यावरण के नाम पर कोई दल या उम्मीदवार जनता से वोट नहीं मांग रहा है। यहां तक कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे उन राज्यों में भी, जहां पर्यावरण में बदलाव का असर लोगों के जीवन पर पड़ता दिखाई भी देने लगा है। अच्छे पर्यावरण का कोई वादा नहीं कर रहा, यह किसी भी गारंटी में शामिल नहीं है।

आज भी हर साल 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस हमें बीच राह में भटक गए पर्यावरण के संकल्पों की याद दिलाने आ जाता है। इस दिन दुनिया भर के स्कूल, कॉलेजों, विश्वविद्यालयों, दफ्तरों वगैरह में बड़े और भव्य कार्यक्रम भी आयोजित होते हैं, पर इनमें बदलाव की ऊर्जा कम होती है और पर्व मनाने की औपचारिकता ज्यादा। कुछ जगह तो वे कंपनियां ही ऐसे कार्यक्रमों की प्रायोजक होती हैं, जिन पर पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने के आरोप चस्पां हैं। पर्यावरण के नाम पर जन-आंदोलन खड़ा करके सरकारों पर दबाव बनाने का जो सपना गेलॉर्ड नेलसन ने देखा था, आज का पृथ्वी दिवस उससे बहुत दूर जा चुका है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

न्यूट्रिशन बन चमकाएं अपना कॅरियर

न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। ऐसे में आप इस क्षेत्र में अपना कॅरियर चमका सकते हैं।

किस व्यक्ति को किस तरह की डाइट लेनी चाहिए, किस खाने में कौन से पोषक तत्व पाए जाते हैं। किसी तरह की बीमारी होने पर डाइट में किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। ऐसे बहुत से सवालों के जवाब यदि आपको पता हैं, या आप इन सवालों के जवाब देने में रुचि लेते है। तो बता दें कि आप डायटीशियन या न्यूट्रीशनिस्ट के तौर पर अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं। न्यूट्रीशनिस्ट हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन का महत्व समझते हैं। साथ ही यह अपने क्लाइंट्स को भी हेल्दी और बैलेंस्ड न्यूट्रीशन के बारे में जानकारी देते हैं। या फिर व्यक्ति की जरूरत के अनुसार, डाइट लेना सजेस्ट करते हैं। साथ ही यह वजन बढ़ाने से लेकर कम करने तक में मदद करते हैं।

क्या हैं फ्यूचर प्रोस्पेक्ट्स

यह एक ऐसा काम है, जो हमेशा से ही डिमांड में रहता है। या ऐसा भी कहा जा सकता है कि बदलते वक्त के साथ इसकी डिमांड भी बढ़ती जा रही है। लोग जैसे-जैसे अपनी हेल्थ और वेट को लेकर जागरुक हो रहे हैं। वैसे-वैसे न्यूट्रीशनिस्ट की डिमांड में आते जा रहे हैं। वेलनेस सेंटर, हॉस्पिटल, हेल्थ सेंटर, ब्यूटी सेंटर, क्लीनिक से लेकर फिटनेस सेंटर्स तक पर इनकी जरूरत पड़ती है। ऐसे में इस क्षेत्र में आप का कॅरियर खूब फलेगा-फूलेगा

कोर्स

इस फील्ड में अपना कॅरियर बनाने के लिए कैंडिडेट का साइंस बैकग्राउंड होना जरूरी है। 12वीं पास करने के बाद छात्र फूड एंड न्यूट्रीशन में BSc और MSc कोर्स किए जा सकते हैं। हायर स्टडीज के लिए आप इस फील्ड में पीएचडी भी कर सकते हैं। कई यूनिवर्सिटी में यह कोर्सेज ऑफर किए जाते हैं। इनमें सेलेक्शन लेने के लिए छात्रों को सामान्य तौर पर प्रवेश परीक्षा पास करनी होती है।

इन फील्ड में कर सकते हैं काम

इस कोर्स को करने के बाद अपने स्पेशलाइजेशन और रुचि के अनुसार, आप हेल्थ कोच, हेल्थ एजुकेटर एंड कम्यूनिटी हेल्थ वर्कर, पिडियाट्रिक न्यूट्रीशनिस्ट, पब्लिक हेल्थ न्यूट्रीशनिस्ट, क्लिनिकल डायटीशियन, होलिस्टिक न्यूट्रीशनिस्ट, स्पोर्ट्स न्यूट्रीशनिस्ट, कंसल्टेंट न्यूट्रीशनिस्ट आदि के तौर पर प्राइवेट और सरकारी विभागों में काम कर सकते हैं।

कितनी मिलेगी सैलरी

इस फील्ड में सैलरी अनुभव और पद के अनुसार मिलती है। ऐसे बताया जाए तो गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशन में आपको 2.50 से 3.50 लाख रुपये तक आप कमा सकते हैं। वहीं प्राइवेट ऑर्गेनाइजेशन में साल के 3 से 5 लाख रुपये तक कमा सकते हैं। वहीं अनुभव बढ़ने के साथ ही आपकी सैलरी 8 लाख रुपए तक पहुंच सकती है।

लोकप्रिय करियर ऑप्शन बनता जा रहा है पत्रकारिता

अगर आप पत्रकारिता में करियर बनाने का ख्वाब रखते हैं और इस क्षेत्र के बारे में जानना चाहते हैं तो इस लेख में बात करते हैं कि छात्र पत्रकारिता में करियर कैसे बना सकते हैं और पत्रकार होने के लिए किन गुणों का होना बेहद जरूरी है।

पत्रकारिता छात्रों के बीच एक लोकप्रिय करियर ऑप्शन बनता जा रहा है। छात्र खबरों की दुनिया से खुद को जोड़े रखना चाहते हैं और पत्रकारिता में अपना करियर बनाना चाहते हैं। लेकिन पढ़ाई कहां से करनी है और किन गुणों का होना जरूरी है इस बात से छात्र अक्सर अपरिचित ही रह जाते हैं। अगर आप पत्रकारिता में करियर बनाने का ख्वाब रखते हैं और इस क्षेत्र के बारे में जानना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए ही है। आइए इस लेख में बात करते हैं कि छात्र पत्रकारिता में करियर कैसे बना सकते हैं और पत्रकार होने के लिए किन गुणों का होना बेहद जरूरी है।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

पत्रकारिता में करियर बनाने के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री होना आवश्यक है। देश भर में कई ऐसे प्राइवेट और सरकारी संस्थान हैं जो पत्रकारिता में ग्रेजुएशन की डिग्री देते हैं। 12वीं पास करने के बाद छात्र ग्रेजुएशन कोर्स में एडमिशन ले सकते हैं या वे चाहें तो पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री भी प्राप्त कर सकते हैं। पत्रकारिता में करियर के लिए इन गुणों का होना बेहद जरूरी है

मजबूत भाषा

पत्रकार बनने का सबसे प्राथमिक गुण है भाषा पर पकड़ होना यानी भाषा का मजबूत होना। अगर पत्रकार बनना चाहते हैं तो अभी से अपनी भाषा पर काम करना शुरू कर दें। हिंदी और अंग्रेजी भाषा में मजबूती के साथ-साथ एक क्षेत्रीय भाषा भी सीखने का प्रयास करें।

खोजी दिमाग रखें

पत्रकार का दिमाग हर समय हर जगह खबर ढूंढता रहता है ऐसे में छात्रों को चाहिए कि स्कूली दिनों से ही अपने दिमाग को इस तरह से ट्रेन करिए कि आप हर जगह पर खबर ढूंढ पाएं। खबर ढूंढना एक पत्रकार की निशानी है।

कॉन्फिडेंस और धैर्य दोनों हो

एक पत्रकार को कॉन्फिडेंट और धैर्यवान दोनों होना चाहिए। आपकी खबर में इतनी ताकत हो कि सच कहने से ना घबराए और इतना धैर्य हो कि सच्ची खबर के लिए आप घंटों इंतजार कर पाएं।

अलर्ट रहें

एक पत्रकार अपने आंख और कान बाकी लोगों के मुकाबले हमेशा खुला रखता है। कब कौन सी बड़ी खबर आपके सामने आ जाए ये किसी को नहीं पता। इसी कारण पत्रकार में यह गुण होना चाहिए कि वह हमेशा अलर्ट रहे।

कम्युनिकेशन स्किल्स

कम्युनिकेशन स्किल्स का बेहतर होना एक पत्रकार के लिए बेहद जरूरी है। आपको लोगों से बात करना आना चाहिए और लोगों तक अपनी बात पहुंचाने का भी हुनर आपके भीतर होना चाहिए।

विषयों का गहन अध्ययन

पत्रकारिता के विषय में कहा जाता है कि उसके पास एक आईएएस जितना ज्ञान और एक सिपाही जितनी ताकत होनी चाहिए। अगर पत्रकारिता के क्षेत्र में करियर बनाना है तो पॉलिटिक्स, कल्चर, धर्म और सामाजिक और समसामयिक मुद्दों की गहन जानकारी होनी चाहिए।

जॉब की संभावनाएं

पत्रकारिता के माध्यमों को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यम के रूप में बांटा जा सकता है। प्रिंट माध्यम में अखबार, मैगजीन और किताबें आती हैं जबकि इलेक्ट्रॉनिक माध्यम में टीवी शामिल है वहीं इंटरनेट माध्यम को डिजिटल माध्यम के रूप में देखा जा सकता है। वर्तमान में जानकारी और सूचना के बढ़ते माध्यमों में अधिक अधिक लोगों की आवश्यकता है। आप पत्रकार के रूप में तीनों में से किसी भी माध्यम से जुड़ सकते हैं या अपना कुछ कार्य अलग से शुरू कर सकते हैं। इसके साथ ही कई क्षेत्र उपलब्ध है जिसमें आप पत्रकारिता कर सकते हैं उदाहरण के लिए पॉलिटिकल बीट, एंटरटेनमेंट बीट या फिर एजुकेशन बीट। हिंदी, अंग्रेजी किसी भी माध्यम को चुना जा सकता है। इन माध्यमों के अलावा छात्र पीआर एजेंसी, पब्लिशिंग हाउस या रेडियो स्टेशन में भी अपना करियर बना सकते हैं।

गाड़ियों ओवरऑल लुक को डिजाइन करते हैं ऑटोमोटिव इंजीनियर्स

जब भी बात गाड़ियों के लुक की होती है, तो कुछ गाड़ियां खुद ही हमारे जहन में आ जाती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उनकी डिजाइनिंग उस समय के हिसाब से बिल्कुल हटकर और कंफर्ट लेवल को ध्यान में रखकर की गई होती है। गाड़ियों के इसी ओवरऑल लुक की डिजाइनिंग करते हैं ऑटोमोटिव इंजीनियर्स। अगर आपको भी वाहनों से जुड़ी हर छोटी-बड़ी बात आकर्षित करती है, तो आप भी ऑटोमोटिव डिजाइनर बन सकते हैं।

क्या है ऑटोमोटिव डिजाइन?

ऑटोमोबाइल्स के अपीयरेंस और फंक्शनैलिटी को डिजाइन करने की प्रक्रिया ऑटोमोटिव डिजाइनिंग कहलाती है। इसमें कार, बाइक, ट्रक, बस आदि हर सेगमेंट के वाहन शामिल हैं। इसके तहत गाड़ियों की इंटीरियर व एक्सटीरियर डिजाइन, कलर स्कीम और शेप पर भी काम किया जाता है।

जॉब प्रोफाइल

किसी भी ऑटोमोबाइल को बनाने के लिए बेसिक आइडिया की जरूरत होती है। आइडिया जनरेशन ही ऑटोमोटिव डिजाइनर की प्रमुख जिम्मेदारी है। इंजीनियर्स और डिजाइनर्स की टीम इस आइडिया पर चर्चा करती है और फिर कॉन्सेप्ट तैयार हो जाने पर डिजाइनर्स सॉफ्टवेयर की मदद से गाड़ी का बेसिक स्केच बनाते हैं, जो 3डी होता है। इसमें वाहन की हर बेसिक डीटेल शामिल होती है। साथ ही इंटीरियर और एक्सटीरियर की कलर स्कीम की जानकारी भी देनी होती है। डिजाइन फाइनल होने के बाद गाड़ी का स्केल मॉडल बनाया जाता है।

जरूरी स्किल

ऑटोमोटिव डिजाइनर बनने की सबसे पहली शर्त तो यह है कि आपमें सड़क पर चलने वाली हर गाड़ी के लिए पैशन होना चाहिए। साथ ही आपके पास वाहनों के निर्माण और उनकी फंक्शनैलिटी के बारे में बेसिक जानकारी भी होनी चाहिए। सृजनात्मकता के साथ ही आपमें ड्रॉइंग और स्कल्पचर बनाने में रुचि भी होनी चाहिए।

कौन-से कोर्स?

इस उद्योग में करियर बनाने के लिए डिजाइनिंग में बैचलर्स की डिग्री होनी जरूरी है। आप चाहें, तो डिजाइनिंग में मास्टर्स करके अपना ज्ञान और बढ़ा सकते हैं। इससे जॉब पाने की संभावना भी बढ़ जाती है। वैसे इस उद्योग में सर्वाइवल और करियर ग्रोथ के लिए डिजाइन स्किल्स ही मायने रखती हैं। आप चाहें, तो कोर्स पूरा करने के बाद किसी कंपनी में इंटर्नशिप करके डिजाइनिंग की बारीकियां सीख सकते हैं।

भविष्य की संभावनाएं

ऑटोमोटिव डिजाइनर बड़े ऑटोमोबाइल निर्माताओं के कॉन्सेप्ट एंड डिजाइनिंग डिपार्टमेंट में काम करते हैं। अगर बात पे-पैकेज की करें, तो यह फील्ड काफी आकर्षक है। ज्यादातर कंपनियां ऑटोमोटिव डिजाइनर्स को अच्छा पैकेज देती हैं। भारत में आम तौर पर इस फील्ड में 5 लाख रुपए के वार्षिक पैकेज से शुरुआत होती है। अनुभव के साथ यह बढ़ता जाता है।

दुनिया की टॉप यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए फॉलो करें ये स्टेप

विदेश में पढ़ाई करने की चाह रखने वाले छात्रों के मन में सैकड़ों सवाल रहते हैं। ऐसे में आज हम आपको विदेश के कुछ टॉप कॉलेजों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि विदेश में पढ़ाई के लिए आप किस तरह से एडमिशन ले सकते हैं।

विदेश में पढ़ाई करने के ख्याल से छात्रों का मन रोमांच से भर जाता है। लेकिन इसके अगले पल ही विदेश में पढ़ाई के लिए आने वाली चुनौतियां और मुश्किलें सोचकर ही पसीना आने लगता है। विदेश में पढ़ाई के लिए कैसे अप्लाई किया जाए, किस कॉलेज में एडमिशन लें, किस कोर्स में एडमिशन लें और फीस कितनी होगी। विदेश में पढ़ाई करने की चाह रखने वाले छात्रों के मन में ऐसे सैकड़ों सवाल रहते हैं। ऐसे में आज हम आपको इस आर्टिकल के जरिए विदेश के कुछ टॉप कॉलेजों के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी बताएंगे कि विदेश में पढ़ाई के लिए आप किस तरह से एडमिशन ले सकते हैं।

कोर्स और यूनिवर्सिटी

अगर आपका भी विदेश में पढ़ाई का सपना है, तो सबसे पहले कोर्स तय करें। कई ऐसे कोर्स होते हैं, जिनकी काफी ज्यादा डिमांड होती है। यह कोर्स करने से आप अपने कॅरियर को नई ग्रोथ दे सकते हैं। ऐसे में इन कोर्सेज को करने से आपको फौरन नौकरी मिल सकती है। इन सारी बातों का ख्याल करते हुए एक कोर्स सेलेक्ट कर लें। कोर्स तय करने के बाद अच्छी सी यूनिवर्सिटी देख लें। जैसे कौन सी यूनिवर्सिटी अच्छी है और किस देश में स्कॉलरशिप मिल सकती है। उस यूनिवर्सिटी का प्लेसमेंट रिकॉर्ड कैसा है। इन सभी चीजों के बारे में अच्छे से जानकारी हासिल कर लें।

पढ़ाई का खर्च कैलकुलेट करें

आमतौर पर विदेश में पढ़ाई करना काफी ज्यादा महंगा होता है। इसलिए आप किसी भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेने से पहले एक बजट बनाएं। इसके बाद देखें कि आप यूनिवर्सिटी के प्रोग्राम की फीस और वहां पर रखने आदि का खर्चा फिट बैठ रहा है या नहीं। साथ ही यह भी चेक कर लें कि कितना स्टूडेंट लोन मिल पाएगा। बता दें कि कई विदेशी यूनिवर्सिटीज 100 फीसदी तक स्कॉलरशिप देती हैं।

पार्ट टाइम जॉब का स्कोप

विदेश की किसी भी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लेते समय यह देखना ना भूलें कि विदेश में पढ़ाई के साथ ही आप कितने घंटे पार्ट टाइम में काम कर सकते हैं। क्योंकि कई छात्र पढ़ाई के साथ पार्ट टाइम जॉब भी करते हैं और अपना खर्च निकाल सकते हैं। इसलिए ऐसी यूनिवर्सिटी में एडमिशन लें, जहां पर काम करने की छूट मिलती है।

डॉक्यूमेंट्स इकट्ठा करें

जब आपने कोर्स और यूनिवर्सिटी सेलेक्ट कर ली। पढ़ाई का खर्चा भी कैलकुलेट कर लिया तो अब आप अपने डॉक्यूमेंट्स एकत्र कर लें। डॉक्यूमेंट्स में आप अपना पासपोर्ट, आईडी, मोटिवेशन लेटर, एग्जाम स्कोर कार्ड, रिकमेंडेशन लेटर और स्टूडेंट वीजा आदि एकत्र कर लें। विदेश में पढ़ने की चाह रखने वाले छात्रों को एडमिशन से करीब 10-12 महीने पहले यूनिवर्सिटी और कोर्स फाइनल कर लेना चाहिए। इस दौरान अपना सीवी, बायोडाटा, एसओपी और रिकमेंडेशन लेटर आदि तैयार कर लें।

एंट्रेंस एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन

अगर आपके द्वारा सेलेक्ट किए गए कोर्सेज में एडमिशन के लिए एंट्रेंस एग्जाम होता है, तो उसके लिए अप्लाई कर दें। विदेश में पढ़ाई करने के लिए SAT, GMAT, GRE जैसे कई एप्टीट्यूड टेस्ट के अलावा लैंग्वेज प्रोफिसिएंसी के लिए भी IELTS, TOEFL, PTE जैसी परीक्षाएं पास करनी होती हैं।

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस से नावों में ब्रिटेन जाने की कोशिश के दौरान पांच लोगों की मौत

पेरिस, एजेंसी। उत्तरी फ्रांस के तट से ब्रिटेन जाने के लिए इंग्लिश चैनल को पार करने की कोशिश के दौरान कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस बात की जानकारी नहीं है कि सोमवार रात कितनी प्रवासी नौकाओं ने रवाना होने का प्रयास किया। फ्रांसीसी दैनिक ला वोइक्स डू नॉर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, अपतटीय क्षेत्र और विमेरेक्स के समुद्र तट पर एक बड़ा बचाव कार्य चल रहा है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तरी फ्रांस में कैलाइस के आसपास का क्षेत्र ब्रिटेन के लिए सबसे छोटी सीमा पार करने का जंपिंग-ऑफ पॉइंट है। फ्रांसीसी समुद्री अधिकारियों के आंकड़ों के अनुसार, 2023 में लगभग 36 हजार लोगों ने छोटी नावों में खतरनाक सीमा पार की।

किंग चार्ल्स ने ब्रिटिश भारतीय चिकित्सक को किया सम्मानित

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय ने मंगलवार को शीर्ष शाही सम्मानों के एक सेट का अनावरण किया। इसमें भारतीय मूल के ब्रिटिश चिकित्सक लॉर्ड अजय कुमार कक्कड़ और संगीतकार एंड्रयू लॉयड वेबर को उनके नए 'नाइट कम्पेनियन ऑफ द मोस्ट नोबल ऑर्डर ऑफ द गार्टर' के रूप में पदोन्नत किया गया। कक्कड़ थ्रोम्बोसिस रिसर्च इंस्टीट्यूट, किंग्स हेल्थ पार्टनर्स और द किंग्स फंड के अध्यक्ष हैं। द किंग्स फंड धर्मार्थ स्वास्थ्य संगठन है। साल 2022 में रानी एलिजाबेथ द्वितीय ने कक्कड़ को नाइट कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर नियुक्त किया था।

सेना ने हिंसक झड़प में 12 मुस्लिम विद्रोही मार गिराए

मनीला, एजेंसी। दक्षिण फिलीपीन में एक हिंसक झड़प में सैनिकों ने मुस्लिम विद्रोही गुट के कमांडर और उसके 11 सदस्यों को मार गिराया। गुट पर पहले भी बम धमाके व उगाही करने के आरोप हैं। मागुइंदानाओ डेल सुर प्रांत के एक अंदरूनी इलाके में 'बंगसामोरो इस्लामिक फ्रीडम फाइटर्स' के संदिग्ध सदस्यों के साथ एक घंटे की झड़प में सात सैनिक भी घायल हुए हैं। ब्रिगेडियर जनरल जोस व्लादिमीर कगारा ने बताया, विद्रोही गुट का एक प्रमुख कमांडर, उसका भाई और 10 अन्य संदिग्ध विद्रोही मुठभेड़ में मारे गए।

यूएस एयरबेस में घुसा मगरमच्छ

फ्लोरिडा , एजेंसी। फ्लोरिडा के यूएस एयरबेस में मगरमच्छ घुस गया। यह मगरमच्छ एक टैंकर प्लेन के टायरों के बीच देखा गया। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वाइरल हो रहा है। मगरमच्छ का पता तब चल जब टायरों की जांच करते वक्त कर्मचारियों की उसपर नजर पड़ी। काफी कोशिश के बाद भी जब मगरमच्छ नहीं हटा तो उसे निकालने के लिए स्पेशलिस्ट बुलाने पड़े। जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद मगरमच्छ को पकड़ा गया। टीम ने मगरमच्छ को पास की नदी में छोड़ दिया है।

जलवायु परिवर्तन का एशियाई देशों पर असर

जिनेवा , एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की सर्वाधिक आपदा प्रभावित क्षेत्रों को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है। इसके अनुसार, 2023 में एशिया मौसम, जलवायु और पानी संबंधी खतरों से दुनिया के सबसे अधिक आपदा प्रभावित क्षेत्रों में से एक था। भारत समेत एशिया के कई देश लू से भी प्रभावित रहे। बैंकाक में यूएन एजेंसी विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) की ओर से मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, बाढ़ और तूफान के कारण एशिया में सबसे ज्यादा मौतें हुई और आर्थिक नुकसान हुआ है। यहां लू का प्रभाव और अधिक गंभीर पाया गया। 2023 में एशिया में 80 प्रतिशत से अधिक बाढ़ और तूफान की घटनाएं हुईं। द स्टेट आफ द क्लाइमेट इन एशिया 2023 नामक रिपोर्ट के मुताबिक, गर्मी में लंबे समय तक चलने वाली लू ने दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया को प्रभावित किया। भारत में अप्रैल और जून में भीषण लू के परिणामस्वरूप लगभग 110 मौतें हुईं।

प्रेमिका अपने प्रेमी को दिन में करती थी 100 से ज्यादा कॉल, डॉक्टरों ने बताया लव ब्रेन डिसऑर्डर

बीजिंग।
प्यार को लेकर आपने कई कहानियां सुनी होंगी लेकिन चीन की ये कहानी उन कई कहानियों से बेहद अलग है। बता दें कि चीन में एक 18 वर्षीय महिला जियाओयू को अपने बॉयफ्रेंड के प्रति प्यार और जुनून इस कदर हावी हो गया है कि महिला अपने प्रेमी के बारे में सब कुछ जानना चाहती है। जैसे वह कहां है, क्या कर रहा है। इतना ही नहीं महिला अपने प्रेमी को दिन भर में एक या दो नहीं बल्कि 100 कॉल्स और मैसेज भेजती थी। अपनी प्रेमिका से परेशान होकर लड़के को पुलिस की भी मदद लेनी पड़ी। इस खबर में पढ़िए कि आखिर क्या होता है लव ब्रेन और कैसे होती है ये बीमारी?

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, जियाओयू का बिहेवियर उसके कॉलेज के पहले साल के दौरान ही शुरू हो गया था। वह कथित तौर पर अपने प्रेमी पर अत्यधिक निर्भर हो गई थी और उसका प्रेमी कहां है, क्या कर रहा है और किसके साथ है... इन सबके बारे में लगातार अपडेट चाहती थी। ये सब जानने के लिए जियाओयू अपने प्रेमी को दिन भर में 100 से ज्यादा बार फोन करती थी और मैसेज भी करती थी।

स्थिति तब बिगड़ गई जब जियाओयू ने अपने प्रेमी को एक ही दिन में 100 से अधिक बार कॉल किया और उसने कोई जवाब नहीं दिया। बॉयफ्रेंड के जवाब नहीं देने के बाद जियाओयू बहुत गुस्सा और परेशान हो गई। इस दौरान जियाओयू ने गुस्से में अपने घर का सामान भी तोड़ दिया। इस घटना के बाद जियाओयू और अपनी सुरक्षा को लेकर प्रेमी ने पुलिस को बुला लिया।

बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्ड से पीड़ित है लड़की: स्थिति तब और भयावह हो गई जब जियाओयू अपनेल घर की बालकनी से कूदने की धमकी देने लगी। इसी दौरान पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और लड़की को काबू में किया। द साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे बॉर्डरलाइन पर्सनैलिटी डिसऑर्डर का पता चला।

क्यों कहा जाता है लव ब्रेन?: लव ब्रेन किसी तरह का कोई चिकित्सीय शब्द नहीं है, लेकिन रोमांटिक रिश्तों में प्रेमी-प्रेमिकाओं के बीच इस प्रकार के जुनूनी व्यवहार को लव ब्रेन से समझ सकते हैं। जब हम हद से ज्यादा किसी को प्यार करने लग जाते हैं और उस पर निर्भर हो जाते हैं... और जब किसी का प्यार किसी दूसरे व्यक्ति पर इस कदर हावी हो जाए कि वो उसे हर समय अपने साथ देखना चाहते हो उनके साथ रहना चाहते हो तो इसे लव ब्रेन कह सकते हैं।

डॉक्टर ने खोले कई अहम राज: जिस अस्पताल में जियाओयू का इलाज किया गया था, वहां के डॉक्टर डॉ. डू ना ने बताया कि बॉर्डरलाइन व्यक्तित्व विकार कभी-कभी चिंता, अवसाद और द्विध्रुवी विकार जैसी अन्य स्थितियों के साथ भी हो सकता है। डॉ. डू ने यह भी सुझाव दिया कि ऐसी स्थितियाँ बचपन के अस्वस्थ लगाव से जुड़ी हो सकती हैं। डू ने कहा, लड़की ने अपने प्रेमी से ऐसी उम्मीद की थी कि वह उसके मैसेज और कॉल्स का तुरंत जवाब देगा।

डू ने जियाओयू की बीमारी के कारण का खुलासा नहीं किया, लेकिन कहा कि यह अक्सर उन लोगों में होता है जिनके बचपन के दौरान अपने माता-पिता के साथ स्वस्थ संबंध नहीं थे। डॉ. जू ने कहा कि कुछ मामलों में भावनात्मक प्रबंधन तकनीकों से सुधार हो सकता है। लेकिन डॉ. डू ने इस बात पर जोर दिया कि जियाओयू जैसे गंभीर मामलों में चिकित्सा हस्तक्षेपकी आवश्यकता होती है। अमरीकी हेल्थ वेबसाइट हेल्थलाइन के मुताबिक़, ऑब्सेसिव लव डिसऑर्डर एक तरह की साइकोलॉजिकल कंडीशन है जिसमें लोग किसी एक शख्स पर असामान्य रूप से मुग्ध हो जाते हैं और उन्हें लगता है कि वो उससे प्यार करते हैं। उन्हें ऐसा लगने लगता है कि उस शख्स पर सिर्फ उनका हक है और उसे भी बदले में उनसे प्यार करना चाहिए। अगर दूसरा शख्स उनसे प्यार नहीं करता है तो वो इसे स्वीकार नहीं कर पाते हैं। वो दूसरे शख्स और उसकी भावनाओं पर पूरी तरह काबू पाना चाहते हैं।

उड़ान भरने के बाद बर्फ से जमी नदी में गिरा ईंधन ले जा रहा विमान, लगी आग, सवार दो लोगों की मौत

अलास्का, एजेंसी। अलास्का के फेयरबैंक्स में उड़ान भरने के बाद एक विमान जमी हुई नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एबीसी न्यूज ने राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के हवाले से बताया कि विमान में दो लोग सवार थे। मंगलवार को डगलस सी-54 विमान जो कि ईंधन लेकर जा रहा था, वह अलास्का के फेयरबैंक्स में उड़ान भरने के बाद एक जमी हुई नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। एबीसी न्यूज ने राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड के हवाले से बताया कि विमान में दो लोग सवार थे। 91 ईंधन परिवहन विमान जो कि अलास्का एयर फ्यूल संचालित करता है, वह सुबह लगभग 10 बजे तनाना नदी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान ने फेयरबैंक्स अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। अलास्का सार्वजनिक सुरक्षा विमान के अनुसार विमान नदी के किनारे एक खाड़ी में विमान फिसल गया, उसमें यहां आग लग गई। विमान में सवार कोई भी जीवित नहीं बचा। हालांकि एनटीएसबी ने कुछ एजेंट घटनास्थल पर भेजे हैं, जो कि मामले की जांच कर रहे हैं। इस जांच में एयरपोर्ट के अधिकारियों से पूछताछ की जाएगी। इसके साथ ही एफएए भी घटना की छानबीन करेगा।

यूक्रेन ने व्यवसायों, उद्योग पर बिजली आपूर्ति प्रतिबंध लगाया

कीव, एजेंसी। यूक्रेन की सरकारी एनर्जी कंपनी उक्रेनर्गो ने कहा है कि वह रूसी मिसाइल हमलों के कारण हुई बिजली की कमी के कारण व्यवसायों और उद्योग पर बिजली आपूर्ति प्रतिबंध लगाएगी। उक्रेनर्गो ने टेलीग्राम पर एक बयान में कहा, इलेक्ट्रिसिटी लिमिटेशन कार्यक्रम शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक लागू किया जाएगा, जो महत्वपूर्ण बुनियादी सुविधाओं और रक्षा उद्यमों को प्रभावित नहीं करेगा।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य यूक्रेन के क्रिवी रिह जिले में औद्योगिक उपभोक्ताओं के लिए बिजली आपूर्ति प्रतिबंध चौबीसों घंटे लागू रहेगा।

अमेरिकी संसद में यूक्रेन-इस्राइल के लिए 95 अरब डॉलर के पैकेज को मंजूरी, बाइडन जल्द कर सकते हैं हस्ताक्षर

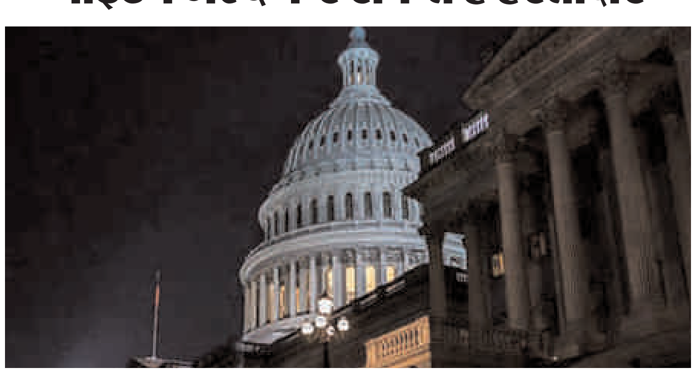

वॉशिंगटन, एजेंसी। कई महीनों के इंतजार के बाद अमेरिकी संसद के उच्च सदन-सीनेट में यूक्रेन-इस्राइल की सहायता संबंधी पैकेज को मंजूरी मिल गई। अमेरिका के उच्च सदन में मंगलवार को 79 विधायकों ने इस विधेयक के पक्ष में वोट दिया था, जबकि 18 इसके खिलाफ थे। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते यह विधेयक अमेरिकी संसद के निचले सदन-हाउज ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स में पास हुआ था। तब रिपब्लिकन नेताओं ने अचानक से अपना रुख बदल लिया और यूक्रेन, इस्राइल एवं ताइवान के लिए 95 अरब डॉलर की ज्यादातर सैन्य सहायता पर अपना समर्थन दिया। बता दें कि सीनेट ने चार विधेयकों को एक पैकेज में बदल दिया था।

इन पैकेजों में सबसे बड़ा हिस्सा 61 अरब डॉलर की सहायता यूक्रेन को प्रदान की जाएगी। इसके अलावा 26 अरब डॉलर इस्राइल और दुनिया भर के संघर्ष क्षेत्रों में नागरिकों के लिए मानवीय सहायता एवं तीसरा हिस्सा 8.12 अरब कम्युनिस्ट चीन का मुकाबला करने के लिए रखा गया है। चौथे विधेयक को सदन में पिछले हफ्ते जोड़ा गया था। इसमें चीनी नियंत्रित सोशल मीडिया एप टिकटॉक पर प्रतिबंध, जब्त की गई रूसी संपत्तियों को यूक्रेन में स्थानांनतरित करने के उपाय और ईरान पर नए प्रतिबंध शामिल हैं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने वादा किया था कि जैसे ही सदन में इसे पास किया जाएगा, वह इसपर हस्ताक्षर कर इसे कानून में बदल देंगे। दो अधिकारियों ने बताया कि बाइडन प्रशासन पहले से ही यूक्रेन के लिए एक अरब की सैन्य सहायता पैकेज तैयार कर रही है। अमेरिका के डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन नेताओं ने बताया कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य विदेशी विरोधियों को यह चेतावनी दे दी है कि अमेरिका यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। बताया गया कि नवंबर में चुनाव होने तक यूक्रेन को सहायता पैकेज की मंजूरी दी जा सकती है। बता दें कि यह राहत पैकेज अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने पेश किया था। इसके तहत यूक्रेन और इस्राइल के अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भी सहायता राशि भेजने का प्रस्ताव है।

रूसी उप रक्षा मंत्री को रिश्वत के आरोप में हिरासत में लिया गया

मॉस्को, एजेंसी। रूसी जांच समिति ने बताया कि रूस के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को बड़े पैमाने पर रिश्वत लेने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। रूसी जांच समिति ने टेलीग्राम पर कहा, रूसी संघ के उप रक्षा मंत्री तिमूर इवानोव को आपराधिक संहिता के अनुच्छेद 290 के भाग 6 (रिश्वत लेने) के तहत अपराध करने के संदेह में हिरासत में लिया गया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मामले में अधिक जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, मामले में जरूरी जांच कार्रवाई की जा रही है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि इवानोव की हिरासत के बारे में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सूचित कर दिया गया है।

गाजा में इजरायली सेना का नया कांड खुला ! अस्पताल में खुदाई से निकली 200 लाशें

गाजा, एजेंसी।
इजरायल और हमास के बीच युद्ध शुरू हुए 200 दिन से ज्यादा का वक्त हो गया है। गाजा शहर इजरायली सेना के कत्लेआम ने अमेरिका को भी भड़का रखा है। उसने उसकी एक बटालियन पर प्रतिबंधों की घोषणा की है। इस बीच गाजा में आईडीएफ का नया कांड सामने आया है। हमास अधिकारियों का आरोप है कि खान यूनिस अस्पताल में खुदाई के दौरान 200 से अधिक लाशें मिली हैं। हमास ने इजरायल पर अस्पताल को सामूहिक कब्रगाह बनाने का आरोप लगाया है। शवों की बर्बरता पर संयुक्त राष्ट्र भी भड़क गया है। उसका कहना है कि शवों में कुछ के हाथ बंधे हुए थे और कुछ के तन में कपड़े भी नहीं थे।

हमास के अधिकारियों ने दावा किया कि सैकड़ों निर्दोषों को इजरायली बलों ने मारकर अस्पताल में दफना दिया। हमास ने यहां सामूहिक कब्र होने का दावा किया है। हालांकि इजरायली सेना ने हमास के आरोपों को निराधार बताया और इस दावे को झूठा बताया है। टाइम्स ऑफ इजरायल की रिपोर्ट के मुताबिक, क्षेत्र में इजरायली बलों और हमास आतंकियों के बीच लड़ाई के बीच फिलिस्तीनियों ने खुद पहले भी शवों को उस स्थान पर दफनाया था।

इज़राइल रक्षा बलों ने हमास के आरोप को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया। आईडीएफ के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि इजरायली बंधकों की तलाश कर रहे हमारे बलों ने नासिर अस्पताल के पास फिलिस्तीनियों द्वारा पहले दफनाए गए शवों की जांच की थी और जांच के बाद शवों को वहीं रख दिया था, जहां उन्हें दफनाया गया था।

उधर, संयुक्त राष्ट्र अधिकार कार्यालय ने दावा किया है कि अस्पताल में खुदाई के दौरान बरामद कुछ शवों के हाथ बंधे हुए थे और कुछ के कपड़े उतारे हुए थे। आईडीएफ ने मामले में कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हाल के महीनों में नासिर अस्पताल के क्षेत्र में अपने ऑपरेशन के दौरान, उसके सैनिकों ने इजरायली बंधकों का पता लगाने के लिए अस्पताल के मैदान में फिलिस्तीनियों द्वारा दफनाई गई लाशों की जांच की थी।

ईरान -पाकिस्तान बैठक के बाद अमेरिका ने ईरान के साथ कारोबार को लेकर जारी की चेतावनी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के एक अधिकारी ने मंगलवार को कहा कि ईरान के साथ कारोबार करने की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति को अमेरिका की ओर से प्रतिबंध लगाए जाने के जोखिम की भी जानकारी होनी चाहिए। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने ईरान के राष्ट्रपति की पाकिस्तान की यात्रा के बारे में किए गए एक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। उन्होंने कहा, ''मैं व्यापक तौर पर यह कहना चाहता हूं कि हम ईरान के साथ कारोबार की इच्छा रखने वाले किसी भी व्यक्ति को प्रतिबंधों के संभावित जोखिम के बारे में सजग रहने की सलाह देते हैं। पाकिस्तान सरकार को अपनी विदेश नीति के बारे में बेहतर पता होगा। ईरान के राष्ट्रपति की यात्रा के दौरान पाकिस्तान और ईरान ने आठ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए और दोनों देश द्विपक्षीय व्यापार को 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने पर भी सहमत हुए। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिका ने पाकिस्तान के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में उसकी मदद करने वालों पर प्रतिबंध लगाया, जिसमें चीन की तीन कंपनी भी शामिल हैं। पटेल ने कहा, ''प्रतिबंध इसलिए लगाए गए क्योंकि ये ऐसी संस्थाएं हैं जो सामूहिक विनाश के हथियारों के उत्पादन और उनके प्रसार को बढ़ावा दे रही थीं। ये बेलारूस में पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना से जुड़ी कंपनी हैं और हमने देखा है कि इन्होंने किस प्रकार से पाकिस्तान के बैलेस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए जरूरी घटक और अन्य सामान मुहैया कराए। एक अन्य संवाददाता सम्मेलन में पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने कहा कि अमेरिका के पाकिस्तान के साथ अच्छे संबंध है। राइडर ने कहा, ''वह क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुरक्षा भागीदार है।

2023 में ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी ब्लैक समर से भी भयंकर आग, 8.40 करोड़ हेक्टेयर क्षेत्र जलकर हुआ राख

सिडनी, एजेंसी। 2023 में ऑस्ट्रेलिया को जंगल की सबसे बड़ी आग का सामना करना पड़ा। एक दशक से अधिक समय में यह जंगल की आग का सबसे बड़ा मौसम था। यह आग 2019-20 की ब्लैक समर कही जाने वाली जंगल की आग से भी आठ गुना बड़ी आग थी। चार्ल्स डार्विन विश्वविद्यालय के रोहन फिशर जो सूचना प्रौद्योगिकी विकास शोधकर्ता हैं, की एक रिपोर्ट के अनुसार ब्लैक समर ने दक्षिण-पूर्व ऑस्ट्रेलिया में एक करोड़ हेक्टेयर का क्षेत्र जला डाला था। रोहन फिशर का कहना है कि मेरे शोध से पता चलता है कि 2023 की आग ने उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में आठ करोड़ 40 लाख हेक्टेयर से अधिक रेगिस्तान और सवाना को जला दिया। यह पूरे न्यू साउथ वेल्स से बड़ा है, या यूनाइटेड किंगडम के आकार से तीन गुना अधिक है। इन आग के पैमाने को समझना कठिन है। जिस गति से ये आग फैली वह भी अविश्वसनीय थी। सितंबर और अक्टूबर के कुछ ही हफ्तों में, उत्तरी क्षेत्र और पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया के बार्कली, तनामी और ग्रेट सैंडी रेगिस्तान में एक करोड़ 80 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि जल गई। मैंने इस महीने कैनबरा में अंतर्राष्ट्रीय अग्नि व्यवहार और ईंधन सम्मेलन में 2023 की आग पर यह शोध प्रस्तुत किया। मैंने इन आग के पैमाने का वर्णन किया, वे क्यों घटित हुईं, और ऑस्ट्रेलिया के दूरस्थ लेकिन पारिस्थितिक और सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों की सुरक्षा में मदद करने के लिए आग को कैसे बेहतर ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। ऐसा क्यों हुआ?

रोहन फिशर के अनुसार आग और बारिश का गहरा संबंध है। बारिश से घास में वृद्धि होती है और जब यह सूख जाती है, तो घास आग का ईंधन बन जाती है। उदाहरण के लिए, आप अधिक वर्षा वाले वर्षों के बाद अधिक आग का पैटर्न देख सकते हैं, जो उत्तरी क्षेत्र में पिछले 20 वर्षों में आवधिक अंतराल पर दोहराया गया है।

चीन ने मालदीव के संसदीय चुनाव में शानदार जीत के लिए मुइज्जू को दी बधाई

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने मालदीव के संसदीय चुनाव में प्रंचड बहुमत हासिल करने वाली राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की पार्टी पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) को सोमवार को बधाई दी और दोनों देशों के बीच व्यापक सामरिक सहयोग साझेदारी को प्रगाढ़ बनाने की इच्छा जताई। मुइज्जू के नेतृत्व वाली पीएनसी ने रविवार को हुए चुनाव में 93 में से 68 सीट पर जीत हासिल की जबकि उसके गठबंधन सहयोगियों मालदीव नेशनल पार्टी (एमएनपी) ने एक और मालदीव डेवलपमेंट अलायंस (एमडीए) ने दो सीट जीतीं। इस तरह पीएनसी और उसके सहयोगी दलों को संसद में दो तिहाई से अधिक बहुमत हासिल हुआ है और संविधान में संशोधन का अधिकार मिल गया है। सोलिह की पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) को केवल 15 सीट पर जीत मिली है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में पीएनसी की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चीन सफल संसदीय चुनाव के लिए मालदीव को बधाई देता है और लोगों की पसंद का सम्मान करता है। उन्होंने कहा, चीन पारंपरिक मित्रता, विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान और सहयोग बढ़ाने, चीन-मालदीव व्यापक सामरिक सहयोग साझेदारी को प्रगाढ़ बनाने और दोनों देशों के लोगों को अधिक लाभ पहुंचाने के लिए अपने प्रयासों में तेजी लाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

आईआईएम लखनऊ में 2024 ईएफएमडी भारतीय संगोष्ठी भारतीय बिजनेस स्कूलों के लिए वैश्विक मान्यता का मार्ग प्रशस्त करती है

लखनऊ, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान लखनऊ 23 अप्रैल 2024 को 2024 यूरोपियन फाउंडेशन फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (ईएफएमडी) भारतीय संगोष्ठी की सफलतापूर्वक मेजबानी की गई। थीम सीमाओं से परे- ईएफएमडी वैश्विक मान्यता के माध्यम से भारतीय बिजनेस स्कूलों की दृश्यता को बढ़ाना, संगोष्ठी में वैश्विक प्रबंधन शिक्षा समुदाय के प्रतिष्ठित नेताओं और विशेषज्ञों को बुलाया गया। प्रबंधन शिक्षा और मान्यता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा और विचार-विमर्श में शामिल होना। अपने स्वागत भाषण में, आईआईएम लखनऊ की प्रभारी निदेशक प्रोफेसर अर्चना शुक्ला ने कहा।वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती प्रमुखता के बीच 2024 ईएफएमडी संगोष्ठी की मेजबानी के महत्व पर प्रकाश डाला गया।प्रो. शुक्ला ने इस विकास पथ को आगे बढ़ाने में भारतीय बिजनेस स्कूलों के महत्वपूर्ण योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने आईआईएम लखनऊ में 2024 ईएफएमडी भारतीय संगोष्ठी में चर्चा के लिए अपनी आशा व्यक्त की, जो एक महत्वपूर्ण प्रभाव पैदा करते हुए एक विविध और विश्व स्तर पर जुड़े समुदाय को बढ़ावा देने के प्रयासों को आगे बढ़ाएगा। भारतीय व्यापार परिषद की स्थापना के साथ संगोष्ठी ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की।ईएफएमडी ग्लोबल नेटवर्क एशिया के विशेष सलाहकार निशित जैन ने कार्यक्रम के दौरान जोर दिया,एक सहयोगी थिंक टैंक के रूप में कार्य करते हुए, हमारा ध्यान घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गणना के क्षेत्र में प्रगति में तेजी लाने के लिए भारत सरकार के साथ मिलकर काम करना है। यूरोपियन फाउंडेशन फॉर मैनेजमेंट डेवलपमेंट (ईएफएमडी) एक अंतरराष्ट्रीय गैर-लाभकारी संगठन और प्रबंधन विकास के क्षेत्र में यूरोप का सबसे बड़ा नेटवर्क एसोसिएशन है।

सीताराम जिंदल को राष्ट्रपति ने पद्म भूषण पुरस्कार से किया सम्मानित

नई दिल्ली एजेंसी। परोपकार और स्वास्थ्य सेवा के दूरदर्शी अग्रदूत डॉ. सीताराम जिंदल को सोमवार को नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति ने प्रतिष्ठित पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। प्रधानमंत्री और विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में यह समारोह समाज में डॉ. जिंदल के असाधारण योगदान को मान्यता देने वाला एक महत्वपूर्ण अवसर बन गया। 12 सितंबर 1932 को हरियाणा के शांत गांव नलवा में जन्मे डॉ. सीताराम जिंदल की यात्रा किसी प्रेरणा से कम नहीं है। जिंदल एल्युमीनियम लिमिटेड (जेएएल) के संस्थापक अध्यक्ष के रूप में उनकी उद्यमशीलता कौशल ने भारत की सबसे बड़े एल्युमीनियम एक्सट्रूजन निर्माता बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिंदल कारोबार से परे तक सोचते हैं। उनका योगदान एस जिंदल चैरिटेबल फाउंडेशन, कई ट्रस्टों, अस्पतालों, स्कूलों और कॉलेजों की स्थापना तक फैला हुआ है

टेस्ला प्लांट के लिए भारत को अभी करना होगा इंतजार

कंपनी सस्ती इलेक्ट्रिक कार बाहर से बनाकर देश में बेचेगी

नईदिल्ली, एजेंसी। सरकार की नई ईवी पॉलिसी के बाद टेस्ला के लिए भारतीय बाजार की राह आसान हो गई है। माना जा रहा है कि कंपनी इस साल के आखिर तक कुछ सस्ती इलेक्ट्रिक कारों के साथ भारतीय बाजार में दस्तक देगी। इस बीच, कंपनी भारत में अपना प्लांट लगाने पर भी काम कर रही है। अब टेस्ला ने कहा है कि वो इस साल के आखिर में नए और अफॉर्डेबल ई-व्हीकल बनाने के लिए अपने मौजूदा प्लांट का इस्तेमाल करेगी। ऐसे में कंपनी फ्यूचर में मैक्सिको और भारत में नए प्लांट पर जो निवेश करने वाली है उसकी संभावना कम हो गई है।

टारगेट पूरा नहीं, फिर भी शेयर में तेजी

कंपनी ने बताया कि वो नई मैन्युफैक्चरिंग लाइन में निवेश करने से पहले 2023 से लगभग 3 मिलियन व्हीकल की अपनी मौजूदा प्रोजक्शन कैपेसिटी को 50 प्रतिशत तक बढ़ाने की योजना बना रही है। कंपनी ने बताया कि इसके चलते पहले की तुलना में लागत में कमी आ सकती है। प्लांट में निवेश करने वाले निवेशकों ने भी नई फैक्ट्रियों में नए मॉडल बनाने का जोखिम ना लेने के फैसले पर खुशी जताई। इस तिमाही नतीजों में कंपनी का फाइनेंशियल टारगेट पूरा नहीं हुआ। इसके बाद भी टेस्ला के शेयर 12 प्रतिशत तक ऊपर चले गए थे।

मॉडल 2 लॉन्च करने की योजना रद्द

इवॉल्व ईटीएफ के चीफ इनवेस्टमेंट ऑफिसर इलियट जॉनसन ने कहा, मुझे लगता है कि बाजार में नई चुनौतियों को स्वीकार करते हुए अपने मौजूदा प्लांट में सस्ते प्रोडक्ट को तैयार करना पॉजिटिव कदम है। हालांकि, कंपनी अपनी योजना के साथ आगे नहीं बढ़ रही है। रॉयटर्स ने 5 अप्रैल की एक रिपोर्ट में कहा था कि टेस्ला ने अपने सस्ती इलेक्ट्रिक कार मॉडल 2 को लॉन्च करने की योजना को रद्द कर दी है। जिसे टेस्ला ने टेक्सास, मैक्सिको और एक तीसरे देश में बनाने की योजना बनाई थी। उम्मीद की गई थी कि मॉडल 2 की कीमत 25,000 डॉलर होगी। हालांकि, रॉयटर्स की रिपोर्ट पर एलन मस्क ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि रॉयटर्स झूठ बोल रहा है।

पुराने प्लांट से ही नए व्हीकल तैयार होंगे

जनवरी में मस्क ने कहा था कि टेस्ला का लक्ष्य 2025 की दूसरी छमाही में नया सस्ता मॉडल पेश करने पर है। इस मॉडल में रिवॉल्यूशनरी मैन्युफैक्चरिंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा जो टेस्ला के लिए नई राह तैयार करेगी। अब टेस्ला के इंजीनियरिंग हेड लार्स मोरावी ने मंगलवार को कहा कि नई मैन्युफैक्चरिंग प्रोसेस और प्रोडक्शन लाइनें कुछ रिस्क के साथ आती हैं। ऐसे में कंपनी ने कम लागत वाले व्हीकल को बेहतर बनाने के लिए अपने प्लांट की मेजर शिफ्ट में बदलाव किया है।

भारत की योजना पर फिलहाल चुप्पी

उम्मीद इस बात की थी कि मस्क सोमवार को भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलेंगे। वे एक छोटे और अफॉर्डेबल मॉडल के प्रोडक्शन के लिए एक ऑटो फैक्ट्री में बड़े निवेश की घोषणा करेंगे। मस्क ने पिछले साल कहा था कि टेस्ला मैक्सिको में अपना प्लांट बनाएगी, लेकिन प्लांट कब तक तैयार होगा इस बात का फैसला अर्थव्यवस्था और ब्याज दरों पर निर्भर करेगा। टेस्ला ने मेक्सिको और भारत में अपनी योजनाओं पर अभी कोई जवाब नहीं दिया।

6,000 कर्मचारियों की होगी छंटनी

टेस्ला ने फाइनेंशियल ईयर 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजों का ऐलान कर दिया। जनवरी से मार्च की इस तिमाही के दौरान कंपनी का नेट प्रॉफिट 55 प्रतिशत तक घट गया। दूसरी तरफ कंपनी ने बड़ी छंटनी का ऐलान कर दिया। कंपनी कॉस्ट कटिंग के चलते 6,000 लोगों को नौकरी से निकालने जा रही है।

गूगल ने इजरायल प्रोजेक्ट के खिलाफ धरना देने पर 20 और कर्मचारियों को निकाला

नईदिल्ली, एजेंसी। गूगल ने इजरायल प्रोजेक्ट निंबस के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन में शामिल 20 और कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया है। ये बर्खास्तगी 16 अप्रैल को न्यूयॉर्क और सनीवेल, कैलिफोर्निया में गूगल के दफ्तरों में प्रदर्शनों के बाद हुई। टेक दिग्गज ने पिछले सप्ताह भी ऐसे ही एक मामले में अपने 28 कर्मियों को नौकरी से निकाला था। एक रिपोर्ट के अनुसार विरोध-प्रदर्शन करने के लिए निकाले गए कर्मचारियों की कुल संख्या अब लगभग 50 हो गई है। गूगल के सुरक्षा प्रमुख क्रिस रैको ने प्रदर्शनों की निंदा करते हुए कहा, यह व्यवहार अस्वीकार्य और विघटनकारी है। इससे सहकर्मियों को खतरा महसूस हुआ। यह बर्खास्तगी अमेरिकी संस्थाओं और इजरायल सरकार के बीच सहयोग के खिलाफ व्यापक विरोध के बीच हुई है। फिलिस्तीनी समर्थक प्रदर्शनों ने परिसरों को हिलाकर रख दिया है, जबकि गूगल के धरने से एक दिन पहले कार्यकर्ताओं ने गाजा में युद्ध का विरोध करने के लिए ट्रांसपोटेशन हब को ही ब्लॉक कर दिया। एक्टिविस्ट ग्रुप नो टेक फॉर रंगभेद के प्रवक्ता जेन चुंग ने कहा, निगम असहमति को कुचलने, अपने कर्मचारियों को चुप कराने और उन पर अपने पावर फिर से जताने का प्रयास कर रहा है।

बंपर मुनाफे के बाद साइएंट डीएलएम के शेयर 13 प्रतिशत से अधिक उछले

नईदिल्ली, एजेंसी। साइएंट डीएलएम शेयर 687.35 पिछले बंद भाव के मुकाबले 736 पर खुले और जल्द ही बीएसई पर 13.4 प्रतिशत बढ़कर 779.55 के स्तर पर पहुंच गए। सुबह 10:10 बजे के करीब शेयर की कीमत 5.10 प्रतिशत बढ़कर 722.40 रह गई। शेयरों में तेजी की वजह कंपनी के नतीजे रहे। मार्च तिमाही में समेकित शुद्ध लाभ साल-दर-साल 80.7 प्रतिशत बढ़कर 22.7 करोड़ हो गया। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 12.6 करोड़ रुपये था। इसके बावजूद ब्रोकरेज फर्म जेएम फाइनेंशियल ने स्टॉक पर खरीदारी की सलाह बरकरार रखी, लेकिन लक्ष्य मूल्य को पहले के 925 से घटाकर 887 कर दिया। मंगलवार को बाजार बंद होने के बाद कंपनी ने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष 24 की मार्च तिमाही के लिए उसका परिचालन से राजस्व 362 करोड़ रहा, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही के 277.4 करोड़ से 30 प्रतिशत अधिक है। पूरे वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए कंपनी का राजस्व 1,192 करोड़ रहा। इसमें सालाना आधार पर 43.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि वर्ष के लिए पीएटी (टैक्स के बाद प्रॉफिट) 92.9 प्रतिशत बढ़कर 61.2 करोड़ हो गया। साइएंट शेयर की कीमत इस साल 26 फरवरी को अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 882.90 पर और पिछले साल 10 जुलाई को अपने 52सप्ताह के निचले स्तर 401 पर पहुंच थी।

नेस्ले इंडिया के 'बायोडाइजेस्टर प्रोजेक्ट' ने डेयरी किसानों के लिये स्थायी भविष्य का रास्ता दिखाया

मुंबई, एजेंसी। नेस्ले इंडिया 'बायोडाइजेस्टर प्रोजेक्ट' के साथ जिम्मेदारी से सोर्सिंग करने और डेयरी फार्म्स से होने वाले उत्सर्जन को कम करने के लिये अपनी अटूट प्रतिबद्धता दिखा रही है। बायोडाइजेस्टर टेक्नोलॉजी पशुओं से मिलने वाली खाद को शुद्ध बायोगैस में बदल देती है और इस प्रकार डेयरी फार्म्स का कार्बन फुटप्रिंट कम हो जाता है। बचे हुए घोल का इस्तेमाल प्राकृतिक उर्वरक के रूप में होता है और इससे कृषि की पुनरुत्पादक पद्धति में योगदान मिलता है। इस पहल के तहत नेस्ले इंडिया पंजाब और हरियाणा के 24 जिलों में लगभग 70 बड़े बायोडाइजेस्टर्स और 3000 से ज्यादा छोटे बायोडाइजेस्टर्स स्थापित करने की प्रक्रिया में है।

छोटे डेयरी फार्म्स में पशुओं से मिलने वाली खाद को खुला छोड़ दिया जाता है और इससे जीएचजी का उत्सर्जन होता है। इस खाद को बायोडाइजेस्टर्स में डालने से उसका माइक्रोबियल ब्रेकडाउन होता है और बायोगैस बनती है। छोटे बायोडाइजेस्टर्स जो बायोगैस बनाते हैं, वह एलपीजी और ईंधन की लकड़ी की जगह ले सकती है। इससे किसानों की सेहत को धुएं से होने वाला खतरा कम होगा और उन्हें आर्थिक लाभ भी होगा। इन फायदों के अलावा,बड़े बायोडाइजेस्टर्स 100त्न नवीकरण योग्य बिजली भी बना सकते हैं और इससे पर्यावरण पर सकारात्मक प्रभाव होगा। बायोडाइजेस्टर्स की बची हुई खाद को जैव उर्वरक में बदलकर खेतों और किचन गार्डन्स में इस्तेमाल किया जाता है।

एराया लाइफस्पेसेज़ लिमिटेड ने लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टी और कमर्शियल रिटेल स्पेसज़ का अधिग्रहण किया

नई दिल्ली एजेंसी। एराया लाइफस्पेसेज़ लिमिटेड (बीएसई 531035) अपने हॉस्पिटैलिटी बिज़नेस में हो रहे डेवलपमेंट को अपडेट करते हुए प्रसन्न व्यक्त करते है (द्व) कंपनी ने लगभग 30 मिलियन रुपये के इन्वेस्टमेंट के साथ लोनावाला में लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टी का अधिग्रहण, और (द्वद्व) कमर्शियल रिटेल स्पेसज़ का अधिग्रहण भारत के सबसे संपन्न राज्य पंजाब के दिल, चंडीगढ़ की सैटेलाइट सिटी, मोहाली में अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित सबसे बड़े मॉल में लगभग 470 मिलियन रुपये के इन्वेस्टमेंट के साथ किया, जो अपने हॉस्पिटैलिटी बिज़नेस के विस्तार के लिए अपने स्ट्रॉन्ग कमिटमेंट को दर्शाते हुए विकास की संभावना वाले बिज़नेस एरियाज़ में अपने पोर्टफोलियो में विविधता ला रहा है।

एराया लाइफस्पेसेज़ अपने डिज़ाइनर, लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टीज़ के लिए स्थानों के चयन, तेजी से बढ़ते इत्मीनान युक्त टूरिज़्म मार्केट की गहन समझ और जल्दी समझने वाले ट्रैवलर्स की जरूरतों को पूरा करने हेतु एक स्ट्रेटिजिक अप्रोच को दर्शाता है।

डेस्टिनेशन लोनावाला

पश्चिमी घाट की हरी-भरी हरियाली के बीच और मुंबई और पुणे जैसे प्रमुख शहरी केंद्रों के पास सुविधाजनक स्थान पर स्थित, लोनावाला वीकेन्ड की छुट्टियों और अवकाश ट्रिप्स के लिए एक पॉप्युलर डेस्टिनेशन है। शांत वातावरण, सुखद जलवायु और मनोरंजक गतिविधियों की रेंज इसे लग्ज़री स्टेकेशन प्रॉपर्टीज़ के लिए एक आदर्श स्थान बनाती है। पूर्वकालीन स्थान पर स्थित लग्ज़री कॉटेज में एराया लाइफस्पेस का इन्वेस्टमेंट इसे अर्बन निवासियों की डिमांड पूरा करने की अनुमति देता है जो दूर की यात्रा किए बिना शहर के जीवन से एक शानदार छुट्टी बिताना चाहते हैं।

यह सुनिश्चित करके कि लोनावला में उसकी बुटीक स्टेकेशन प्रॉपर्टी करंट मिड ईयर तक तैयार होकर शुरू हो जाएगी, एराया लाइफस्पेसेज़ इक्सेप्शनल डेस्टिनेशंस का पता लगाने हेतु उत्सुक यात्रियों की मांगों को पूरा करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करती है। चाहे गेस्ट्स प्रकृति के बीच एक शांत विश्राम की तलाश में हों या एक आरामदायक शहरी पलायन की, एराया लाइफस्पेसेज़ की संपत्तियों को उनकी प्राथमिकताओं और इच्छाओं के अनुरूप अनफॉरगेटेबल एक्सपीरियंस देने के लिए डिज़ाइन किया जाएगा। भारत में हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री का मार्केट साइज़ 2024 में 247.31 बिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है, और 2029 तक 475.37 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पूर्वानुमानित अवधि (2024-2029) के दौरान 13.96त्न की सीएजीआर से बढ़ रहा है।

कमर्शियल और रिटेल स्पेसज़ में एराया लाइफस्पेसेज़ का इन्वेस्टमेंट 17,415 स्क्वेयर फीट का अधिग्रहण करना है, जिसमें पंजाब के मोहाली में सबसे बड़े मॉल द सीपी 67 मॉल के प्रमुख स्थानों को हल्दीराम, बर्गर किंग, डोमिनोज, पिज्जाहट और भी बहुत कुछ सहित प्रतिष्ठित डोमेस्टिक और अंतर्राष्ट्रीय क्यूएसआर चेन/ ब्रांड्स को लीज़ पर देने की तैयारी है। ये क्यूएसआर ब्रांड मॉल और अन्य रिटेल एनवायरनमेंट में विज़िटर्स के लिए ओवरऑल शॉपिंग और डाइनिंग एक्सपीरियंस का एक अभिन्न अंग बनने के लिए विकसित हुए हैं।

एक्सिस बैंक फाउंडेशन ने मध्यप्रदेश में वहनीय आजीविका हासिल करने में कर रहा है मदद

एक्सिस बैंक फाउंडेशन की समाज प्रगति सहयोग के साथ साझेदारी के माध्यम से 100,000 से अधिक परिवार सशक्त हुए

मुंबई, एजेंसी। एक्सिस बैंक फाउंडेशन (एबीएफ) ने इस साल पृथ्वी दिवस पर, समाज प्रगति सहयोग (एसपीएस) के साथ भागीदारी में, मध्य प्रदेश में वहनीय सामुदायिक विकास और आजीविका को बढ़ावा देने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। एबीएफ और एसपीएस ने 2011 से महिलाओं के नेतृत्व वाले समूहों को सशक्त बनाने और घरेलू आय में सुधार पर ध्यान देने के साथ, मध्य प्रदेश के देवास और खरगोन जिलों में 100,000 से अधिक ग्रामीण परिवारों के लिए पारिस्थितिक और आर्थिक लचीलेपन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

इस कार्यक्रम के तहत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन - मृदा स्वास्थ्य, जल संरक्षण, वहनीय कृषि पद्धतियों और घरेलू आय में सुधार के लिए स्थानीय संस्थानों को मज़बूत करने के साथ-साथ फसलों के विविधीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। यह साझेदारी लक्षित पहलों के माध्यम से सूखा से प्रभावित होने वाले क्षेत्र की गंभीर चुनौतियों का समाधान करती है, जो वहनीय कृषि, वाटरशेड के विकास और डिजिटल साक्षरता बढ़ाने पर केंद्रित है। वहनीय आजीविका कार्यक्रम के तहत न केवल सामुदाय की क्षमता बढ़ाई गई, बल्कि सचेत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रथाओं के माध्यम से पूरे साल पानी की उपलब्धता और मिट्टी की गुणवत्ता में भी सुधार किया गया। एक्सिस बैंक फाउंडेशन की कार्यकारी ट्रस्टी और मुख्य कार्यकारी, ध्रुवी शाह ने इस पहल पर अपनी टिप्पणी में कहा, दीर्घकालिक लचीलेपन को बढ़ावा देने के लिए समर्पित, समाज प्रगति सहयोग के साथ हमारा गठजोड़, मध्य प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलने में सहायक रहा है। हमारे गठजोड़ और साझेदारी का लक्ष्य है, आत्मनिर्भरता पैदा करना। एसपीएस के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से, हम इस साल पृथ्वी दिवस पर वंचित समुदायों तक पहुंचने और समुदायों, गैर-लाभकारी संगठनों तथा सरकार को एकजुट कर उनका समर्थन करने के अपने मिशन की दिशा में काम करना चाहते हैं। हम वहनीय विकास और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त करने के लक्ष्य के साथ पर्यावरण और लोग दोनों के पोषण के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टाटा मोटर्स ने मैजिक के खुशहाल ग्राहकों की संख्या 4 लाख पहुंचने की उपलब्धि हासिल की

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कॉमर्शियल वाहनों के निर्माता, टाटा मोटर्स ने भारत की सबसे पसंदीदा टाटा मैजिक वैन के खुशहाल ग्राहकों की संख्या 4 लाख पहुंचने की उपलब्धि हासिल की है। इस महत्वपूर्ण अवसर पर, कंपनी ने अपने उपभोक्ताओं की सहूलियत को और बढ़ाने के लिए नया वैरिएंट मैजिक बाई-फ्यूल भी लॉन्च किया।अंतिम गंतव्य तक परिवहन की सुविधा प्रदान करने में विश्वसनीय, दक्ष और किफायती होने के लिए मशहूर, 10 सीटर टाटा मैटिक यात्रियों और ऑपरेटर्स के लिए एकदम उपयुक्त पसंद है।टाटा मैजिक की स्लीक डिजाइन, सुरक्षा और यात्रियों का आराम पिछले इतने सालों से जारी इसकी निरंतर सफलता के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।

इंडस ऐपस्टोर ने 10 भारतीय भाषाओं में वॉयस सर्च फीचर लॉन्च किया

बेंगलुरु, एजेंसी। भारत के स्वदेशी ऐप मार्केटप्लेस, फोनपे के इंडस ऐपस्टोर ने आज यह घोषणा की है कि उनका वॉयस सर्च फीचर अब अंग्रेज़ी के अलावा 10 भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध होगा। यह इनोवेटिव फीचर यूज़र के अनुभव में सुधार लाता है, जिससे यूज़र अपनी पसंद की भाषा में वॉयस सर्च से ऐप्स ढूंढ सकते हैं। वॉयस सर्च टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम का उपयोग करती है। वॉयस सर्च विभिन्न प्रकार के उच्चारणों और स्पीच पैटर्न को समझ लेता है, जिससे सर्च के उचित परिणाम मिलते हैं। भारत में इंटरनेट चलाने वालों में करीब 75 प्रतिशत लोग अपनी स्थानीय भाषा बोलते हैं। इस आंकड़ें से पता चलता है कि ऐप्स खोजने और उनका इस्तेमाल करने में आने वाली भाषा संबंधी बाधाओं को दूर करना कितना ज़रूरी है। क्षेत्रीय भाषाओं में पारंपरिक टेक्स्ट आधारित खोज में कई तरह की मुश्किलें होती हैं, जैसे विशेष कीबोर्ड की ज़रूरत और मुश्किल अक्षर लिखना। इससे आसानी से संचार नहीं हो पाता है। इंडस ऐपस्टोर की वॉयस सर्च टेक्नोलॉजी से यूज़र को बेहतरीन अनुभव मिलता है। इससे वे आसानी से वॉयस सर्च बटन को टैप करके अपनी स्थानीय भाषा में पसंदीदा ऐप को खोज सकते हैं। यह इंडस ऐपस्टोर मिशन के साथ जुड़ा हुआ है, जो सभी लोगों को शामिल करने और आसानी से इस्तेमाल किए जा सकने वाले फीचर के माध्यम से यूज़र को सशक्त बनाना है। यह विभिन्न साक्षरता स्तरों और अपनी पसंद की भाषा के अनुसार काम करता है। इसके अलावा, यह नया फीचर, ऐप डेवलपर्स के लिए भी फायदेमंद है, क्योंकि इससे ऐप इंस्टॉल करने की संख्या को बढ़ाने में भी मदद करता है। लॉन्च पर बोलते हुए, इंडस ऐपस्टोर के सह-संस्थापक और सीपीओ आकाश डोंगरे ने कहा, नए वॉयस सर्च फीचर के ज़रिए हमने सभी प्रकार के लोगो के लिए और आसानी से इस्तेमाल किए जाने वाले ऐप स्टोर को बनाने का प्रयास किया है। 82त्न स्मार्टफोन यूज़र वॉयस-एक्टिवेटिड टेक्नॉलॉजी इस्तेमाल कर रहे हैं, और भारतीय भाषाओं को शामिल करने से छह- से साठ वर्ष के सभी आयु वर्ग के लोगों में टेक्नॉलॉजी का इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ा है।

सुप्रीम कोर्ट ने राखी सावंत को सरेंडर करने का दिया आदेश

जेल जा सकती है राखी

राखी सावंत और आदिल दुर्रानी अलग जरूर हो गए हैं मगर उनके बीच की कानूनी लड़ाई अभी भी चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में राखी सावंत को 4 हफ्ते के अंदर सरेंडर करने का आदेश दिया है, इस फैसले से आदिल बहुत खुश हैं।

राखी के अरेस्ट होने वाली खबर पर वीडियो शेयर करके आदिल दुर्रानी ने खुशी जाहिर की है। कथित तौर पर राखी सावंत की जमानत याचिका पर सुनवाई उनके सरेंडर होने के बाद होगी। राखी सावंत इस वक्त दुबई में हैं।

राखी सावंत को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जब फैसला सुनाया तो आदिल दुर्रानी ने वीडियो शेयर करते हुए कहा, आज मैं बहुत ही ज्यादा खुश हूं। खुशी की वजह ये है कि सुप्रीम कोर्ट ने राखी की बेल रिजेक्ट कर दी है और ऑर्डर पास किया है कि चार हफ्ते के अंदर आपको आकर सरेंडर करना पड़ेगा तब जाकर आपकी जमानत याचिका पर सुनवाई होगी। तब तक आपको बेल नहीं मिलेगी। आदिल ने आगे कहा कि इसका मतलब आपको जेल जाना पड़ेगा उसके बाद आपको बेल मिलेगी। मैं इतना ज्यादा खुश हूं, मैं चिल्ला चिल्लाकर कहता था कि संविधान में लड़कों के लिए बहुत मुश्किल है न्याय पाना, लेकिन अगर आप सच्चे हो तो आपको न्याय जरूर मिलेगा। सत्यमेव जयते, भारतीय होने पर गर्व है।

फरार हैं राखी ?

मार्च में आदिल खान दुर्रानी ने दावा किया था कि राखी सावंत दुबई में हैं। आदिल ने बताया था कि उन्होंने राखी के खिलाफ कई एफआईआरदर्ज कराई है। आदिल ने बताया कि राखी सावंत दुबई फरार हैं क्योंकि उसको बेल नहीं मिल रही है, वो साढ़े चार महीने से भारत से बाहर है।

कास्टिंग काउच पर छलका मनीषा रानी का दर्द

'उसने मुझे रात को 3 बजे बुलाया'

बिग बॉस ओटीटी 2' में सेकंड रनर रही मनीषा रानी अपने चुलबुले अंदाज के लिए जानी जाती हैं। मनीषा ने भले ही बिग बॉस की ट्रॉफी ना जीती हो लेकिन उन्होंने करोड़ों लोगों का दिल जीत लिया। एक्ट्रेस आए दिन किसी ना किसी कारण से चर्चा में बनी रहती हैं। उन्होंने हाल ही में अपनी स्टार्टिंग जर्नी को लेकर खुलासा किया है, जिसमें मनीषा ने कास्टिंग काउच को लेकर बात की है।

एक मीडिया पोर्टल से बात करते हुए मनीषा ने बताया कि कैसे एक शख्स ने उन्हें बिग बॉस में भेजने का वादा करके रात 3 बजे मिलने के लिए बुलाया था।

कास्टिंग काउच पर छलका मनीषा रानी का दर्द

मनीषा रानी ने बताया कि एक बार उन्हें अजीब परिस्थिति का सामना करना पड़ा था। मनीषा का बिग बॉस में शामिल होने का हमेशा से ही सपना था। वह पूरी कोशिश कर रही थीं कि उन्हें सलमान खान के शो में एक मौका मिले। इसी दौरान उनकी मुलाकात एक आदमी से हुई। जिसने उन्हें कहा कि वो बिग बॉस की टीम का हिस्सा है। दरअसल मनीषा इस आदमी से उन लोगों के जरिए मिली थीं, जिन्हें वो जानती थीं। इसलिए मनीषा ने उसकी बातों पर विश्वास किया। और उसके साथ अपना नंबर भी शेयर किया। मनीषा ने उसके साथ कई डांस वीडिओ भी शेयर किए। एक्ट्रेस ने बताया कि उस शख्स ने उन्हें बिग बॉस में भेजने का आश्वासन भी दिया था।

उसने मुझे मुंबई बुलाया

झलक दिखला जा 11 की विनर ने आगे कहा कि हम एक बार बिहार में थे, 4-5 दिनों के लिए घर गए हुए थे। तो उस टाइम पर उसका फोन आया और उसने हमसे कहा कि तुमको कलर्स पे नहीं जाना है, बिग बॉस नहीं करना है, घर जाकर बैठ गयी हो, तुम अभी मुंबई आजाओ। उसके लिए हम स्पेशली टिकट लेकर मुंबई आए कि मेरा तो बिग बॉस होने वाला है।

रात 3 बजे किया कॉल

मनीषा ने आगे कहा कि वह हमें अलग-अलग जगहों पर मिलने के लिए कहता था, जिसकी वजह से मुझे थोड़ा संदेह हुआ।

एक बार तो उसने मुझे रात को 3 बजे फोन करके बोला कि हमारे घर आ जाओ। तो हमने कहा कि हम घर तो नहीं आएंगे। तो वह चिल्लाया और कई गंदी बातें कहीं जिससे मैं रोने लगी और फिर मैंने उसे ब्लॉक कर दिया।

अपनी अपकमिंग फिल्म के साथ

यश करेंगे दर्शकों का मनोरंजन

रॉकिंग स्टार यश, विशेष रूप से एक्शन-थ्रिलर फ्रेंचाइजी केजीएफ में उनके प्रदर्शन और उनके रोल रॉकी भाई के लिए जाने जाते हैं। केजीएफ बड़ी भारतीय फिल्मों में से एक बनी हुई है। यश इस सफलता के पीछे दूरदर्शी शक्ति के रूप में खड़ा है, जिसने इस मनोरंजक कहानी को पूरे भारत में पहुंचाया और दोनों किस्तों की भारी सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। हमेशा महत्वाकांक्षी यश भारतीय सिनेमा को वैश्विक मंच पर लाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। 2014 से अपनी फिल्मों में एक रचनात्मक निर्माता, वह अब वेंकट के नारायण के केवीएन प्रोडक्शंस के साथ अपने अगले दो बहुप्रतीक्षित उद्यम- टॉक्सिक- ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स और रामायण का सह-निर्माण करके अपनी भागीदारी को एक कदम आगे ले जा रहे हैं। नमित मल्होत्रा का प्राइम फोकस स्टूडियो। इन फिल्मों को वैश्विक दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है, जो अभिनेता और निर्माता दोनों के रूप में यश के लिए एक नया अध्याय है। जो चीज़ वास्तव में टॉक्सिक और रामायण को अलग करती है, वह है उनका पैमाना- विशाल बजट, भव्य मनोरंजन, फिर भी आश्चर्यजनक रूप से भिन्न दृष्टिकोण। प्रत्येक फिल्म बुद्धिमान संकल्पना का दावा करती है, जो दर्शकों को किसी अन्य के विपरीत मनोरम अनुभव का वादा करती है।

तापसी और रकुल की शादी मेरे लिए काफी भावुक पल था: लक्ष्मी मांचू

तापसी ने 23 मार्च को उदयपुर में अपने लॉन्ग टाइम ब्वॉयफ्रेंड मैथियास बो के साथ शादी की, जबकि रकुल ने 21 फरवरी को गोवा में एक्टर-प्रोड्यूसर जैकी भगनानी के साथ सात फेरे लिए। करते हुए लक्ष्मी ने बताया कि उन्होंने अपनी दोस्त तापसी और रकुल की शादी में दुल्हन की सहेली की भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा, मेरे पास दुल्हन की सहेली की बड़ी जिम्मेदारी थी। रकुल को सेट पर रहना ज्यादा पसंद था। रकुल चाहती थी कि हर कोई समय पर आए, समय पर वहां पहुंचे और समय से तैयार रहे। मुझे लगता है कि वह इसको लेकर काफी गंभीर थी।

इसके बाद 46 वर्षीय एक्ट्रेस ने तापसी की शादी के बारे में बात करते हुए इसे कूल बताया।

तापसी बिल्कुल ऐसी है, शांत। जब तुम्हें वहां आना हो तो आ जाओ। इसलिए उन दोनों के साथ यह बिल्कुल अलग था। एक्ट्रेस ने कहा कि उनकी शादियों को देखना उनके लिए इमोशनल मोमेंट था। लक्ष्मी ने कहा, उन दोनों की शादी मेरे लिए बहुत इमोशनल मोमेंट था, क्योंकि हमारी दोस्ती 10 सालों से भी ज्यादा समय की है। उन्हें न केवल अपने करियर के साथ, बल्कि अपनी पर्सनल लाइफ के साथ भी पूरी तरह से जुड़ते हुए देखना, मेरा लिए बेहद खास था। मैं बस इतना ही कह सकती हूं।

भंसाली ने हीरामंडी पर पानी की तरह बहाया पैसा

संजय लीला भंसाली इन दिनों अपने ड्रीम प्रोजेक्ट हीरामंडी को लेकर खबरों में बने हुए हैं। 1940 के दशक की कोठा प्रथा को दिखाती ये सीरीज अगले हफ्ते प्रीमियर होने वाली है। सीरीज में अब तक की सबसे शानदार कास्ट के साथ सबसे बड़ा सेट दिखाया गया है। ये सेट जिसे बनाने में 700 कारीगरों की मेहनत और कई महीने लगे। अब इस आलीशान सेट को स्क्रीन पर देखा जा सकेगा। संजय लीला भंसाली जितनी मेहनत अपनी स्क्रिप्ट पर करते हैं उससे कई ज्यादा वक़्त वो सेट के डिज़ाइन, एक्टर्स के लुक और उनके पहनावे को तैयार करवाने लगाते हैं। उनका विजन सिर्फ स्क्रिप्ट को एक्टिंग के जरिये ऑडियंस तक पेश करना नहीं होता। बल्कि वो पूरा सीन वैसे ही क्रिएट करने की कोशिश करते हैं जैसा उस वक़्त रहा होगा। उनकी पिछली फिल्मों जैसे देवदास, बाजीराव मस्तानी,

700 कारीगरों ने तैयार किया सेट

राम लीला, गंगूबाई काठियावाड़ी और पद्मावत में ग्रैंड सेट देखने को मिले हैं। लेकिन हीरामंडी के लिए डायरेक्टर ने अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। हीरामंडी के लिए डायरेक्टर ने एक ऐसा सेट बनाया था जो भुलाया नहीं जा सकता है।

हाल में दिए एक इंटरव्यू में संजय लीला भंसाली ने हीरामंडी के ग्रैंड सेट के बारे में बात की। डायरेक्टर ने कहा 'मैं हमेशा अपने काम में खो जाना चाहता था। यह अब तक का मेरा सबसे बड़ा सेट है। ऐसा लगता है कि मैं जो सोच सकता था, उससे कहीं आगे निकल गया हूं। मैं फ़िल्में बनाते हुए और ज़्यादा एंजॉय कर रहा हूं और समझ रहा हूं। मुझे बड़े सेट बनाना पसंद है, लेकिन मैं सब कुछ कंट्रोल नहीं करना चाहता। मैंने बड़ा सेट तैयार कर दिया है, लेकिन ऑडियंस वही देखेगी जो वो चाहती है। कभी-कभी लोग कहते हैं कि देखने के लिए बहुत कुछ है, और वे सीन के जरूरी हिस्सों को मिस कर देते हैं।' ऐसे में अब संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाज़ार का इंतजार बढ़ गया है।

कृष्णा अभिषेक की बीवी कश्मीरा ने गोविंदा को कहा अपना ससुर!

बोलीं- आरती की शादी में पैर छूकर आशीर्वाद लूंगी

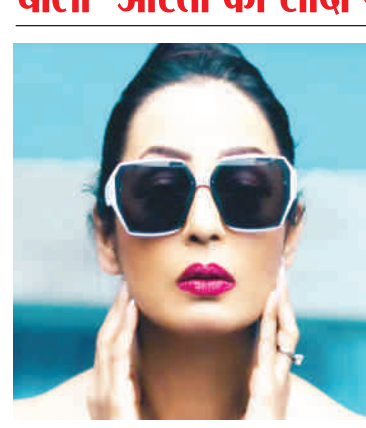

गोविंदा की भांजी और कॉमेडिन-एक्टर कृष्णा अभिषेक की बहन आरती सिंह जल्द ही सात फेरे लेने वाली हैं। इस शादी में सबसे ज्यादा चर्चा इस बात की हो रही है कि क्या गोविंदा इस फंक्शन में शामिल होंगे! इस बीच कश्मीरा शाह ने गोविंदा को अपना ससुर बताया है।

टीवी एक्ट्रेस और बिग बॉस 13 की कंटेस्टेंट आरती सिंह अपनी जिंदगी का नया चैप्टर शुरू करने जा रही हैं। उनकी शादी होने वाली है। हल्दी सेरेमनी हो चुकी है और 25 अप्रैल को नवी मुंबई बेस्ड बिजनेसमैन दीपक चौहान संग सात फेरे लेंगी। आरती और दीपक की शादी बहुत ठाठ-बाट से नहीं हो रही है। उन्होंने स्पेशल दिन के लिए एक खास जगह को चुना है। दोनों इस्कॉन मंदिर में सात फेरे लेंगे।

इस दौरान आरती के करीबी, उनका भाई कृष्णा अभिषेक, उनकी वाइफ कश्मीरा शाह और मामा गोविंदा भी शामिल होंगे। कश्मीर ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा कि वो आरती की शादी में गोविंदा के आने की उम्मीद है और वो अपने ससुर से मिलने के लिए एक्साइटेड हैं। कृष्णा अभिषेक के बीच जुबानी जंग हुई थी। इस जंग में कृष्णा की बीवी कश्मीरा और गोविंदा की वाइफ सुनीता भी कूद गई थीं, जिसके बाद ये विवाद और ज्यादा बढ़ गया और इसके बाद परिवार में दरार आ गई।

नोरा का पैपराजी पर फूटा गुस्सा

बॉलीवुड अभिनेत्रियों के शरीर पर बेवजह फोकस करने को लेकर नोरा फतेही ने पैपराजी की जमकर निंदा की है। पिछले कुछ दिनों में कई अभिनेत्रियों ने पैपराजी की इस हरकत को लेकर नाराजगी जताई है।

इन दिनों बॉलीवुड सितारों की हर गतिविधि को पैपराजी कवर करते हैं। उनकी तस्वीरें और वीडियो निकालते हैं। पैपराजी के साथ सितारों की बातचीत भी सोशल मीडिया पर खूब वायरल होती है। कभी-कभी पैपराजी उनकी कुछ प्राइवेट तस्वीरों और वीडियोज को भी सोशल मीडिया पर साझा कर देते हैं। हाल ही में, कई अभिनेत्रियों ने पैपराजी के उनके शरीर के कई अंगों पर कैमरा फोकस करने को लेकर निंदा की है।

-साभार एजेंसी

शिवम दुबे ने तोड़ डाला एमएस धोनी का रिकॉर्ड

सीएसके के लिए तूफान की गति से बनाए 1000 रन

चैन्नई, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स यानी सीएसके के बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग यानी आईपीएल में फ्रेंचाइजी के साथ अपने 1000 रन पूरे कर लिए हैं।

पांच बार की चैंपियन टीम चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका सफर अच्छा रहा है। वे इस फ्रेंचाइजी के साथ एक बेहतर क्रिकेटर बन गए हैं। शिवम दुबे ने चेपॉक स्टेडियम में लखनऊ सुपर जाएंट्स यानी एलएसजी के खिलाफ अपनी ताबड़तोड़ 66 रनों की पारी के दौरान यह उपलब्धि दर्ज की। उन्होंने धोनी का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है। शिवम दुबे इस समय आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 के लिए अपनी दावेदारी मजबूती के साथ पेश कर रहे हैं।

शिवम दुबे ने लखनऊ सुपर जाएंट्स के खिलाफ 27 गेंदों में 66 रनों की तूफानी पारी खेली। इस पारी में उनके बल्ले से सिर्फ तीन चौके निकले, लेकिन उन्होंने सात छक्के लगाए। 244.44 के स्ट्राइक रेट से उन्होंने बल्लेबाजी की, लेकिन टीम को हार का सामना करना पड़ा। शिवम दुबे अब उन चुनिंदा खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने सीएसके के लिए 1000 या इससे ज्यादा रन बनाए हैं। 35 मैचों की 33 पारियों में उन्होंने इस उपलब्धि को अपने नाम किया है। वे 2022 में हुए मेगा ऑक्शन के दौरान टीम से जुड़े थे। इसके बाद से 37.70 के औसत और 161.08 के स्ट्राइक रेट से 1018 रन बना चुके हैं।

वे इससे पहले रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेल चुके हैं, लेकिन वहां उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं था। आरसीबी के लिए वे 15 मैचों में 169 रन और आरआर के लिए 9 मैचों में 230 रन बनाने में सफल हुए थे। इस फ्रेंचाइजी के लिए सिर्फ 14 ही खिलाड़ी अभी तक 1000 या इससे ज्यादा रन बनाने में सफल हुए हैं, लेकिन उन सभी में शिवम दुबे का स्ट्राइक रेट सभी से ज्यादा है। यहां तक कि किसी ने 140 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1000 रन नहीं बनाए हैं। धोनी का स्ट्राइक रेट 138.98 का है, जबकि सुरेश रैना ने 138.91 के स्ट्राइक रेट से 1000 रन पूरे किए थे।

मार्कस स्टोइनिस ने रचा इतिहास

चैन्नई, एजेंसी। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस के बल्ले ने अकेले दम ऐसा तूफान खड़ा किया कि चेन्नई सुपरकिंग्स के अनुभवी गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ गईं। स्टोइनिस ने सिर्फ 63 बॉल में 124 रनों की धुआंधार अविजित पारी के दम पर लखनऊ को चेन्नई के होम ग्राउंड पर उसके खिलाफ छह विकेट से जोरदार जीत दिला दी। इसके पहले लखनऊ ने अपने होम ग्राउंड पर सीएसके को शिकस्त दी थी।

चेन्नई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान रुतुराज गायकवाड़ की नॉट आउट सेंचुरी (60 बॉल में 108 रन, 12 फोर, 3 सिक्स) और ऑलराउंडर शिवम दुबे के चिर-परिचित अंदाज में पावर पैक्ड पचासे (27 बॉल में 66 रन, 3 फोर, 7 सिक्स) की बदौलत 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 210 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया था।

डि कॉक और केएल राहुल के आउट होने के बाद मार्कस स्टॉइनिस ने संभाला मोर्चा

जवाब में लखनऊ के लिए पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी करने वाली क्विंटन डि कॉक (0) और कप्तान केएल राहुल (16) की ओपनिंग जोड़ी बेहद सस्ते में निबट गई तो टीम की हार नजर आ रही थी। लखनऊ ने महज 33 रन पर दो विकेट और 88 रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे। लेकिन, यहां से स्टोइनिस ने ऐसा पराक्रम दिखाया कि पारी में तीन गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य के पार पहुंचा दिया। मेहमान टीम ने चार विकेट पर 213 रन बनाकर चेन्नई के चेहरे पर मायूसी ला दी।

स्टॉइनिस का तूफान और बड़ा रिकॉर्ड चकनाचूर, धोनी बने दर्शक

इस तरह वह लक्ष्य का पीछा करने के दौरान सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। जब वह मैदान पर चौके और छक्के उड़ा रहे थे तो रणनीति के सबसे बड़े सूरमा एमएस धोनी विकेट के पीछे खड़े सिर्फ दर्शक बने रहे। रिजल्ट हर किसी के सामने है। उन्होंने पॉल वल्थाटी का रिकॉर्ड तोड़ा, जिन्होंने 2011 में मोहाली में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए चेन्नई सुपर किंग्स के ही खिलाफ नाबाद 120 रन ठोकते हुए हर किसी को हैरान कर दिया था।

टी20 वर्ल्ड कप से पहले युगांडा के मुख्य कोच बने अभय शर्मा

कंपाला, एजेंसी। युगांडा क्रिकेट एसोसिएशन (यूसीए) ने तीन साल के अनुबंध पर भारत के पूर्व प्रथम श्रेणी क्रिकेटर अभय शर्मा को अपनी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त करने की घोषणा की है। अभय शर्मा के पास खिलाड़ी और कोच दोनों के रूप में सफलता का एक मजबूत ट्रैक रिकॉर्ड है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम के साथ अपने कार्यकाल के अलावा, उन्होंने पहले भारत ए और भारत अंडर-19 के लिए फील्डिंग कोच के रूप में कार्य किया। उनकी सबसे हालिया कोचिंग भूमिका दिल्ली रणजी टीम के साथ थी। अपनी नियुक्ति पर 54 वर्षीय अभय शर्मा ने कहा, प्रतिभाशाली क्रिकेटरों के समूह के साथ काम करने के इस अवसर के लिए मैं यूसीए का बहुत आभारी हूं। युगांडा में केवल कुछ दिनों के लिए रहने के बाद, यह पहले से ही मेरे दूसरे घर जैसा लगता है। मैं यहां टीम की आकांक्षाओं में योगदान देने के लिए हूं, जिसमें आगामी विश्व कप में दुनिया की शीर्ष टीमों को हराना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, मैं इस उभरती हुई टीम और युवा क्रिकेटरों के साथ काम करने पर पूरा फोकस करूंगा।

युगांडा क्रिकेट ने पिछले 12 महीनों में अच्छा प्रदर्शन किया है। हालांकि, कुछ ऐसे क्षेत्र और खामियां हैं, जिन्हें सही करना होगा। लेकिन, हमने फिर भी वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई किया है। अब सोचिए अगर हम अपनी कमियों को दूर कर लें तो नतीजे कितने बेहतर हो सकते हैं। यूसीए ने हमें पूरा समर्थन देने का वादा किया है और मैं टीम के साथ कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार हूं।

लॉरियस अवॉर्ड

जोकोविच रिकॉर्ड पांचवीं बार श्रेष्ठ खिलाड़ी बने

मैड्रिड, एजेंसी। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी। सर्बिया के टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच वर्ष के श्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए हैं। उन्होंने पांचवीं बार प्रतिष्ठित लॉरियस अवॉर्ड पर कब्जा जमाया है। उन्होंने स्विटजरलैंड के टेनिस स्टार रोजर फेडरर की बराबरी कर ली है।

फेडरर को भी पांच बार वर्ष का श्रेष्ठ खिलाड़ी चुना जा चुका है। जोकोविच जरूर श्रेष्ठ खिलाड़ी बने, लेकिन आकर्षण का केंद्र पहली बार विश्व चैंपियन बनने वाली स्पेन की महिला फुटबाल टीम और उसकी स्टार फुटबालर एइटाने बोनमाती रहीं। महिला स्पेनिश फुटबाल टीम को वर्ष की श्रेष्ठ टीम का खिताब मिला, जबकि बोनमाती को वर्ष की श्रेष्ठ महिला खिलाड़ी चुना गया। यह वही स्पेनिश महिला फुटबाल टीम है, जो फीफा विश्वकप के पुरस्कार समारोह के दौरान विवादों में आई थी।

समारोह के दौरान स्पेनिश फुटबाल के तत्कालीन अध्यक्ष रुबियालेस ने स्पेन फुटबाल टीम की सदस्य जेनी हरमोसो के चुंबन ले लिया था।

नडाल को भी पुरस्कार, फाउंडेशन ने भारत में की मदद

अमेरिकी जिम्नास्ट सिमोना बाइल्स को श्रेष्ठ वापसी के लिए वर्ष का खिलाड़ी चुना गया। रियल मैड्रिड के इंग्लिश फुटबालर जूड बेलिंघम को वर्ष का ब्रेकथ्रू अवॉर्ड मिला और राफेल नडाल के फाउंडेशन को खेलों में अच्छाई के लिए पुरस्कार मिला। नडाल के फाउंडेशन ने स्पेन और भारत में एक हजार कमजोर बच्चों की मदद की है।

2012 में पहली बार विजेता बने थे जोकोविच

जोकोविच ने 24 ग्रैंड स्लैम जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। उन्होंने बीते वर्ष ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन और अमेरिकी ओपन के खिताब जीते, जबकि विंबलडन के फाइनल में उन्हें कार्लोस अल्कारेज के हाथों कड़े संघर्ष में हार मिली थी। जोकोविच ने इससे पहले 2012, 2015, 2016 और 2019 में यह खिताब जीता था। जोकोविच ने अवॉर्ड लेने के बाद कहा कि उन्हें याद आ रहा है कि 2012 में 24 साल की उम्र में उन्होंने पहली बार यह खिताब जीता था। 12 साल बाद फिर से यहां होना गर्व की बात है।

लीजेंड क्रिकेट ट्रॉफी में टीम के मालिक पर लगा मैच फिक्सिंग का आरोप

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के अटॉर्नी जनरल ने अदालत को सूचित किया है कि लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी में खेलने वाली सात टीमों में से एक कैंडी सैंप आर्मी के मालिक योनी पटेल पर मैच फिक्सिंग का आरोप लगाया गया है।

अटॉर्नी जनरल का प्रतिनिधित्व करने वाले सरकारी वकील ने सोमवार को कोलंबो मजिस्ट्रेट को सूचित किया कि योनी पटेल पर कोलंबो हाई कोर्ट में अपराध का आरोप लगाया गया है। उन पर श्रीलंका में सेंट्रल हिल्स के पल्लेकेले में बड़ी संख्या में सेवानिवृत्त अंतर्राष्ट्रीय सितारों की भागीदारी के साथ खेली गई लीजेंड्स क्रिकेट ट्रॉफी के दौरान एक क्रिकेटर पर फिक्सिंग में शामिल होने के लिए दबाव डालने का आरोप लगाया गया है। जांच श्रीलंका के सेवानिवृत्त राष्ट्रीय क्रिकेटर उपुल थरंगा की शिकायत पर शुरू की गई, जो खुद पटेल के स्वामित्व वाली टीम के खिलाड़ी हैं। श्रीलंका के पूर्व सफेद गेंद कप्तान और क्रिकेट चयन समिति के वर्तमान अध्यक्ष थरंगा ने पंजाब रॉयल्स के लिए खेलने वाले न्यूजीलैंड के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर नील ब्रूम के साथ मैच फिक्सिंग की शिकायत की थी। शिकायत में कहा था कि उनसे दो व्यक्तियों ने संपर्क किया जिन्होंने खुद को कैंडी सैम्प टीम का मालिक और पंजाब रॉयल्स मैनेजर बताया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, कथित मैच फिक्सरों में से एक ने खराब प्रदर्शन करने और मैच के नतीजों को फिक्स करने के लिए खिलाड़ियों से पैसे की पेशकश की थी। इसके बाद थरंगा ने तुरंत खेल से संबंधित भ्रष्टाचार को रोकने के लिए गठित श्रीलंका खेल मंत्रालय की विशेष जांच इकाई को शिकायत की, जबकि ब्रूम ने न्यूजीलैंड क्रिकेट और बाद में आईसीसी को रिपोर्ट की। एसआईयू की जांच में पता चला कि टीम मैनेजर ने ब्रूम को अपने कमरे में बुलाया और 10 से अधिक गेंदों का सामना करने के बाद 10 से कम रन बनाने के लिए कहा था।

टीम इंडिया की रेस...

शिवम दुबे की 51.83 की औसत वाली बल्लेबाजी पर भारी हार्दिक का स्पेशल 4 !

नईदिल्ली, एजेंसी। आईपीएलः 2024 का आधा सफर पूरा हो चुका है, इस आधे सफर के बाद कई भारतीय खिलाड़ी अपने प्रदर्शन की बदौलत जून में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप में खेलने का सपना बुन रहे हैं. दो भारतीय खिलाडियों को लेकर सबसे ज्यादा हाइप क्रिएट हो रही है. ये दोनों ही ऑलराउंडर हैं.

ये दो ऑलराउंडर हैं शिवम दुबे और हार्दिक पंड्या. इन दोनों ही खिलाडियों के वर्ल्ड कप में जाने को लेकर कई क्रिकेट एक्सपर्ट अपनी राय भी रख रहे हैं. ऐसे में बड़ा सवाल है कि आईपीएल के आधे सफर के बाद दुबे या पंड्या में किसका पलड़ा भारी है. शिवम दुबे आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स की ओर से खेल रहे हैं. वहीं, हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस की कमान संभाल रहे हैं. अब आंकड़ों के लिहाज से समझ लेते हैं दुबे और पंड्या में किसका आईपीएल 2024 में दबदबा रहा है. शिवम दुबे ने अब तक 8 आईपीएल मैचों में कुल 311 रन बनाए हैं.

इस दौरान उनका उच्चतम स्कोर 66 नॉट आउट रहा है. उनका एवरेज 51.83 और स्ट्राइक रेट 169.95 का है. दुबे अब तक (23 अप्रैल) तक 22 छक्के जड़ चुके हैं, वो अपनी बिग हिटिंग क्षमता के लिए जाने जाते हैं. दूसरी ओर मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या हैं. पंड्या ने भी मौजूदा आईपीएल में अब तक दुबे के ही बराबर 8 मैच खेले हैं, पर उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से निराश किया है. पंड्या ने 8 मैचों में महज 151 रन 21.57 के एवरेज से बनाए हैं. उनका स्ट्राइक रेट 142.45 का है. हालांकि हार्दिक पंड्या के साथ एक ही एडवांटेज है, जिसमें वो शिवम दुबे से आगे दिखते हैं.

विश्व नंबर 1 के रूप में 100-सप्ताह के क्लब में शामिल हुई स्वीयाटेक

मैड्रिड, एजेंसी। दुनिया की नंबर 1 खिलाड़ी इगा स्वीयाटेक हाल ही में डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शीर्ष पर 100 सप्ताह बिताने वाली नौवीं खिलाड़ी बनने की उपलब्धि पर पहुंची हैं। इस उपलब्धि पर विचार करते हुए,स्वीयाटेक ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि इस मील के पत्थर को समझना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ है।

डब्ल्यूटीए रैंकिंग के शिखर पर 100 सप्ताह बिताने वाले नौ खिलाड़ियों के चुनिंदा समूह में स्वीयाटेक 22 साल 326 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल करने वाली मार्टिना हिंगिस, मोनिका सेलेस, स्टेफनी ग्राफ और क्रिस एवर्ट के बाद पांचवीं सबसे कम उम्र की खिलाड़ी हैं। स्वीयाटेक ने 100 क्लब में शामिल होने के बारे में कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे लिए इसे समझ पाना कठिन है क्योंकि यह बहुत तेजी से हुआ। मैंने कभी उस पद पर रहने की उम्मीद नहीं की थी।

स्वीयाटेक ने मंगलवार को मैड्रिड ओपन प्री-टूर्नामेंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, वास्तव में, खेल में इतने लंबे समय तक शीर्ष पर रहना कुछ ऐसी बात है जो मुझे वास्तव में गौरवान्वित करती है। मुझे लगता है कि हमने कभी-कभी कुछ कठिन निर्णय लिए हैं। मेरे पास अच्छे लोग हैं जो मेरा मार्गदर्शन कर रहे हैं और मेरी मदद कर रहे हैं,

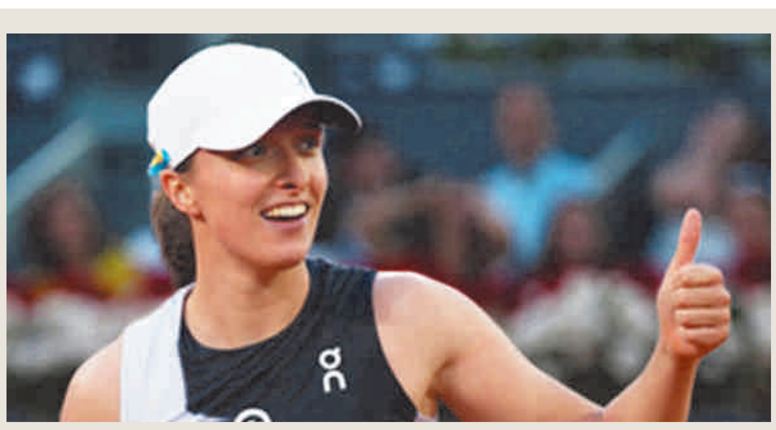

इसलिए निश्चित रूप से मैं यहां नहीं होती अगर मैं इसे स्वयं करती और मैं वास्तव में आभारी हूं कि सब कुछ ऐसा हुआ। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने पहली बार अप्रैल 2022 में शीर्ष स्थान हासिल किया था जब एश्ले बार्टी ने टेनिस से संन्यास ले लिया था और तब से शिखर पर बनी हुई है, पिछले सीज़न में आठ सप्ताह की अवधि को छोड़कर जब आर्यना सबालेंका ने उनकी जगह ली थी।

उसने आगे कहा, जैसा कि आप जानते हैं, विशेष रूप से पिछले साल, नंबर 1 पर वापस आना एक बड़ी बात थी और यह अप्रत्याशित तरीके से हुआ, इसलिए मुझे खुद पर गर्व है कि मैं इसके साथ आने वाले सभी दबावों का सामना कर सकी। लेकिन कुल मिलाकर यह एक तरह का मज़ा है। डब्ल्यूटीए आंकड़ों के अनुसार, स्वीयाटेक पहली बार विश्व नंबर 1 पर पहुंचने के 749 दिन बाद मील के पत्थर तक पहुंच जाएंगी- ग्राफ, एवर्ट और सेलेस के बाद 100 सप्ताह तक पहुंचने वाली चौथी सबसे तेज खिलाड़ी।

स्पेन की राजधानी में पहुंचकर, स्वीयाटेक विश्व नंबर 1 के रूप में अपना 100वां सप्ताह मना रही है। पिछले साल मैड्रिड में उपविजेता रहने के बाद, वह चीन की वांग ज़ियू के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगी।

संक्षिप्त समाचार

संजय निरुपम की उम्मीदवारी से पहले महाराष्ट्र में घमासान

मुंबई, एजेंसी। कांग्रेस के बागी नेता संजय निरुपम की लोकसभा चुनाव में संभावित उम्मीदवारी को लेकर महायुति के घटक दलों की बीच ठन गई है। लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण का मतदान खत्म हो गया है मगर अभी महायुति में सीटों के बंटवारे पर आम सहमति नहीं बन पाई है। अभी तक शिवसेना और भाजपा ने मुंबई की छह में से तीन सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान नहीं किया। इसी बीच ऐसी भी चर्चाएं तेज हैं कि संजय निरुपम शिवसेना में शामिल होंगे और उत्तर पश्चिम मुंबई सीट की दावेदारी करेंगे। मगर संजय निरुपम की संभावित उम्मीदवारी महायुति के अन्य घटक दल महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) के गले नहीं उतर रही है। बिना शर्त भाजपा को समर्थन देने वाली एमएनएस ने दक्षिण मुंबई लोकसभा सीट से संजय निरुपम के चुनाव लड़ने की चर्चा को लेकर सवाल उठाया है। महाराष्ट्र टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, एमएनएस के नेता मनीष धुरी ने साफ किया कि अगर शिंदे की शिवसेना उत्तर पश्चिम मुंबई से संजय निरुपम को उम्मीदवार बनाती है तो वह इसका विरोध करेंगे। बताते चलें कि संजय निरुपम और एमएनएस की बीच मतभेद की स्थिति नई नहीं है। बकौल मनीष धुरी, जब जब एमएनएस आक्रामक तरीके से मराठी का मुद्दा उठा रही थी, मराठी युवाओं की नौकरियों और रोजगार के लिए लड़ रही थी, तब तब संजय निरुपम ने विरोध किया। उन्होंने कहा, जब भी हमने मराठी युवाओं के लिए आंदोलन किया, उन्होंने इसका विरोध किया। धुरी ने निरुपम की आलोचना करते हुए उन्हें महाराष्ट्र की राजनीति का कचरा बताया। संजय निरुपम 2009 में उत्तरी मुंबई से सांसद थे। इस दौरान एमएनएस ने मराठी का मुद्दा उठाया और कई आंदोलन किए। उस समय मराठी-गैरमराठी विवाद खड़ा हो गया। इसमें संजय निरुपम भी कूद पड़े और उन्होंने एमएनएस प्रमुख राज ठाकरे की जमकर आलोचना की। इसके बाद से ही निरुपम एमएनएस के रडार पर आ गए। इसलिए उनकी संभावित उम्मीदवारी का एमएनएस द्वारा कड़ा विरोध किया जा रहा है।

कलचुरी समाज ने युवक-युवतियों को मंच देकर प्रेरणादाई कार्य किया: जगत बहादुर सिंह

जबलपुर। कलचुरी समाज का 29वां युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन मानस भवन में किया गया। सर्वप्रथम कलचुरी कुल गौरव राजराजेश्वर कार्तवीर्य भगवान सहस्त्रार्जुन जी मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। सर्वप्रथम कलचुरी कुल गौरव राजराजेश्वर कार्तवीर्य भगवान सहस्त्रार्जुन जी मूर्ति पर माल्यार्पण एवं पूजन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। गणेश वंदना एवं अतिथियों के स्वागत के पश्चात युवक एवं युवतियों ने मंच पर आकर अपना परिचय दिया। सम्मेलन में 600 युवक-युवतियों ने अपना अपना परिचय दिलाकर ,कलचुरी समाज ने युवक-युवतियों को एक विशाल भवन में मंच देकर समाज में प्रेरणादाई कार्य किया है। मैं समाज के सभी पदाधिकारियों को अपनी ओर से बधाई प्रेषित करता हूं। ये विचार कलचुरी युवक युवती परिचय सम्मेलन में महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू के द्वारा मुख्य अतिथि के तौर पर व्यक्त किए। महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने बताया कि कलचुरी समाज से मेरा पुराना जुड़ाव रहा है। वैसे तो मुझे अनेक समाजों का आशीर्वाद मिल रहा है। लेकिन कलचुरी समाज की बात ही कुछ और है। आपके समाज में मैं कुछ इस तरह घुला-मिला हूं कि मुझे लगता है कि मैं भी कलचुरी समाज का ही हूं। कलचुरी महासभा जबलपुर निरंतर कार्य करने वाला सक्रिय संगठन है। सभी पदाधिकारियों को इस पुनीत कार्य के लिए बधाई। कलचुरी समाज की गतिविधियों, मेधावियों की जानकारी एवं विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा को समाहित करने वाली पूरे अंचल में लोकप्रिय कलचुरी गौरव पत्रिका का विमोचन मुख्य अतिथि महापौर जगत बहादुर सिंहअन्नू समाज के अध्यक्ष मनोहर चौकसे, महामंत्री बीडी राय, कलचुरी महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती रेखा चौकसे आदि ने किया।

गांधी सरनेम छोड़ दें राहुल, करानी चाहिए डीएनए जांच- विधायक पी वी अनवर

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के 'राहुल गांधी के एक पुराने नाम' संबंधी बयान को लेकर कांग्रेस की कड़ी प्रतिक्रिया के बीच, राज्य में सत्तारूढ़ वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) के विधायक पी वी अनवर ने यह कहकर एक और विवाद पैदा कर दिया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के डीएनए की जांच की जानी चाहिए। व्यवसायी से विधायक बने अनवर ने कहा कि कांग्रेस नेता 'चौथे दर्जे के नागरिक' बन गए हैं, जो गांधी उपनाम से बुलाए जाने के लायक नहीं हैं।

विजयन के खिलाफ गांधी के हालिया बयान से खफा अनवर ने सवाल किया कि नेहरू परिवार से संबंध रखने वाला कोई व्यक्ति इस तरह के बयान कैसे दे सकता है। अनवर ने यहां एलडीएफ स्थानीय समिति द्वारा आयोजित एक बैठक में कहा, 'मेरी राय है कि राहुल गांधी के डीएनए की जांच की जानी चाहिए। इसमें कोई विवाद नहीं है।' गांधी ने राज्य में अपने हालिया प्रचार अभियान के दौरान सवाल किया था कि विपक्ष शासित राज्यों के दो मुख्यमंत्रियों को जेल भेजने वाली केंद्रीय एजेंसियों ने वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता से पूछताछ क्यों नहीं की और उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया, जबकि उन पर कई आरोप लगे हैं। वामपंथी नेताओं ने विजयन के खिलाफ दिए गए इन बयानों के लिए कांग्रेस नेता की कड़ी आलोचना की और कहा कि उन्हें विजयन के बजाय मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की आलोचना करनी चाहिए। गांधी के खिलाफ अनवर की आपत्तिजनक टिप्पणी पर विजयन से उनकी प्रतिक्रिया के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने एलडीएफ विधायक को सही ठहराया और कहा कि कांग्रेस नेता आलोचना से परे व्यक्ति नहीं हैं।

विजयन ने कन्नूर में संवाददाताओं से कहा, 'राहुल गांधी ने जो कहा है, उसका जवाब उन्हें मिलेगा। वह आलोचना से परे नहीं हैं।' विजयन ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर हमला करने के लिए 'राहुल गांधी के एक पुराने नाम' का उनके द्वारा संदर्भ दिए जाने का भी बचाव किया और कहा कि यह टिप्पणी राज्य में चुनाव प्रचार के दौरान गांधी द्वारा दिए गए कुछ बयानों के जवाब में की गई। उन्होंने कहा कि इस टिप्पणी से भाजपा और उसके नियंत्रण वाली एजेंसियों को मदद मिली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता का ऐसा आचरण पूरी तरह से बचकाना था और गांधी को केवल वही नहीं दोहराना चाहिए, जो राज्य में उनकी पार्टी के कुछ नेता उनसे कहते हैं। उन्होंने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'इसलिए मैंने कहा कि उन्हें अपने पुराने नाम की ओर लौटना नहीं चाहिए।'

विजयन ने एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उनसे सवाल किया गया था कि उनकी इस तरह की टिप्पणी कितनी उचित है, जबकि अतीत में वह इस तरह के व्यक्तिगत हमलों के खिलाफ रुख अपना चुके हैं। विजयन ने शुक्रवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष पर हमला करने के लिए 'राहुल गांधी के एक पुराने नाम' का संदर्भ दिया था।

प्रधानमंत्री मोदी मिलने का समय दें, उनकी गलतफहमी करूंगा दूर- खरगे

नईदिल्ली, एजेंसी। लोकसभा चुनाव 2024 की लड़ाई भाजपा और कांग्रेस में मुस्लिम लीग और मंगलसूत्र पर आ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार चुनावी रैलियों में कांग्रेस पर महिलाओं का मंगलसूत्र तक छीनने और देश में मुस्लिम लीग लाने का आरोप लगा रहे हैं। पीएम मोदी के मुताबिक, कांग्रेस के मेनिफेस्टो में ऐसी कई बातें हैं, जो देश के लिए खतरा है। पीएम के इन आरोपों के जवाब में मंगलवार को कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी मां ने देश के लिए अपना मंगलसूत्र ही कुर्बान कर दिया वो किसी का मंगलसूत्र क्या लेंगे। अब मामले में कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खरगे सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के पास अगर समय है तो वे उनसे मिलकर कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र अच्छे से समझ सकते हैं ताकि उनकी गलतफहमी दूर हो। इस महीने चुनावी रैलियों में पीएम मोदी ने अपने भाषणों में कई बार कांग्रेस के घोषणापत्र का जिक्र करते हुए कहा है कि कांग्रेस पार्टी के वादे आजादी से पहले मुस्लिम लीग के विचारों की याद दिलाते हैं। रविवार को राजस्थान की एक रैली में पीएम मोदी ने यह दावा करके नए विवाद को जन्म दे दिया कि कांग्रेस का इरादा लोगों की संपत्ति जब्त कर उसे मुसलमानों में बांटना है। उन्होंने कहा था, वे आपका मंगलसूत्र भी नहीं छोड़ेंगे।

अब पूरे घटनाक्रम पर कांग्रेस चीफ मल्लिकार्जुन खरगे सामने आए हैं। केरल के वायनाड में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के समर्थन में एक रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने सभी आरोपों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, पीएम मोदी कहते हैं कि कांग्रेस का घोषणापत्र मुस्लिम लीग का घोषणापत्र है। मैं उनसे अनुरोध करता हूं, अगर वह मुझे समय दें, तो मैं अपना घोषणापत्र उन्हें समझाऊंगा। हम कहां कह रहे हैं कि यह केवल मुसलमानों के लिए है?

रॉबर्ट वाड्रा अबकी बार...अमेठी में कांग्रेस दफ्तर के बाहर लगे पोस्टर

अमेठी, एजेंसी। कांग्रेस ने अब तक अमेठी लोकसभा सीट पर अपने उम्मीदवार के नाम का ऐलान नहीं किया है। चर्चा है कि इस सीट पर वायनाड में वोटिंग होने के बाद कांग्रेस कोई फैसला लेगी। माना जा रहा है कि राहुल गांधी के ही नाम का ऐलान यहां से होगा और देरी इसलिए की जा रही है ताकि वायनाड में वोटिंग के बाद वह अमेठी पर पूरा फोकस कर सकें। लेकिन इस बीच अमेठी में राहुल गांधी के जीजा रॉबर्ट वाड्रा के नाम के पोस्टर लगे हैं। इन पोस्टरों में नारा लिखा है- अमेठी की जनता करे पुकार, रॉबर्ट वाड्रा अबकी बार। इन पोस्टरों में निवेदक के तौर पर लिखा है- अमेठी की जनता। ये पोस्टर अमेठी के गौरीगंज में स्थित कांग्रेस के दफ्तर के बाहर लगाए गए हैं। बता दें कि रॉबर्ट वाड्रा खुद भी अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुके हैं। उनका कहना था कि अमेठी की जनता चाहती है कि मैं वहां से चुनाव लड़ूं और संसद में उनका प्रतिनिधित्व करूं। वाड्रा ने कहा था कि अमेठी के लोग मानते हैं कि स्मृति ईरानी को चुनकर उन्होंने गलती की थी और अब इसे सुधारने का मौका है। वाड्रा ने दावा किया था कि उनके पास अमेठी से तमाम लोगों के फोन आते हैं कि आप यहां से चुनाव लड़ें, लेकिन आखिरी फैसला पार्टी को ही लेना है। गौरतलब है कि वाड्रा की इस दावेदारी और राहुल गांधी के चुनाव लड़ने के कयासों को लेकर स्मृति ईरानी ने तंज भी कसा था।

भाजपा-कांग्रेस के सामने रविंद्र सिंह भाटी बन गए बड़ी चुनौती

बाड़मेर, एजेंसी। राजस्थान के बाड़मेर के छोटे से गांव दूधोड़ा के रहने वाले रविंद्र सिंह भाटी भाजपा और कांग्रेस दोनों के लिए बड़ी चुनौती बन गए हैं। सूबे की राजनीति में इस 26 वर्षीय नेता की खूब चर्चा है। दरअसल, भाटी राजस्थान के बाड़मेर जिले की शिव विधानसभा सीट से वर्तमान में निर्दलीय विधायक हैं और बाड़मेर संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव के लिए निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया है। इस नौजवान को सुनने और देखने के लिए उसके रोड शो और सभाओं में हजारों की तादाद में लोग उमड़ रहे हैं। केंद्र सरकार के मंत्री कैलाश चौधरी को सीधे तौर पर चुनौती दी है। यह पहली बार नहीं है जब भाटी ने भाजपा से अलग राह पकड़ी है। जब-जब उन्हें टिकट नहीं मिला उन्होंने अलग राह पकड़ी और जीतकर निकले। रविंद्र सिंह भाटी जब उच्च शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे तो उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के रूप में छात्र राजनीति में कदम रखा।

राहुल गांधी के बाद सैम पित्रोदा बोले- अमेरिका में तो मरने के बाद सरकार के पास जाती है आधी दौलत

नईदिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी ने पिछले दिनों देश में संस्थागत और आर्थिक सर्वे कराने और संपत्ति के पुनर्वितरण की बात कही थी। इसे लेकर पीएम नरेंद्र मोदी ने तीखा हमला बोला था और कहा था कि कांग्रेस देश के लोगों की संपत्ति लूटना चाहती है। यह विवाद अभी थमा भी नहीं था कि कांग्रेस के नेता सैम पित्रोदा का बयान नया बवाल खड़ा कर सकता है। अमेरिका में बोलते हुए ओवरसीज कांग्रेस के चेयरमैन सैम पित्रोदा ने कहा, अमेरिका में विरासत पर टैक्स लगता है। यदि किसी के पास 100 मिलियन डॉलर की संपत्ति है और वह मर जाता है तो उसकी 45 फीसदी संपदा ही बच्चों को मिलती है। इसके अलावा बाकी 55 फीसदी संपत्ति सरकार के पास चली जाती है।

सैम पित्रोदा ने अमेरिकी कानून की बात करते हुए कहा, यह कानून कहता है कि आपने दौलत बनाई और उसका उपभोग किया। अब आप उसे छोड़कर जाएं तो उसका पूरा हिस्सा बच्चों को ही न मिले, कुछ देश को भी मिले। यह अच्छा कानून लगता है। भारत में ऐसा नहीं है। यदि किसी के पास 10 अरब की दौलत है और उसकी मौत हो जाती है तो उसके बच्चों को पूरी संपदा मिलती है, पब्लिक के हाथ कुछ नहीं आता। ये ऐसे मुद्दे हैं, जिन पर लोगों को डिबेट और चर्चा करनी चाहिए। मैं नहीं जानता कि इसका परिणाम क्या होगा, लेकिन जब हम संपदा के पुनर्वितरण की बात करते हैं तो हम नई नीतियों की बात कर रहे हैं। ऐसी योजनाओं की बात कर रहे हैं, जो जनता के हित में हैं। हम ऐसी स्कीमों की बात नहीं करते, जो सिर्फ देश के सुपर अमीरों के लिए ही हों।

यही नहीं राहुल गांधी की ओर से दिए बयान पर सवाल पूछा गया कि इसे पीएम नरेंद्र मोदी मुद्दा बना रहे हैं। इस पर सैम पित्रोदा ने कहा कि वह यह बात नहीं कह रहे हैं कि किसी की शर्ट लेकर दूसरे को दी जाएगी। यहां बात यह है कि कैसे संसाधनों का केंद्रीकरण होने से रोका जाए। बता दें कि कुछ सप्ताह पहले राहुल गांधी ने हैदराबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि हमारी सरकार बनेगी तो हम संस्थागत और आर्थिक सर्वे कराएंगे। हम यह पता लगाएंगे कि देश में किसके पास कितनी दौलत है और उसका फिर नए सिरे से वितरण होगा। उनके इसी बयान को आधार बनाते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने राजस्थान की एक रैली में हमला बोला था।

माओवादियों ने लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने का आह्वान किया

वायनाड (केरल)। केरल में वायनाड जिले के थलप्पुझा पुलिस थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह संदिग्ध हथियारबंद माओवादियों का चार सदस्यीय समूह पहुंचा और वहां के लोगों से 26 अप्रैल के लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने का आग्रह किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वहां माओवादियों के पहुंचने की सूचना मिलने के बाद कई पुलिसकर्मी कंबामाला पहुंचे। लेकिन उन्होंने इस बारे में अधिक जानकारी साझा नहीं की। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुबह करीब सवा छह बजे माओवादी उनके क्षेत्र में पहुंचे और नारे लगाए। उन्होंने बताया कि माओवादियों ने लोगों से मतदान का बहिष्कार करने का भी आग्रह किया। स्थानीय लोगों ने बताया कि नक्सली वर्दी में थे और उनके पास बंदूकें थीं। वे करीब 20 मिनट तक वहां रुके थे। बाद में माओवादियों का स्थानीय लोगों के साथ बातचीत का एक कथित वीडियो सामने आया। वीडियो में यह नजर आ रहा है कि जब वे वहां पहुंचे थे तो वहां अधिकतर श्रमिक मौजूद थे।

रेफर बच्चे को अस्पताल नहीं घर ले जाकर अपने नहाने-खाने में लगा एंबुलेंसकर्मी

बरेली , एजेंसी। रेफर किए गए बुखारग्रस्त बच्चे को बरेली जिला अस्पताल से सैफई ले जाने की बजाय अपने घर जाकर 108 एंबुलेंस कर्मियों ने दो घंटे तक नहाने और खाना खाने में समय बर्बाद कर दिया। इससे बच्चे की जान चली गई। इस लापरवाही की गूंज जब शासन तक पहुंची तो दोनों कर्मचारियों को बर्खास्त करते हुए एंबुलेंस के स्टाफ को लखनऊ तलब किया गया है। मंगलवार को शासन स्तर पर एबुलेंस में बच्चे के दम तोड़ने के मामले में संज्ञान लिया गया और बड़ी कार्रवाई की गई। शासन के निर्देश पर लखनऊ से ही 108, 102 एबुलेंस की कार्यदायी संस्था के द्वारा ईएमटी अमित कुमार और पायलट अनूप कुमार को बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा इन दोनों के अलावा स्थानीय स्टाफ को शासन तलब किया गया है। शासन की एबुलेंस कर्मियों पर हुई कार्रवाई के बाद हड़कंप मच गया है। एबुलेंस जिला प्रभारी सहित अधिकारियों से जवाब तलब किया गया है वहीं सीएमओ को भी शासन से जांच करने को निर्देशित किया गया है। यह है मामला सोमवार को बदायूं जिले के बिनावर के गांव पुठी सहाय निवासी हरिनंदन के नौ माह के बेटे आशीष को बुखार आया तो परिजन उसको बरेली ले गए। चूंकि बदायूं के मुकाबले गांव से बरेली नजदीक था। इसलिए बरेली ले गए। बरेली प्राइवेट अस्पताल में दिखाने के बाद जिला अस्पताल ले गए वहां से गंभीर हालत होने पर बच्चे को सैफई के लिए रेफर कर दिया गया। बच्चे आशीष के चाचा शिवनंदन ने बताया कि सोमवार सुबह करीब साढ़े दस बजे एबुलेंस जिला अस्पताल पहुंची चालक अनूप और ईएमटी अमित एबुलेंस सैफई की जगह बरेली के नकटिया से पांच किलो मीटर दूर गांव मोहनपुर ठिरिया ले गया। परिजनों के अनुसार नहाने और खाने में दोनों लग गए और दो घंटा बीत गए।

दूसरे चरण के चक्रव्यूह में मोदी के दो मंत्री, जीत-हार से तय होगा गजेंद्र शेखावत-कैलाश चौधरी का भविष्य

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में दूसरे चरण की 13 लोकसभा सीटों के लिए कांग्रेस और बीजेपी ने पूरी ताकत झोंक दी है। दूसरे चरण में मोदी के दो मंत्रियों गजेंद्र सिंह शेखावत और कैलाश चौधरी की किस्मत दांव पर लगी है। जोधपुर से शेखावत की सीधी टक्कर कांग्रेस के करण सिंह से है। जबकि जैसलमेर-बाड़मेर से कैलाश चौधरी त्रिकोणीय मुकाबले में फंसे हुए हैं। कैलाश चौधरी को कांग्रेस के उम्मेदाराम बेनीवाल के साथ-साथ निर्दलीय रविंद्र सिंह भाटी से कड़ी चुनौती मिल रही है। सियासी जानकारों का कहना है कि जोधपुर में टफ फाइट है। इसलिए, शेखावत ने कंगना रनौत से रोड शो कराया है। जबकि कैलाश चौधरी के लिए कंगना आज रोड शो करेंगी। सियासी जानकारों का कहना है कि हार-जीत से ही दोनों केंद्रीय मंत्रियों का राजनीतिक भविष्य तय होगा। फिलहाल दोनों ही मंत्री कड़े मुकाबले में फंसे हुए दिखाई दे रहे है। कांग्रेस प्रत्याशी करण सिंह संजीवनी घोटाले के उछाल कर शेखावत को घेर रहे है।

उल्लेखनीय है कि फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत ने जोधपुर और पाली में बीजेपी प्रत्याशियों के लिए रोड शो कर वोट मांगे। इन दोनों सीटों पर दूसरे चरण में 26 अप्रैल को मतदान होगा। जोधपुर में अभिनेत्री कंगना रनौत ने मंगलवार को चौपासनी

हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में रोड शो कर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के लिए समर्थन मांगा। हाउसिंग बोर्ड के सेक्टर 8 से शुरू हुआ रोड शो प्रथम पुलिया के पास जाकर खत्म हुआ। रोड शो समाप्त होने से ठीक पहले कंगना रनौत ने वहां मौजूद भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि आप सबको 400 पार का लक्ष्य पूरा करने के लिए वोट देना है और मोदीजी के हाथ मजबूत करने हैं। उन्होंने कहा कि लोग वोट करते समय जिसका सर तन से जुदा हुआ, उसके बारे में सोच कर वोट करें। कंगना ने मंगलवार शाम को पाली शहर में भाजपा प्रत्याशी प्रीति चौधरी के साथ रोड शो किया। इसके बाद वह जोधपुर पहुंची थीं। बुधवार को कंगना पहले जैसलमेर और उसके बाद बाड़मेर शहर में रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी कैलाश चौधरी के लिए समर्थन जुटाएंगी।

जूते-चप्पल से हुआ बारातियों का स्वागत, घर के सामने जमकर हुई दूल्हे की पिटाई

जांजगीर-चांपा , एजेंसी। प्यार,शादी और धोखा यह शब्द हमने बहुत बार सुना है। लेकिन कई लोग इसका दुरुपयोग करने में पीछे नहीं हटते। आज तक हमने सुना है कि लोग प्यार करके शादी करने से मुकर जाते हैं फिर बाद में धोखा दे देते हैं। लेकिन एक ऐसा मामला सामने आया है जहां युवक युवती को धोखे में रखकर शादी के मंडप तक पहुंच गया। कोरबा में एक दूल्हे का स्वागत जूते-चप्पल के साथ किया गया। युवती के घर वालों ने दूल्हे राजा का स्वागत बारातियों के सामने पीट कर किया। दरअसल युवक का अफेयर पहले से ही गुजरात की रहने वाली लड़की के साथ चल रहा था। लेकिन युवक पहली गर्लफ्रेंड को धोखा देकर दूसरी गर्लफ्रेंड से शादी करने निकल गया। पहली गर्लफ्रेंड को इस बात की जानकारी लगी, तो उसने दूसरी गर्लफ्रेंड के घर वालों को इसकी सूचना दी। फिर क्या था दूसरी गर्लफ्रेंड की घर वालों ने दूल्हे का स्वागत जूते-चप्पल के साथ किया।

दरअसल, पूरा मामला कोतवाली थाना की पुरानी बस्ती का है। जहां पर जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पिसोद में रहने वाले दादूराम का विवाह कोरबा पुरानी बस्ती में तय हुआ था। गुजरात के निजी कंपनी में काम करने वाले दादूराम ने खुद को अच्छे पद पर काम करने की जानकारी भी दी थी। लड़की पक्ष के परिवार ने शादी की पूरी तैयारी कर रखी थी। लेकिन शादी के एक दिन ठीक पहले दादूराम की गुजरात में उपस्थित प्रेमिका के घरवालों को कुछ फोटो- वीडियो भेजें और अपने अफेयर के बारे में उन्हें जानकारी दी। इसके बाद लड़की के घर वालों ने लड़के को सबक सिखाने का निर्णय लिया और उन्होंने बारात का इंतजार किया। और जैसे ही दादू राम अपने परिवार और दोस्तों के साथ कोरबा बारात लेकर पहुंचा वैसे ही दूल्हे को घर के अंदर ले जाने के बाद लड़की के घर वालों ने उसकी जमकर धुनाई कर दी। बताया जा रहा है कि मंडप में ही दूल्हे को जूते की माला पहनकर उसकी पिटाई की गई। इस घटना के बाद सभी बाराती वहां से फरार हो गए। लेकिन दूल्हा और उसके परिवार वाले फंस गए। इसके बाद लड़की के परिवार वालों ने दूल्हे को बंधक बना लिया।घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली टीआई पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। जिसकी बात कमरे में बंधक बनाकर रखें दूल्हे को पुलिस टीम द्वारा छुड़ाकर नीचे लाया गया।

राजस्थान यूनिवर्सिटी के सेमेस्टर और फाइनल परीक्षा पर आम चुनाव का असर, एडमिशन प्रोसेस में भी हो सकती है देर

जयपुर, एजेंसी। लोकसभा चुनाव का असर राजस्थान यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों पर भी पड़ेगा। कॉलेजों का इस्तेमाल चुनाव कार्यो के लिए होने की वजह से सेमेस्टर और फाइनल परीक्षा पर भी इसका असर होगा। दरअसल, चुनाव आयोग से जुड़े अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा राजस्थान यूनिवर्सिटी के दो कॉलेजों के कैंपस का उपयोग चुनाव कार्यों के लिए किया जा रहा है। इस वजह से उन कॉलेजों अकादमिक गतिविधियां ठप पड़ी हैं।

यूनिवर्सिटी के अधिकारियों ने बताया कि यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ कॉमर्स तथा राजस्थान कॉलेज को चुनाव कार्यों के लिए अधिग्रहित कर लिया गया है, ऐसे में इन कॉलेजों में अकादमिक गतिविधियां ठप हो गई हैं। ऐसे में यूनिवर्सिटी प्रशासन इन कॉलेजों में परीक्षा के आयोजन की तैयारी नहीं कर पा रहा है। इससे न सिर्फ सेमेस्टर और फाइनल परीक्षा के आयोजन में देर होगी, बल्कि यूनिवर्सिटी में होने वाले नए एडमिशन प्रोसेस पर भी पड़ेगा। इससे नया अकादमिक सत्र शुरू करने में देरी हो सकती है। यूनिवर्सिटी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राज्य में जब तक लोकसभा चुनाव की प्रक्रिया संपन्न नहीं हो जाती, यूनिवर्सिटी की ओर से फाइनल परीक्षा के लिए समुचित व्यवस्था नहीं की जा सकती है। नन कॉलेजिएट विद्यार्थियों के लिए फाइनल एग्जाम पहले मई में प्रस्तावित था,

आरएनआई रजिस्ट्रेशन : जेएचएचआईएन/2007/24306, समाचार पत्र के स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक सुमन कुमार द्वारा शिवसाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड,काटीटांड़,नियर टेंडर बगीचा,रातू,रांची(झारखंड)-835222 से मुद्रित एवं एच. आई.- 67,हरमू हाउसिंग कॉलोनी रांची (झारखंड)- 834002 से प्रकाशित,संपादक: सुमन कुमार। संपर्क नं. 9470578773,संपर्क नं. (का.) 0651-7960613,फैक्स नं. 0651- 7960613, ईमेल: purvanchalsurya@yahoo.co.in / purvanchalsurya0@gmail.com लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। न्यायालय से संबंधित सभी मामले रांची से ही निपटाए जाएंगे। (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)